रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	23.2
जमशेदपुर	34.1	24.0
डालटनगंज	32.6	22.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

@ स्पोर्ट्स पेज

रोनाल्डो ने 906वां करियर गोल दागा

www.lagatar.in

रांची, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 184

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,700
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

हेमंत कैबिनेट की बैठक आज

रांची। हेमंत कैबिनेट की बैठक 14 अक्तूबर को होगी. इससे पहले आठ अक्तूबर को हेमंत कैबिनेट की बैठक हुई थी. इसमें 81 प्रस्तावों को हरी झंडी मिली थी. कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में 14 अक्तूबर को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी. इस कैबिनेट में कई फैसले भी लिए जा सकते हैं. सरकारी कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी विचार हो सकता है. साथ ही अन्य विभागों के प्रस्तावों को भी हरी झंडी मिल सकती है.

शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों..?

नयी दिल्ली। नासिक स्थित मिलिट्री कैंप के आर्टिलरी सेंटर में फायरिंग अभ्यास के दौरान दो अग्निवीरों की जान चली गई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नासिक की घटना पर रिएक्ट किया है. उन्होंने दो अग्निवीरों की शहादत को लेकर एक्स पर पोस्ट किया है. एक बार फिर अग्निवीर योजना पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से कुछ सवाल पूछे हैं. राहुल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, नासिक में ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीर - गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित - का निधन एक दर्दनाक घटना है. यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में मोदी सरकार असफल रही है.

सोनम वांगचुक फिर पुलिस हिरासत में

नयी दिल्ली। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक और 20 अन्य को दिल्ली पुलिस ने रविवार को लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन करने के लिए हिरासत में लिया. अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक के साथ अनशन पर बैठे करीब 20-25 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, जिन्हें मंदिर मार्ग पुलिस थाने ले जाया गया. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है.

मुंबई में लोकल ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया. पश्चिम रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दोपहर 12.10 बजे मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक खाली लोकल ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए. इस घटना के बाद स्टेशन पर कुछ समय के लिए हलचल मच गई. राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. घटना के बाद, चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच का स्लो ट्रैक तुरंत बंद कर दिया गया.

असम में भूकंप, कोई नुकसान नहीं हुआ

गुवाहाटी। असम के कुछ हिस्सों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई. इसका केंद्र उदलगुरी जिले में जमीन के 15 किमी की गहराई में था. कोई नुकसान नहीं हुआ.

मां तुमि घुरे एसो...

मां की विदाई : नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहने के बाद मां की विदाई बेला में श्रद्धालु भावुक हो गए.माता की विदाई में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा. भक्त माता के अगले बरस आने की कामना करते हुए विदाई दे रहे थे. प्रशासन की तरफ से विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे. **फोटो : रमीज**

चुनाव तैयारी : चुनावी ऑफर से डिस्काउंट का खेल चालू

योजनाओं की हो रही खूब बारिश, पब्लिक कंफ्यूज

रवि भारती। रांची

झारखंड चुनाव के रंग में रंगता जा रहा है. चुनावी ऑफर के साथ डिस्काउंट का खेल शुरू चालू है. राजनीतिक दल ऑफर से साथ ताबड़-तोड़ पब्लिक को डिस्काउंट देने की भी बात कर रहे हैं. घोषणाएं की जा रही हैं. कसमें खाई जा रही हैं. प्रण भी लिए जा रहे हैं. खासकर आधी आबादी और युवा वर्ग को साधने के लिए योजनाओं की बारिश हो रही है. योजनाओं की बारिश और ऑफर में डिस्काउंट देख पब्लिक भी कंफ्यूज हो गई है.

भाजपा ने की ऑफरों की बरसात : भाजपा ने आधी आबादी को साधने के लिए ऑफरों की बारिश कर दी है. डिस्काउंट देने का भी प्रण लिया है. प्रण यह लिया है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही 500 रुपए में गैस सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा. साथ ही पर्व-त्योहार के मौके पर साल में दो गैस सिलिंडर भी मुफ्त भी दिए जाएंगे. भाजपा ने प्रण किया है कि अगर झारखंड में सरकार बनी, तो गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए दिए जाएंगे.

युवा वर्ग को साधने की पुरजोर कोशिश : युवा वर्ग को साधने के लिए भाजपा ने सरकारी विभाग में रिक्त पड़े 2.87 लाख पदों को भरने का प्रण लिया है. साथ ही ग्रेजुएशन और पीजी करने वाले विद्यार्थियों को साथी योजना के तहत भत्ता देने की वादा किया है. इन ऑफरों की चर्चा सियासी बाजार में गर्म हो गई है. इसे जांचा और परखा भी जा रहा है. इधर झामुमो ने भी विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों का कोटा भी बढ़ा दिया है. वर्तमान सरकार विद्यार्थियों के लिए कई योजनाएं भी चला रही है.

मिला क्या, का काउंटर अटैक कब मिलेगा : भाजपा और झामुमो एक दूसरे की योजनाओं पर काउंटर अटैक कर रहे हैं. भाजपा के मिला क्या अभियान के काउंटर में झामुमो ने कब मिलेगा अभियान शुरू किया है. झामुमो होर्डिंग पोस्टर के जरिए केंद्र से बकाए 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि की मांग भी कर रहा है.

परिवर्तन यात्रा के जवाब में मंईयां सम्मान यात्रा : भाजपा ने 81 विधानसभा क्षेत्रों को परिवर्तन यात्रा के जरिए कवर किया. जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित केंद्रीय मंत्री से लेकर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की. इसके काउंटर में झामुमो ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा की. गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में निकाली इस यात्रा में सीएम से लेकर गठबंधन सरकार के मंत्री और विधायक भी शामिल हुए.

हर झारखंडी का होगा अपना आवास: सीएम

भाजपा पर तंज: दिल्ली से आकर 300 घर देने को बता रहे अपनी उपलब्धि

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हर झारखंडी का अपना पक्का आवास होगा. भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि दिल्ली से बड़े-बड़े मंत्री लोग झारखंड आकर 300 घर देने को अपनी उपलब्धि बता रहे हैं. और ख़ुद की पीठ थपथपा जाते हैं. उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि जिस तरह हमने मंईयां सम्मान योजना को राज्य के हर घर तक पहुंचाया है, वैसे ही हर झारखंडी परिवार का अपना तीन कमरों का पक्का मकान होगा. बता दें कि केंद्र सरकार ने जब पीएम आवास योजना झारखंड के लिए रोक दी, तो हेमंत सरकार ने अपनी तरफ से अबुआ आवास योजना शुरू कर दी. इसके तहत राज्य के सभी जरूरतमंदों को तीन कमरे का पक्का मकान दिया जा रहा है.

बनवा रहे हैं आठ लाख मकान : सीएम ने कहा कि हम आठ लाख मकान बनवा रहे हैं . साथ ही बाकी के 17 लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड के लोगों को घर देने के मामले में हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक सबकी अपनी पक्का छत नहीं हो जाएगी.

498 सीएचओ को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 14 अक्तूबर को नवनियुक्त 498 सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी) को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह दिन के 11.30 बजे प्रोजेक्ट भवन में होगा. नव नियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अनुबंध पर की गई है.

पक्का आवास पर भी काउंटर अटैक : राज्य सरकार ने घोषणा की है कि आठ लाख मकान बनवा रहे हैं. साथ ही बाकी के 17 लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. वहीं भाजपा ने राज्य के 21 लाख परिवारों को अपना पक्का आवास देने का वाद किया है. साथ ही घर निर्माण के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध कराने का प्रण लिया है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी के कत्ल की जिम्मेदारी, सोशल मीडिया पर लिखा-

सलमान हम ये जंग नहीं चाहते थे लेकिन... तुमने नुकसान कराया

एजेंसियां। मुंबई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब एक नया मोड़ आ गया है. कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है. मामले की पेचीदगियां बढ़ाने वाला उसके गैंग की फेसबुक पोस्ट वायरल हो रही है. इस पोस्ट में गैंग ने दावा किया है कि वे सलमान खान से कोई युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन बाबा की हत्या की वजह उनके दाऊद के साथ जुड़ाव था. हालांकि, मुंबई पुलिस ने एफबी पोस्ट की पुष्टि नहीं की है और कहा कि जांच की जाएगी. बिश्नोई गैंग की तरफ से एक फेसबुक पोस्ट में कहा गया है, ओम जय श्री राम, जय भारत. पोस्ट में आगे लिखा गया है, जीवन का मूल समझता हूं, जिस्म और धन को मैं धूल समझता हूं. किया वही सत्कर्म था, जो निभाया मित्रता का धर्म था.

इस बीच, रविवार की देरशाम बाबा सिद्दीकी को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया. बाबा को पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफन किया गया. मौके पर अभिनेता सलमान खान भी मौजूद रहे. उधर, इस हत्या के मामले में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. चौथे अपराधी की भी पहचान हो गई है. शिवकुमार नाम के इस अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

गैंग ने सलमान खान को दी धमकी : बिश्नोई गैंग ने फेसबुक पोस्ट में कहा, सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे. पर तुमने हमारे भाई (लॉरेंस बिश्नोई) का नुकसान करवाया. आज जो बाबा सिद्दीकी की शराफत के पुल बांधे जा रहे हैं, वो एक टाइम में दाऊद के साथ मकोका एक्ट में था. इसके मरने का कारण दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था. इनके अलावा अनुज थापन का नाम भी पोस्ट में है, जिसने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी, और पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हो गई थी. गैंग का कहना है कि यह मौत उसका बदला है. गैंग के सदस्य ने पोस्ट किया, हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. पर जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की हेल्प करेगा, अपना हिसाब किताब लगा के रखना. हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा, तो हम प्रतिक्रिया जरूर देंगे. हम ने पहले वार कभी नहीं किया. जय श्री राम जय भारत, सलाम शहीदां नू .

तीन शूटरों की हुई पहचान : बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में मुंबई पुलिस ने अब तक तीन शूटरों की पहचान की है और मास्टरमाइंड की तलाश में लगी हुई है. हालांकि, बिश्नोई गैंग का दावा है कि जो कोई सलमान खान और दाऊद के गिरोह की मदद करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी. सलमान खान का दोस्त हमारा दुश्मन है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग: भारत का नया आपराधिक सिंडिकेट

लगातार न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री व तीन बार के विधायक रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की चर्चा एक बार फिर से देश भर में हे रही है. लॉरेंस बिश्नोई गैंग सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है. एनआईए की कार्रवाई से गैंग के खिलाफ लड़ाई तो तेज हुई है, लेकिन गैंग का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और उसकी शक्तिशाली संरचना को देखते हुए माना जा रहा है कि इसे खत्म करना आसान नहीं होगा. हाल के दिनों में देश के अपराध जगत में सबसे बड़ा नाम बन गया है. शनिवार को इस गैंग ने मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या देश को हिलाकर रख दिया है.

डी कंपनी के बराबर का गैंग

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग अपनी कार्यप्रणाली और संगठन में दाऊद इब्राहिम के डी-कंपनी जितनी बड़ी और ताकतवर बन गई है. दोनों ही गैंग ने छोटे-मोटे अपराधों से शुरुआत की और धीरे-धीरे एक बड़ा अपराधिक सिंडिकेट बना लिया. बिश्नोई गैंग ने अब उत्तर भारत में अपना वर्चस्व कायम कर लिया है और उसकी पहुंच विदेशों तक भी फैल गई है. गैंग ने रंगदारी और हवाला के जरिए बड़ी मात्रा में पैसा कमाया है, जिसे विदेशों में निवेश किया गया है. बिश्नोई गैंग का साम्राज्य अब पंजाब तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, झारखंड और विदेशों जैसे रूस, अमेरिका, पुर्तगाल, यूएई और अजरबैजान में फैला हुआ है.

700 शूटर्स और सोशल मीडिया का इस्तेमाल

एनआईए के एक आरोप पत्र के मुताबिक, बिश्नोई गैंग में लगभग 700 शूटर्स हैं, जिनमें से 300 अकेले पंजाब से हैं. गैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक का इस्तेमाल अपने गैंग का प्रचार करने और युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए किया है.

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क

गैंग के सदस्य अलग-अलग देशों में रहकर गैंग की गतिविधियों को संचालित करते हैं. गोल्डी बरार कनाडा, पंजाब और दिल्ली, रोहित गोदारा राजस्थान, मध्य प्रदेश और अमेरिका, अनमोल बिश्नोई पुर्तगाल, अमेरिका, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल, और काला जठेड़ी हरियाणा और उत्तराखंड में गैंग की कमान संभालते हैं.

प्रो. जीएन साईंबाबा का शरीर मेडिकल कॉलेज को आज

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईंबाबा के परिवार के सदस्यों ने रविवार को कहा कि साईबाबा की इच्छा के अनुसार उनका पार्थिव शरीर यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया जाएगा. परिजनों ने बताया कि पार्थिव शरीर 14 अक्टूबर को गांधी मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया जाएगा. माओवादियों से कथित संबंधों के एक मामले में महज सात महीने पहले बरी किए गए डीयू के पूर्व प्रोफ ेसर साईबाबा का ऑपरेशन के बाद की समस्याओं के कारण शनिवार को यहां एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया था. वह 58 वर्ष के थे.

परिवार ने बताया कि निम्स के शवगृह में रखे गए साईबाबा के पार्थिव शरीर को 14 अक्टूबर को गन पार्क ले जाया जाएगा और वहां से उनके भाई के आवास पर ले जाया जाएगा तथा सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि देने के लिए रखा जाएगा. इसके बाद एक शोक सभा का आयोजन किया जाएगा. साईबाबा पित्ताशय के संक्रमण से पीड़ित थे और दो सप्ताह पहले उनका ऑपरेशन हुआ जिससे जटिलताएं पैदा हो गईं. एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे साईबाबा ने अंतिम सांस ली.

घर के लिए मुफ्त बालू देने का लिया है प्रण: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि भाजपा ने राज्य के 21 लाख परिवारों को पक्का घर देने के साथ घर बनाने के लिए मुफ्त बालू देने का प्रण लिया है. सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जब राज्य बना और भाजपा की पहली सरकार बनी, तब से हमारी सरकार ने बालू को मुफ्त किया था. स्थानीय ग्रामसभा के माध्यम से बालू घाटों का संचालन कराया. हमारे द्वारा शुरू की गई मुफ्त बालू देने की यह व्यवस्था 2013 तक चलती रही. प्रदेश की जनता जरूरत के अनुसार आसानी से घरों तक बालू ले जा सकती थी.

हेमंत ने बालू घाटों को नीलाम किया : बाबूलाल ने लिखा है कि जब 2013 में हेमंत सोरेन सीएम बने, तो उन्होंने सभी बालू घाटों को नीलाम कर दिल्ली-मुंबई के ठेकेदारों के हवाले कर दिया. अपने परिवार के लोगों को बाहरी ठेकेदारों का पार्टनर बना दिया. ठेकेदारों की बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीन, हाईवा ट्रक स्थानीय लोगों की जमीनों को रौंदते हुए झारखंड का बालू बाहरी राज्यों में ले जाने लगे.

झारखंड की जनता टकटकी लगाकर देखती रह गई : झारखंड की जनता अपने गांव के बगल से बहने वाली नदियों का दोहन टकटकी लगाकर देखती रह गई. ठेकेदारों, सत्ता के दलालों और भ्रष्ट अधिकारियों के पैसों की भूख के कारण बालू अब सोना बन गई. यह आम लोगों की पहुंच के बाहर निकल गई. अपना घर, अपना आशियाना बनाने का सपना, सपना ही रह गया.

घर बनाने के सपने को साकार करेगी भाजपा

भाजपा हर झारखंड वासी के घर बनाने के सपने को साकार करेगी, भाजपा हर परिवार को बालू मुफ्त में मुहैया कराएगी. झारखंड के बालू घाटों पर बैठे धनपिपाशु लोगों का नेटवर्क ध्वस्त कर पुनः बालू घाटों का संचालन स्थानीय लोगों के हाथों में सौंपेगी.

महिला प्रताड़ना को रोकने में विफल रही हेमंत सरकार

मरांडी ने गिरती कानून व्यवस्था को लेकर हेमंत पर निशाना साधा है. कहा कि चक्रधरपुर में डायन बिसाही के शक में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की हत्या दुखद है. घटना सरकार की लचर व्यवस्था और महिला विरोधी चेहरे को दर्शाती है. महिलाओं की प्रताड़ना रोकने में हेमंत सरकार विफल रही है.

बातचीत भारतीय-अमेरिकी इतिहासकार शैलजा पाइक ने बताई एक-एक बात

दलितों के लिए जादू की छड़ी से कम नहीं है शिक्षा...

लगातार न्यूज नेटवर्क

- शैलजा ने दलित महिलाओं पर काफी रिसर्च किया है
- **शैलजा पाइक महाराष्ट्र के पुणे की रहनेवाली हैं**
- शैलजा पाइक ने येल यूनिवर्सिटी में भी पढ़ाया है

महाराष्ट्र के पुणे में पली-बढ़ी, शैलजा पाइक को मैकआर्थर फेलो के रूप में 800,000 डॉलर का जीनियस ग्रांट मिला है. 50 वर्षीय पाइक अब यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में पढ़ाती हैं. वह दलित महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर शोध कर रही हैं. पाइक के काम को बहुत सराहना मिल रही है. उनका इनबॉक्स ईमेल से भरा हुआ है और उनका शेड्यूल खचाखच भरा हुआ है. सोशल मीडिया पर भी लोग उनके बारे में बात कर रहे हैं. लेकिन पाइक इन सबसे विचलित नहीं हैं. वह अपने शोध पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

मैकआर्थर जीनियस ग्रांट जीतने का अनुभव कैसा रहा? : मैं इस सर्वोच्च सम्मान से बहुत खुश और प्रसन्न हूं. यह मेरी कड़ी मेहनत का एक बड़ा सम्मान है. मैं एक भारतीय अमेरिकी महिला के रूप में अमेरिका के इस प्रतिभाशाली, क्रिएटिव लोगों के ग्रुप में शामिल होने के लिए बहुत आभारी हूं. मेरे पास पहले से ही कई पुस्तकों के प्रोजेक्ट्स हैं. मैं अपने तीसरे मोनोग्राफ पर काम कर रही हूं जिसका शीर्षक संभवतः आधुनिक भारत में जाति वर्चस्व और मानक कामुकता है. मेरे पास कुछ सह-संपादित पुस्तकें भी हैं जिन पर मैं काम कर रही हूं. एक दलित पाठक है, जहां मैं मराठी से अंग्रेजी में ऐतिहासिक दस्तावेजों का अनुंवाद करूंगी. मुझे लगता है कि यह उन लोगों के लिए एक बहुत अच्छा संसाधन होना चाहिए जो इन प्राथमिक स्रोतों से जुड़ने में सक्षम होना चाहते हैं. मैं एक सह-संपादित पुस्तक पर भी काम कर रही हूं जिसका शीर्षक दक्षिण एशिया में और उससे परे जाति, नस्ल और स्वदेशीता है. मैं समाजशास्त्र, नृविज्ञान, भूगोल, धार्मिक अध्ययन और महिला और लिंग अध्ययन जैसे कई विषयों में काम करने वाले लगभग 24 अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के साथ सहयोग कर रही हूं.

आपके बचपन ने आपके काम को किस तरह प्रभावित किया? : पुणे में पले-बढ़े होने के कारण एक खास सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले और सीमित संसाधनों वाले मेरे परिवार पर इसका असर पड़ा है. लेकिन मैं हमेशा अपने माता-पिता और चाचा का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया. शिक्षा और झुग्गी-झोपड़ी से बाहर निकलना मेरी पहली किताब का एक अध्याय बन गया. शिक्षा मेरे लिए ही नहीं बल्कि लाखों लोगों के लिए एक जादुई छड़ी बन गई. उच्च शिक्षा बहुत सारी संभावनाओं को खोलती है.

आपकी पिछली किताब महाराष्ट्र के तमाशा कलाकारों पर केंद्रित थी, इसे आप कैसे देखती है? : इसे मैं अपनी पुस्तक द वल्गरिटी ऑफ कास्ट: दलित्स, सेक्सुअलिटी एंड ह्यूमैनिटी इन मॉडर्न इंडिया में सेक्स-जेंडर-कास्ट कॉम्प्लेक्स कहती हूं. -शेष पेज 11 पर

मीडिया सेल व सोशल मीडिया सेल का दावा- हम एक्टिव हैं, लेकिन सच ये- कहां हैं सक्रिय, कोउ न जानत-कोउ न जानत...

प्रदेश कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला... नेताओं में आपसी तालमेल ही नहीं

संजय सिंह।रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस में विधानसभा चुनाव को लेकर कमेटी पर कमेटी बनायी गयी है, लेकिन कमेटियों की तैयारी का कुछ पता नहीं चल पा रहा है. पार्टी की ओर से यदि कभी-कभार कार्यक्रमों का आयोजन किया भी जा रहा है, तो मीडिया तक उसकी न तो प्रॉपर जानकारी पहुंच पा रही है और उससे संबंधित कोई जानकारी ही ढंग से दी जा रही है. मतलब कांग्रेस में सिर्फ खानापूर्ति ही की जा रही है. या यूं कहा जाए, कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला हो रहा है. मीडिया सेल है, सोशल मीडिया सेल भी है. कई-कई नेताओं को इसकी जिम्मेवारी दी गयी है, लेकिन सभी अपने मन की कर रहे हैं. मसलन जिसको जितना बुझा रहा है, वह बैठे - बैठे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय से लेकर झारखंड स्तर तक के मुद्दे पर बयान जारी कर बयानवीर बने हुए हैं. बयान जारी कर कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं. बाकी कांग्रेस में सबकुछ राम भरोसे ही चल रहा है. न नेताओं में कोई आपसी तालमेल है और न किसी मुद्दे पर कोई डिस्कशन ही होता है. जिसको जो बुझाता है, वहीं बयान दे देता है. जहां बयान देना जरूरी होता है या पार्टी का पक्ष रखना जरूरी होता है, वहां पता ही नहीं चलता कि कौन बोलेगा, किससे पूछा जाए. झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी भी कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत की खुमारी में हैं. जो नेता टिकट की जुगाड़ में हैं, वे बस नेताओं को आगे-पीछे पैडल मार रहे हैं. रांची से दिल्ली तक एक किए हुए हैं. कुछ तो कश्मीर तक भाग-दौड़ कर रहे हैं. लेकिन फील्ड में पार्टी की ओर से ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है, जिससे पार्टी के नेताओं की आम लोगों के बीच पैठ बन सके या यूं कहिए कि जनता उनके या उनकी पार्टी के नाम पर गंभीरता से विचार कर सके. कांग्रेस में सब हवा-हवाई ही चल रहा है. लेकिन इसके नेता ताल ठोंक कर कहते हैं- ऑल इज वेल, नथिंग टू वरी.

मीडिया सेल व नेताओं में तालमेल नाम की चीज ही नहीं : पार्टी के मीडिया सेल के कुछ जिम्मेवारों से पूछने पर कहते हैं कि हमलोग क्या कर सकते हैं. हमलोगों को जो अपने से बुझाता है, उस इश्यू पर बोलते हैं. बाकी बड़े नेता कुछ बोलना ही नहीं चाहते या कुछ इंस्ट्रक्शन ही नहीं देते हैं, तो हमलोग भला क्या कर सकते हैं. यदि किसी इश्यू पर पार्टी का पक्ष रखना हो, तो बड़े नेता कुछ बताएंगे, तभी तो हम उस मुद्दे पर पार्टी का पक्ष जोरदार ढंग से रख पाएंगे. नेता लोगों को अपने से जो मन करता है, जिस इश्यू पर बोलने का मन करता है, उस पर बोल देते हैं, तो हमलोग भी चुप्पी ही साधे रहते हैं. रूटीन की विज्ञप्ति जारी कर देते हैं. जो सामान्य कार्यक्रम होते हैं, उसे मीडिया की जानकारी के लिए जारी कर देते हैं. कभी-कभार लगता है कि विपक्षी नेता कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं, तो वे भी अपने स्तर से काउंटर कर देते हैं. लेकिन पार्टी के बड़े नेता मीडिया सेल से इस मसले पर चर्चा नहीं करते हैं. कभी-कभी तो विपक्ष के वार के बारे में बताने पर कह देते हैं कि अपने स्तर से देख लीजिए, अभी हमको बहुत सा काम करना है. अपने हिसाब से टैकल कर लीजिए. देख लीजिए, सोच-समझ कर जो बयान देना है, दे दीजिए.

मीडिया सेल में कोई ईर घाट, तो कोई मीर घाट : झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने जंबोजेट मीडिया सेल का गठन कर रखा है. लगभग 16 नेताओं को मीडिया सेल की जिम्मेवारी सौंपी गयी है, लेकिन सेल के नेताओं को भी नहीं पता है कि उन्हें करना क्या है, कहना क्या है. किस इश्यू पर कब बोलना है. किसकी क्या जिम्मेवारी होगी, ये न तो मीडिया सेल के सदस्यों को पता है और न उन्हें जिम्मेवारी सौंपनेवालों को ही. कोई ईर घाट, तो कोई मीर घाट है. अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने एक सप्ताह पूर्व संजय पांडेय और लाल किशोरनाथ शाहदेव को मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है. जब प्रदेश कांग्रेस के ठाकुर (अध्यक्ष) राजेश हुआ करते थे, तभी मीडिया सेल का गठन हुआ था. मीडिया सेल में जिन नेताओं को जोड़ा गया था, उनमें से कुछ तो मौनी बाबा बने रहे और कुछ नेताओं से बिना विचार-विमर्श किये ही अपनी मर्जी से जो कुछ बुझाया बोलते रहे, या कार्यक्रमों से संबंधित कोई जानकारी दे दी या विज्ञप्ति जारी कर दी. बस हो गयी खानापूर्ति.

सोशल मीडिया की भी लंबी-चौड़ी टीम, लेकिन... : झारखंड प्रदेश कांग्रेस की सोशल मीडिया की भी लंबी चौड़ी टीम है. सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह हैं. लेकिन दूसरी पार्टियों खासकर भाजपा-आजसू और कांग्रेस की सहयोगी पार्टी झामुमो ही सोशल मीडिया पर जितना एक्टिव है, उतना कांग्रेस सक्रिय नजर नहीं आती. बल्कि सच तो ये है कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी सोशल मीडिया सेल के बारे में तनिक भी जानकारी नहीं है. हालांकि कांग्रेस सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह हैं. उनसे यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस सोशल मीडिया सेल एक्टिव नजर नहीं आता है, जैसे दूसरी पार्टियों को सोशल मीडिया सेल नजर आता है, तो सफाई देते हैं. ताल ठोक कर कहते हैं कि सोशल मीडिया काफी एक्टिव हैं. बताते हैं कि हमलोग वाट्सऐप पर ज्यादा एक्टिव हैं. बाकी दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जरूरत ही नहीं पड़ती है. वैसे कांग्रेस के कार्यक्रमों व गतिविधियों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आपको जरूर दिख जाएंगे, लेकिन थोड़ा कम. वाट्सऐप पर सेल ज्यादा सक्रिय है.

प्रदेश स्तर पर 80 की टीम, 319 ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर : कांग्रेस सोशल मीडिया सेल के चेयरमैन गजेंद्र सिंह कहते हैं कि प्रदेश स्तर पर सोशल मीडिया सेल में 80 लोगों की टीम है. विधानसभा स्तर पर बात की जाए तो सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में सोशल मीडिया सेल के मेंबर काम कर रहे हैं. सिंह साहब का दावा है, सेल बहुत ही सक्रिय है. वैसे सांगठनिक स्तर पर देखा जाए, तो 319 सांगठनिक ब्लॉक हैं. सांगठनिक ब्लॉक में सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर तैनात हैं, जो वाट्सऐप ग्रुप के जरिए अपना काम रहे हैं. कुछ पंचायतों में पंचायत स्तर पर भी सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर तैनात हैं. सोशल मीडिया सेल फेसबुक या दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के कार्यक्रमों या गतिविधियों का उतना प्रसार नहीं हो पाता है, क्योंकि मॉनिटरी इश्यु भी आता है. लेकिन हम वाट्सऐप ग्रुप के जरिए ज्यादा एक्टिव हैं. लेकिन सच तो ये है कि कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल के बारे में पार्टी के ही नेताओं-कार्यकर्ताओं को कोई जानकारी नहीं है, तो भला आम लोगों को क्या और कैसी जानकारी होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी भूले-बिसरे गीत की तरह भी नहीं देखी व सुनी जाती, लेकिन गजेंद्र सिंह ताल ठोक के दावा करते हैं, तो भला इस पर क्या कुछ ही कहना. बाकी तो पार्टी नेतृत्व है ही ई सब देखने के लिए.

अजब कांग्रेस की गजब दास्तान

चुनाव अभियान में कहीं पिछड़ न जाए कांग्रेस

कांग्रेस के एक बुजुर्ग नेता का कहना है पार्टी में चुनाव अभियान समिति, मैनिफेस्टो कमेटी और झारखंड विधानसभा चुनाव तैयारी समिति का गठन तो किया गया है, लेकिन समितियां क्या कर रही हैं, चुनावी तैयारी के मद्देनजर क्या-क्या गतिविधियां हैं, इसके बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है. कांग्रेस अटैकिंग मोड में नहीं दिख रही है. ऐसे में तो पार्टी कहीं विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार में पिछड़ न जाए. लेकिन कांग्रेस के मीडिया सेल के सदस्यों से जब इस संबंध में पूछा जाता है, तो बहुत ही शातिराना अंदाज में जवाब देते हैं. सब तो ठीक-ठाक चल रहा है. कहीं कोई दिक्कत नहीं है. अभियान चल रहा है. हमलोगों की भी पूरी तैयारी है. बस हमारा नाम बचा के भइया. हमरा मत फंसाइए. ऑफिशियल बयान मेरे तरफ से कुछ मत दीजिए. काहे ला बेकार में हमरा बलि का बकरा बनावे में लगल हैं. जो था अंदर का बात हम बताइए दिए हैं. बाकी आप अपने ही देख लीजिएगा.

आइए जानते हैं जंबोजेट मीडिया सेल के सदस्यों को

मीडिया सेल के इंचार्ज राकेश कुमार सिन्हा हैं, जबकि चेयरमैन पद पर सतीश पॉल मुंजिनी पहले से विराजमान हैं. हाल ही में अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने लाल किशोर नाथ शाहदेव व संजय पांडेय को मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है. बाकी मीडिया सेल में पुरानी कमेटी के लोग ही कंटीन्यू कर रहे हैं. प्रवक्ता की जिम्मेवारी शमशेर आलम, सोनल शांति उर्फ रिंकू तिवारी, कमल ठाकुर, जगदीश साहू, निरंजन पासवान, कृतिका तिवारी व ऋषिकेश सिंह (पलामू), शकील अहमद (बोकारो), श्यामल किशोर सिंह (दुमका), राजेंद्र दास (देवघर), रियाज अंसारी व शांतनु मिश्रा (रामगढ़), जेबा खान (जमशेदपुर) हैं. लेकिन इनमें से दो-तीन ही थोड़ा बहुत एक्टिव हैं, बाकी, तो...

...और मीडिया सेल की गोलमटोल सफाई

प्रदेश कांग्रेस भी तैयारी कर रही है. लेकिन यह पूछे जाने पर कि जैसी तैयारी विपक्ष की है या साथी दल झामुमो की है, वैसी कोई तैयारी कांग्रेस की नजर नहीं आती, सरकार की योजनाओं का लाभ कांग्रेस पार्टी उठा पाने में पिछड़ जा रही है, तो मीडिया सेल के मेंबर कहते हैं, नहीं ऐसी बात नहीं है. सभी पांच प्रमंडल में झारखंड विधानसभा चुनाव तैयारी समिति के चेयरमैन सह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जनसंवाद कर लिया है. प्रदेश कांग्रेस कैंपेन कमेटी के चेयरमैन पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी दो अक्टूबर से सक्रिय हैं. मैनिफेस्टो कमेटी के चेयरमैन पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी अपनी जिम्मेवारी निभा ही रहे हैं. अभी चूंकि पूजा का समय है, इसलिए थोड़ा अभियान थमा है, लेकिन एक-दो दिन बाद हमारा अभियान भी जोर पकड़ेगा. वैसे अभी तो सीट शेयरिंग पर दिल्ली में बात हो रही है. सीट शेयरिंग के बाद ही चुनाव अभियान समिति और कैंपेन समिति भी ताकत झोंकेगी. मैनिफेस्टो कमेटी के कर्ता-धर्ता यानि चेयरमैन पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी अपने काम में लगे हैं. मैनिफेस्टो तैयार करने के लिए लोगों से मिलजुल भी रहे हैं. आम जनता से जुड़ा मैनिफेस्टो तैयार किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कांग्रेस से जुड़ सकें.

राजनीतिक सरगर्मी के बीच झारखंड में मौसम भी ले रहा करवट

15 अक्तूबर को राज्य के आठ जिलों में बारिश के आसार

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में राजनीतिक सरगर्मी के साथ मौसम भी करवट ले रहा है. राज्य में मौसम में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. मौसम केंद्र के अनुसार, 15 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और मध्य भाग में हल्के से मध्यम दर्जे के बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा.

अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव के संकेत नहीं : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है. वहीं 13 और 14 अक्टूबर को मौसम शुष्क रहेगा. आसमान भी साफ रहेगा. पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान देवघर में रिकॉर्ड किया गया. जबकि सबसे न्यूनतम तापमान राजधानी रांची में दर्ज किया गया.

इन हिस्सों से लौट चुका है मॉनसून : दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से वापस चला गया है. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, ओडिशा के कई हिस्से और असम व मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से भी मॉनसून वापस चला गया है. वहीं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्से, ओडिशा के कई हिस्से, असम और मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से भी मॉनसून की वापसी हो चुकी है. वहीं 14 अक्टूबर के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है.

16 से 18 अक्टूबर तक पांच जिलों में बारिश

16 से 18 अक्टूबर तक राज्य के पांच जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा. पिछले 25 घंटे में सरायकेला-खरसावां, गुमला के बिशुनपुर में बारिश हुई. वहीं झारखंड के कई हिस्सों से दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून की विदाई हो चुकी है.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आज मोरहाबादी में लगेगी छात्र अदालत

संवाददाता।रांची

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर छात्र आदोलित हैं. छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं, इसलिए परीक्षा हर हाल में रद्दा कर फिर से आयोजित की जानी चाहिए. परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में सोमवार को छात्र अदालत लगेगी. इसमें राज्य भर से एक लाख छात्रों के पहुंचने का दावा किया गया है. ज्ञात हो कि परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 2 अक्टूबर से बापू वाटिका के पास छात्रों काअनिश्चितकालीन सत्याग्रह चल रहा है, जो रविवार को 12वें दिन भी जारी रहा.

सत्याग्रह स्थल पर इमाम सफी ने कहा सोमवार को झारखंड के सभी 24 जिलों से एक लाख छात्र-छात्राओं ke मोरहाबादी मैदान में जुटान होगा. छात्र अदालत लगेगी. यहीं परीक्षा को रद्द कराने की रणनीति तैयार की जाएगी. इमाम ने जेएसएससी सीजीएल व अन्य परीक्षार्थियों से अपील की है कि 14 अक्टूबर को चट्टानी एकता का परिचय देते हुए 26 और 30 सितंबर की तरह एकजुटता दिखाएं. उन्होंने अभ्यर्थियों से पहले जैसी गलती नहीं दोहराने की अपील की है. इस बार हमलोगों ने निर्णायक आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर ली है. ऐसा जोरदार आंदोलन करेंगे कि सरकार को वार्ता के लिए बाध्य होना ही पड़ेगा.

डॉ कहकशां कमाल ने कहा जेएसएससी कार्यालय के समक्षअभ्यर्थियों ने दो-दो दफा आंदोलन किया है, लेकिन उसका कोई परिणाम नहीं आया. इसलिए इस बार सोमवार को मोरहाबादी में छात्रों का महाजुटान हो रहा है, जिसमें परीक्षा रद्द कराने को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी. छात्रों को हर हाल में एतजुट होकर अंततः परीक्षा रद्द कराना ही होगा. सत्याग्रह स्थल बापू वाटिका के पास चंदन कुमार ने अभ्यर्थियों से सोमवार सुबह 11 बजे ज्यादा से ज्यादा संख्या में मोरहाबादी पहुंचने की अपील की है. छात्र अदालत में सर्वसम्मति से विवादित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द कराने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा. मौके पर महेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अजय कुमार महतो ने कहा कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द कराने की मांग की लगातार की जा रही है, क्योंकि इसके पेपर लीक हुए हैं. आयोग को छात्रों की ओर से इससे संबंधित सबूत भी दिए जा चुके हैं. लेकिन अब आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी.

झामुमो की केंद्रीय और भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आज

संवाददाता।रांची

विधानसभा चुनाव को देखते हुए झामुमो और भाजपा अपनी रंणनीतियों को अमलीजामा पहनाने में जुटी हुई हैं. इसी कड़ी में झामुमो की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक 14 अक्तूबर को दिन के 11-30 बजे से सोहराय भवन में होगी. इसमें पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे. केंद्रीय समिति के लगभग 243 सदस्यों के अलावा सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला सचिव भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन किया जाएगा.

भाजपा की दो अहम बैठकें भी : 14 अक्तूबर को भाजपा की दो अहम बैठक भी प्रदेश कार्यालय में होंगी. इसमें भी चुनावी रणनीति को अमलीजामा पहनाया जाएगा. पहली बैठक चुनाव प्रबंधन समिति की होगी और दूसरी बैठक सभी मोर्चा के पदाधिकारियों की होगी. इन दोनों बैठकों में असम के सीएम सह बीजेपी झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा भी शिरकत करेंगे.

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: कांग्रेस नेता अजय कुमार ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

संवाददाता।रांची

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय कुमार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में हुई हत्या की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की. अजय कुमार ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह घटना महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल पैदा करती है.सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी.उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था. छात्र जीवन से ही कांग्रेस का सदस्य रहे सिद्दीकी इस साल फरवरी में अजित पवार-नीत राकांपा में शामिल हो गए थे.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की कार्यकारी समिति के सदस्य कुमार ने कहा, 'कुछ दिन पहले, जब मैं मैंगलोर में एक कार्यक्रम में उनसे मिला था तो उन्होंने अपनी जान को खतरे जैसी कोई बात नहीं बतायी थी...सच्चाई का पता लगाने के लिए उच्च-स्तरीय जांच का आदेश दिया जाना चाहिए.' उन्होंने बताया कि सिद्दीकी एक मिलनसार और लोकप्रिय नेता थे, जो जनता के बीच रहते थे.ओडिशा, तमिलनाडु और पुडुचेरी के एआईसीसी प्रभारी कुमार ने कहा, 'उनकी हत्या राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करती है...महाराष्ट्र में आम आदमी तो छोड़िए, पूर्व मंत्री भी सुरक्षित नहीं हैं.' अजय कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, लेकिन सिद्दीकी की हत्या के बाद ''वहां असुरक्षा और भय का माहौल है.' कांग्रेस नेता ने चुनावों के मद्देनजर भय का माहौल पैदा करने के लिए एक साजिश की ओर भी इशारा किया.

विस चुनाव पहले ऑनलाइन 1487 पुलिसकर्मियों का तबादला

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस कर्मियों का तबादला किया है. पुलिस मुख्यालय ने क्यूआर कोड के जरिये ऑनलाइन आवेदन करने वाले 1487 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर किया है. इनमें सिपाही और हवलदार स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं. गौरतलब है कि बीते दिनों पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर कहा था कि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चाईबासा, चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, गुमला, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा के अलावा जंगल वार फेयर स्कूल नेतरहाट और सीटीसी मुसाबनी में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है.

गया से मुंबई की नई ट्रेन में रांची के यात्रियों के लिए सीटें आरक्षित करने की मांग

संवाददाता।रांची

गया से मुंबई जाने वाली नई ट्रेन (वाया हजारीबाग, रांची) में रांची तक के यात्रियों को जनरल वेटिंग लिस्ट में रखने की समस्या को लेकर पूर्व जेडआरयूसीसी सदस्य, दक्षिण पूर्व रेलवे, अरुण जोशी ने गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने माननीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के सभी माननीय राज्यसभा सांसदों से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है. जोशी ने कहा कि यह नई ट्रेन होने के कारण अभी से अगर ध्यान नहीं दिया गया तो रांची के यात्रियों के

लिए सीटें मिलना मुश्किल हो जाएगा. उन्होंने कहा कि रांची के यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में रांची तक के यात्रियों के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान किया जाना चाहिए.

लातेहार विस | झामुमो -राजद के गढ़ में भाजपा सेंध लगाने की कोशिश में

बैद्यनाथ बनाएंगे रिकॉर्ड या प्रकाश राम की होगी वापसी

- मंत्री बैद्यनाथ राम फिर होंगे इंडिया अलायंस के उम्मीदवार
- प्रकाश राम के साथ बीजेपी में कई दावेदार
- कांग्रेस में भी कई संभावित प्रत्याशी हैं रेस में

संवाददाता।रांची

झारखंड में लातेहार विधानसभा सीट पर पिछले कई चुनावों के परिणाम पर गौर किया जाए, तो कोई भी उम्मीदवार लगातार दूसरी बार जीत हासिल करने में सफल नहीं रहा है. लेकिन इस बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रकाश राम इस मिथक को तोड़ने में सफल होंगे या फिर बीजेपी के प्रकाश राम की जीत होगी, इसे लेकर सभी अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं.वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में लातेहार विधानसभा सीट पर जेएमएम के बैद्यनाथ राम विधायक चुने गए थे. इस चुनाव में उन्हें 76,507 वोट मिले. दूसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी प्रकाश राम थे, उनको कुल 60, 179 वोट मिले. इस बार इंडिया अलायंस की ओर से बैद्यनाथ राम फिर से चुनाव मैदान में होंगे, फिलहाल क्षेत्र में इंडिया अलायंस के अंदर से उन्हें किसी तरह की बड़ी चुनौती मिलने की संभावना नहीं हैं. हालांकि कांग्रेस और आरजेडी के कुछ नेता चुनाव लड़ने को इच्छुक जरूर है, परंतु बैद्यनाथ राम इस क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके हैंऔर जेएमएम की ओर से उन्हें फिर से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना हैं.

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी में प्रकाश राम के अलावा कई अन्य दावेदार रांची और दिल्ली पहुंचकर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं. हालांकि प्रकाश राम भी लातेहार से दो बार चुनाव जीत चुके हैं, पहली बार उन्होंने आरजेडी टिकट पर जीत हासिल की, दूसरी बार झाविमो टिकट पर विजयी रहे. पिछली बार बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन सफलता नहीं मिली. अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित लातेहार सीट पर बीजेपी की ओर से बृजमोहन राम और रामदेव गंझू समेत कई नेताओं की ओर से दावेदारी की जा रही है.

लातेहार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए कई प्रत्याशी रेस में हैं. सूत्रों के मुताबिक कई पूर्व सांसद और विधायक कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए जिला से लेकर प्रदेश कमेटी तक अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. कई कांग्रेस नेता तो काफी दिनों से क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान में भी जुटे हैं. इनमें युवा कांग्रेस नेता साजन कुमार, पूर्व विधायक हरि दर्शन राम के पुत्र प्रवीण कुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पासवान के नाम की चर्चा हैं.लातेहार विधानसभा सीट से बैद्यनाथ राम तीन बार और प्रकाश राम 2 बार विधायक चुने गए हैं. बैद्यनाथ राम ने 2000, 2009 और 2019 मे जीत हासिल की. जबकि प्रकाश राम ने 2005 और 2014 में जीत हासिल की. एक बार फिर दोनों के आमने-सामने मैदान में उतरने की तस्वीर बन रही हैं.

35 साल पहले तक कांग्रेस का था दबदबा : लातेहार विधानसभा क्षेत्र में 35 साल पहले तक कांग्रेस की पकड़ काफी मजबूत थी. यहां से कई कांग्रेसी विधायक चुनाव जीतकर बिहार विधानसभा पहुंचे थे. लेकिन वर्ष 1990 के बाद से लातेहार विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की पकड़ कमजोर पकड़ने लगी.

दुर्गा पूजा के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत

सौरभ सिंह।रांची

झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गयी. यह घटनाएं राज्य के अलग-अलग जिले में 11 और 12 अक्टूबर को हुई. इनमें से छह लोगों की हत्या कर दी गयी. जबकि 11 लोगों की हादसे में मौत हो गयी. वहीं एक व्यक्ति की हत्या हुई या हादसे में मौत हुई है, पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है.

- **12 अक्टूबर :** सिमडेगा में धारदार हथियार से मारकर महिला की हत्या.
- **12 अक्टूबर :** देवघर में जंगल से क्षत-विक्षत हालात में मिला व्यक्ति का शव, पिछले चार दिन से था लापता.
- **12 अक्टूबर :** रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में मेला घूमने के दौरान हुए मारपीट में एक युवक की मौत.
- **12 अक्टूबर :** दुमका में खेलने के दौरान मिट्टी में दबकर दो बच्चों की मौत.
- **12 अक्टूबर :** सरायकेला में फैक्ट्री में काम के दौरान हादसा हुआ इस दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गयी.
- **12 अक्टूबर :** लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई.
- **11 अक्टूबर :** रांची के बुढ़मू में सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी.
- **11 अक्टूबर :** रांची चान्हो में अधिवक्ता के पिता की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई.
- **11 अक्टूबर :** रामगढ़ के मुराम कला गांव के पास दुर्गा पूजा करने जा रही चार लड़कियां ट्रक के नीचे दब गईं. तीन लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई.
- **11 अक्टूबर :** बोकारो स्टील प्लांट बीएसएल के डीजीएम की सड़क हादसे में मौत हो गई है.
- **11 अक्टूबर :** चाईबासा के टेबो में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 184 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

दोपहर में ही लगा मानगो पुल पर जाम

जमशेदपुर | मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के बावजूद रविवार को मानगो पुल पर लंबा जाम लग गया. विसर्जन के लिए मां दुर्गा की प्रतिमा ले जा रहे लगभग दर्जन भर वाहन पुल पर ही अटक गए. खासी मशक्कत के बाद आवागमन सामान्य हो पाया.

मून सिटी में विजया मिलन का आयोजन

जमशेदपुर | डिमना रोड मानगो स्थित हाउसिंग सोसाइटी मून सिटी में रविवार को मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के बाद शाम को विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया. लोगों ने एक दूसरे को दशहरा की बधाई दी. इसमें कलाकारों की नृत्य व गीत आदि की प्रस्तुतियों पर लोग देर शाम तक झूमते रहे. अंत में सोसाइटी के लोगों ने सहभोज में लजीज व्यंजनों का भी आनंद लिया.

पुल का नाम रतन टाटा के नाम पर करने की मांग

जमशेदपुर | विधायक सरयू राय ने लिट्टी चौक से एनएच-33, भिलाई पहाड़ी को जोड़ने के लिए स्वर्णरेखा नदी पर बन रहे पुल का नामकरण रतन टाटा के नाम पर करने की मांग मुख्यमंत्री से की है. उन्होंने पुल का नाम रतन टाटा सेतु और पहुंच पथ (एप्रोच रोड) का नाम रतन टाटा पथ रखने की भी मांग की है. उन्होंने आग्रह किया कि काम एक-दो दिनों में शुरू किया जाए, क्योंकि आचार संहिता लगने की संभावना है.

अधिकारियों ने किया पेंट्रीकार का निरीक्षण

जमशेदपुर | स्वच्छ आहार स्वच्छ पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत रविवार को रेलवे के अधिकारियों की टीम ने ट्रेन नंबर 22861 के पेंट्रीकार का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान अधिकारियों ने खाने पीने के सामान की जांच की और पेंट्रीकार के कर्मचारियों को साफ सफाई रखने तथा यात्रियों को शुद्ध व ताजा भोजन परोसने की नसीहत दी. कुछ सैंपल भी एकत्रित कर अपने साथ ले गए.

रेडक्रॉस ने दी एंबुलेंस एवं फर्स्ट एड की सुविधा

जमशेदपुर | रेड क्रॉस सोसाइटी पूर्वी सिंहभूम की ओर से रविवार को मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के मौके पर खरकई घाट बिष्टुपुर तथा साकची स्थित मुख्य गोलचक्कर एवं पुलिस नियंत्रण कक्ष में एंबुलेंस एवं फर्स्ट एड की सुविधा उपलब्ध कराई. ताकि प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों को किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल प्राथमिक उपचार दिया जा सके.

छोलागोड़ा में झामुमो महिला मोर्चा की बैठक

डुमरिया | डुमरिया प्रखंड में रविवार को छोलागोड़ा स्थित विधायक कार्यालय परिसर में झामुमो महिला कार्यकर्ताओं की बैठक प्रमुख गंगामनी हांसदा की उपस्थिति में आयोजित हुई. प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन ने उपस्थित महिलाओं को झारखंड सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी. दूसरी ओर झामुमो प्रखंड समिति द्वारा विभिन्न गांवों में प्रचार वाहन के साथ से जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम शुरु किया गया.

महिला की पूजा की थाली से सोने की चेन उड़ायी

आदित्यपुर | वार्ड 17 स्थित शिव काली मंदिर में एक महिला की पूजा की थाल से दो संदिग्ध महिला सोने का चेन ले उड़ी. दोनों महिलाओं की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. पीड़ित महिला जानकी अपार्टमेंट में रहने वाली उषा सिन्हा ने बताया कि शुक्रवार को पुष्पांजलि के दौरान ही उनके गले से सोने का चेन गिरकर उनके हाथों में आ गया था. उन्होंने पूजा की थाल में ही चेन को रख दिया और जब वापस अपनी थाल लेने पहुंचीं, उसमें से सोने की चेन गायब थी.

विजया दशमी पर सिंदूर खेल कर महिलाओं ने दी मां दुर्गा को विदाई

जमशेदपुर के मानगो डिमना रोड स्थित मून सिटी में सिंदूर खेला के बाद तस्वीर के लिए पोज देतीं महिलाएं.

दुर्गोत्सव व दशहरा शांतिपूर्ण संपन्न, रावण दहन, नदी में प्रतिमा विसर्जित

लौहनगरी ने दी मां दुर्गा को विदाई

महिलाओं ने सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य का मांगा वरदान

संवाददाता | जमशेदपुर

लौहनगरी के भक्तों ने रविवार को भारी मन और नम आंखों ने मां दुर्गा को विदाई दी. प्रशासन व दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति की अपील का असर दुर्गा पूजा समितियों पर साफ दिखा.

प्रशासन ने समितियों से अपील की थी कि पूजा समितियां यह कोशिश करें कि विसर्जन में देर रात न हो. इसी के चलते समितियों से सुबह लगभग 10.30 बजे से ही प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम शुरू कर दिया. इसके पूर्व शनिवार को भी कुल सात दुर्गा पूजा समितियों ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया. शनिवार को केवल तीन घाटों स्वर्णरेखा,

डिमना लेक व डोबो घाट पर प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ. रविवार को पंडालों में दशमी का विधि-विधान पूरा होने के बाद महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर चढ़ाया और एक दूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा से अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा. सिंदूर खेला का क्रम देर तक चला. इस रस्म के बाद ही पंडालों से मां दुर्गा की प्रतिमाएं उठाई जाने लगीं. इस बार दुर्गा पूजा समितियों ने मूर्तियों के विसर्जन में तेजी दिखाई. दोपहर लगभग दो बजे तक स्वर्णरेखा घाट पर 24 मूर्तियों का विसर्जन हो चुका था. विसर्जन के दौरान कड़ी चौकसी रखी जा रही थी. ड्रोन कैमरे के अलावा विसर्जन जुलूस की वीडियोग्राफी भी करायी गई. वहीं शहर में जगह-जगह लगे सीसीटीवी के जरिए कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही थी. ताकि किसी तरह की गड़बड़ी होने पर दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा सके. शहर में 43 जगहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गये थे,

इन घाटों पर विसर्जित हुई प्रतिमाएं

जिला प्रशासन की ओर से दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए स्वर्णरेखा व खरकई नदी में अनेकों घाट तैयार किए गए थे. इनमें मानगो गांधी घाट के समीप, भुइयांडीह, सती घाट कदमा, दोमुहानी, बेली बोधनवाला घाट बिष्टुपुर, बड़ौदा घाट बागबेड़ा, पांडेय घाट, सती घाट, सबस्टेशन घाट, बड़ौदा घाट, हुरलुंग, नरवा व डिमना लेक शामिल थे. इन सभी घाटों पर पर आने-जाने के लिए सड़क का समतलीकरण कर दिया गया था. साथ ही वहां बैरिकेडिंग व लाइटिंग की व्यवस्था की गई थी.

विसर्जन घाट पर मौजूद रहे गोताखोर

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए नदी घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के साथ बैरिकेडिंग की गई थी. सभी घाटों पर लाइफ जैकेट के साथ गोताखोर मौजूद थे. प्रशासन ने पहले ही डेंजर जोन चिन्हित कर लिया था. इन स्थानों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा था. मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति थी.

आदित्यपुर में जला 30 फीट का रावण

आदित्यपुर | आशियाना मैदान में रविवार को 30 फीट का रावण जलाकर आपन जन क्लब ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि चिराग पासवान फैंस क्लब के अध्यक्ष मनोज पासवान थे.

आदित्यपुर के आशियाना मैदान में रविवार को 30 फीट के रावण के पुतले का दहन करते आपन जन क्लब के श्रद्धालु. यह क्लब सन 2000 से दशहरा के मौके पर रावण दहन कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है.

स्वर्णरेखा नदी में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करते श्रद्धालु.

डायन के आरोप में बंदगांव के एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या

सियानकेल गांव से सटे चुरिंगकोचा जंगल से शनिवार को शव बरामद

संवाददाता | चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड की टेबो थाना क्षेत्र की चंपवा पंचायत के सियानकेल गांव में डायन बिसाही के आरोप में एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई. मृतकों में पति-पत्नी व उसकी बेटी शामिल हैं. घटना गुरुवार देर रात की है. हालांकि पुलिस ने शनिवार को सियानकेल गांव से सटे चुरिंगकोचा जंगल से शव बरामद किया.

बताया जाता है कि सियानकेल गांव निवासी 60 वर्षीय दुगलु पूर्ति, पत्नी 50 वर्षीय सुकवेरो पूर्ति व उनकी 24 वर्षीय बेटी दसकीर पूर्ति गुरुवार रात अपने घर में सोए हुए थे. इसी बीच कुछ लोग उनके घर में घुस गए और लाठी, डंडे व धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी. इसके बाद तीनों का शव रस्सी से बांधकर घसीटते हुए गांव के समीप चुरिंगकोचा के जंगल मे फेंक दिया. शुक्रवार को जब कुछ ग्रामीण जंगल की ओर गए तो तीनों का नग्न अवस्था में शव देखा. ग्रामीणों ने इसकी सूचना टेबो थाना को दी. वहीं शुक्रवार देर शाम हो जाने के कारण पुलिस सियानकेल गांव नहीं गई. शनिवार को पुलिस सियानकेल गांव पहुंची और सड़ी गली अवस्था में चुरिंगकोचा के जंगल से तीनों शव को बरामद किया. इसके शनिवार दोपहर तीनों शव का पोस्टमार्टम चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में कराया गया.

डायन का आरोप लगाकर कुछ लोगों ने गांव में की थी बैठक : सियानकेल गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की हुई हत्या के मामले में मृतकों के परिजनों ने बताया कि गांव के कुछ लोग मृतक दुगलु पूर्ति की पत्नी पर डायन का आरोप लगाते थे. साथ ही दुगलु पूर्ति के ऊपर भी ओझा गुनी किए जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया था. इसे लेकर गांव के कुछ लोगों ने कुछ दिनों पूर्व बैठक भी की थी.

दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि अनुसंधान में अब तक डायन के नाम पर हत्या की पुष्टि नहीं हुई है. पुलिस ने जमीन संबंधी विवाद में हत्या किये जाने की आशंका जताई है.

सियानकेल गांव में दुगलु पूर्ति के साथ-साथ उसकी पत्नी व बेटी की भी हत्या किए जाने से गांव में भय का माहौल कायम है. इधर घटना को लेकर टेबो थाना के अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामला सामने आ पाएगा.

घर में नहीं रहने के कारण बची दो बेटियों की जान

सियानकेल गांव निवासी 60 वर्षीय दुगलु पूर्ति समेत पूरे परिवार को खत्म करने की योजना से ही दुगलु पूर्ति समेत तीन लोगों की हत्या की गई. दुगलु पूर्ति अपने घर में अपनी पत्नी व तीन बेटी के साथ रहता था. घटना की रात दुगलु पूर्ति अपनी पत्नी सुकवेरो पूर्ति व मंझली बेटी दसकीर पूर्ति के साथ घर में था, जबकि छोटी बेटी ददकी पूर्ति बंदगांव के भगवान बिरसा मुंडा प्लस टू आवासीय विद्यालय में पढ़ने के कारण वहीं थी. एक बड़ी बेटी काम करने के लिए दिल्ली गई हुई है. छोटी बेटी ददकी पूर्ति ने बताया कि मुझे मेरे चाचा-चाची ने शनिवार सुबह घटना के बारे में जानकारी दी. इसके बाद मैं बंदगांव से अपने घर पहुंची.

टाटानगर से उत्तरप्रदेश के लिए तीन स्पेशल ट्रेन

जमशेदपुर | दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए रेलवे ने इस वर्ष टाटानगर से उत्तर प्रदेश के लिए दो स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू कर रही है. गोरखपुर से ट्रेन संख्या 05012 गोरखपुर-टाटानगर एक्स. शाम के सात बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 12.50 बजे टाटानगर पहुंचेगी. यह ट्रेन गोरखपुर से 17 अक्टूबर और 19 अक्टूबर को टाटानगर के लिए प्रस्थान करेगी. टाटानगर से ट्रेन संख्या 05011 दिन के दो बजे रवाना होकर दूसरे दिन सुबह 6.30 बजे में गोरखपुर पहुचेंगी. यह ट्रेन टाटानगर से 18 अक्टूबर और 20 अक्टूबर को गोरखपुर के लिए रवाना होगी. लखनऊ और टाटा के बीच स्पेशल ट्रेन वाराणसी, गोमो के रास्ते आना-जाना करेगी. टाटानगर से ट्रेन संख्या 04223 टाटा-लखनऊ स्पेशल एक्सप्रेस 17 अक्टूबर को दिन के 11 बजे प्रस्थान कर 18 अक्टूबर को सुबह 4.55 बजे लखनऊ पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 04225 टाटानगर-लखनऊ स्पेशल एक्सप्रेस 21 अक्टूबर को दिन के 11 बजे प्रस्थान कर 22 अक्टूबर को सुबह 4.55 बजे लखनऊ पहुंचेगी. लखनऊ से ट्रेन संख्या 04224 लखनऊ-टाटानगर स्पेशल 16 अक्टूबर के शाम के 3.10 बजे चलकर दूसरे दिन 17 अक्टूबर को सुबह 8.50 बजे टाटानगर पहुंचेगी. लखनऊ से ट्रेन संख्या 04226 लखनऊ-टाटानगर स्पेशल 20 अक्टूबर के शाम के 3.40 बजे रवाना होगी और दूसरे दिन 21 अक्टूबर को सुबह 9.10 बजे टाटानगर पहुंचेगी.

बन्ना गुप्ता ने किया 28 करोड़ की कई योजनाओं का शुभारंभ

संवाददाता | जमशेदपुर

स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने रविवार को पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत 28 करोड़ की कई योजनाओं का शुभारंभ किया. इस मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि विकास का कार्य न रुका था ना रुकेगा. वह व्यक्तिगत रूप से अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मोहल्ले एवं सोसायटी का निरीक्षण करते हुए लोगों से मिलते भी हैं और ऑन स्पॉट समस्या को सुनकर समाधान करने का प्रयास करते हैं.

मंत्री बन्ना गुप्ता ने 26.5 करोड़ रुपये की मानगो केदार बागान में संकोसाई रोड नंबर पांच से गुडरूबासा डिमना बस्ती, हयात बस्ती रोड बालीगुमा बागान क्षेत्र से जेवी महतो होम रोड, संकोसाई रोड नंबर पांच पुल के पास से केदार बागान रोड, यशु भवन (ओल्ड पुरुलिया रोड पर) से अलीबाग कॉलोनी रोड, मानगो-पारडीह रोड नंबर दो से रोड नंबर सात मदीना मस्जिद रोड तक, मानगो डिमना रोड से राजेंद्रनगर रोड, मानगो पारडीह रोड से एकरा बस्ती हलधर महतो कॉलोनी, मानगो मेन रोड से गुरुद्वारा रोड वजरिया मजार लाइन रोड, पोस्ट ऑफिस रोड लूथी टावर से ग्रीन फील्ड कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस रोड से वास्तु विहार होते हुए वैकुंठ नगर, मानगो बाजार टैंक रोड से पायल टॉकीज उलीडीह रोड, एनएच-33 मंगल कॉलोनी से एनएच-33 शांति विहार, बालिगुमा एनएच-33 से न्यू ग्रीन सिटी होते हुए खड़िया बस्ती गंगा विहार में कालीकृत सड़क निर्माण का शुभारंभ किया.

वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजनान्तगर्त पूर्वी सिंहभूम जिला के मानगो डिमना आदर्श नगर से गोकुलनगर के बीच जगन्नाथ महतो के घर के पास नाला पर पुल, नगर विकास विभाग अंतर्गत 22 लाख रुपये से कदमा शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर तीन एवं कदमा रामजन्म नगर में छठ घाट निर्माण, नगर विकास विभाग अंतर्गत 1.26 करोड़ रुपये से जॉगर्स पार्क नियर शहीद निर्मल सेवा सदन शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर तीन का सौंदर्यीकरण होर्टिकल्चर लैंड स्केपिंग के साथ चारदीवारी मजबूतीकरण कार्य सहित विभिन्न योजनाओं के कार्य का शुभारंभ किया.

गड़बड़झाला डिमना रोड में पार्क बनवाया टीएसयूआईएसएल ने, साईनबोर्ड लगा मंत्री के नाम का

सरयू राय ने डीसी को पत्र लिखा, बन्ना गुप्ता पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि डिमना रोड के बीच के स्थान पर टीएसयूआईएसएल द्वारा निर्मित पार्क को बनाने का श्रेय झारखंड सरकार के मंत्री बन्ना गुप्ता ले रहे हैं जो सरासर गलत है. बन्ना गुप्ता ने अनेक साइनबोर्ड लगवा दिये हैं जिन पर लिखा है कि यह उनकी विधायक निधि से बना है जबकि टीएसयूआईएसएल का कहना है कि पूरा निर्माण टाटा स्टील लि. द्वारा प्रदत्त निधि से हुआ है और इसमें विधायक निधि अथवा किसी अन्य सरकारी निधि का एक पैसा भी नहीं लगा है. श्री राय ने बन्ना गुप्ता पर जालसाजी और जनता को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया. उन्होंने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को पत्र लिख कर इस पर गंभीर एतराज जताया है.

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को रविवार को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि लोक शिकायत के आधार पर उन्होंने रविवार को डिमना रोड, मानगो का भ्रमण किया तो पाया कि डिमना रोड के बीच के स्थान पर टीएसयूआईएसएल ने पार्क बनाया है. यहां नागरिकों के टहलने के लिए पाथ-वे है, जिम भी है. इस स्थान पर झारखंड सरकार के मंत्री एवं जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक बन्ना गुप्ता ने बड़े अक्षरों में लिखे हुए कई साइनबोर्ड लगवा दिया हैं. इन साईनबोर्डों पर लिखा हुआ है कि यह निर्माण उनकी विधायक निधि से हुआ है.

श्री राय ने कहा कि यदि इस निर्माण पर विधायक निधि से व्यय नहीं हुआ तो मंत्री जी द्वारा वाहवाही लूटने के लिए लगाए गए साइनबोर्ड अविलंब हटा दिये जाने चाहिए. साइनबोर्ड हटाने का काम विधानसभा चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता लागू होने के पूर्व हो और मंत्री जी से इस बारे में स्पष्टीकरण पूछकर उनके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई आरंभ की जानी चाहिए.

अपने पत्र में श्री राय ने लिखा है कि जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहों, टोलों-मोहल्लों, सड़कों का नाम अंकित करते हुए हरे रंग के सैकड़ों साइनबोर्ड लगाए गए हैं. इन पर बन्ना गुप्ता का नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ है. यह भी लिखा हुआ है कि ये साइनबोर्ड जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सौजन्य से लगाए गए हैं. मैंने इस संबंध में झारखंड विधानसभा में एक प्रश्न पूछा था.

सरकार ने उत्तर दिया है कि ऐसे साइनबोर्ड जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नहीं लगाए गए हैं, जबकि ऐसे साइनबोर्डों पर जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सौजन्य से लगाया जाना अंकित है. श्री राय ने लिखा है कि सरकार ने अधिसूचित क्षेत्र समिति को इस प्रकार के साइनबोर्डों पर से मुख्यमंत्री/ मंत्री/ विधायक का नाम हटाने का स्पष्ट निर्देश दिया है. इस निर्देश के अनुपालन में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में लगे ऐसे साइनबोर्डों पर से तत्कालीन मुख्यमंत्री का नाम हटा दिया गया, जबकि ये साइनबोर्ड जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा विधिवत उनकी विधायक निधि से लगाए गये थे. परंतु जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लगे ये साइनबोर्ड आजतक नहीं हटाए गये, जबकि इन्हें जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति ने नहीं लगाया है और मंत्री जी के नाम के नीचे इसे जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सौजन्य से लगाया गया अंकित है. यह तो सरासर गलत है.

टाटा स्टील के फंड से बना है पार्क, सरकारी धन का नहीं हुआ इस्तेमाल : टीएसयूआईएसएल

श्री राय ने पत्र में लिखा है कि इस संबंध में जब उन्होंने टीएसयूआईएल के सक्षम पदाधिकारियों से पूछा तो उन्होंने बताया कि पार्क का निर्माण कार्य टाटा स्टील लि. द्वारा प्रदत्त निधि से हुआ है. इसमें विधायक निधि अथवा किसी अन्य सरकारी निधि का एक पैसा भी नहीं लगा है. श्री राय के अनुसार, मंत्री जी द्वारा टाटा स्टील के खर्च पर बने निर्माण को विधायक निधि से हुआ निर्माण बताना खुली जालसाजी है और जनता को गुमराह करने वाला कृत्य है. ऐसी गलतबयानी कर मंत्री जी ने अपने ऊपर कानूनी कार्रवाई को ही आमंत्रित किया है.

बन्ना ने महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर उनका भी अपमान किया : सरयू

श्री राय के अनुसार, टीएसयूआईएसएल द्वारा कई भागों में बने इस पार्क के विभिन्न हिस्सों का नामकरण उन्होंने कई महापुरुषों के नाम पर करने वाला साईनबोर्ड भी अलग-अलग स्थानों पर लगा दिये गये हैं, जिन पर अंकित है कि यह निर्माण बन्ना गुप्ता की विधायक निधि से हुआ है. मंत्री जी ने इस पार्क के अलग-अलग हिस्सों पर खुद से साइनबोर्ड लगाकर उन पर कई महापुरुषों का नाम अंकित किया है. ऐसी अनधिकृत चेष्टा कर मंत्री जी ने इन महापुरुषों का अपमान किया है.

विधायक सरयू राय के सवाल

- बन्ना गुप्ता ने निर्माण हेतु जिला प्रशासन के पास अनुशंसा कब भेजी?
- अनुशंसा की स्वीकृति के बाद निर्माण किस एजेंसी से कराया गया?
- निर्माण कार्य का प्राक्कलन कितने का था, कब स्वीकृत हुआ?
- कार्यादेश कब जारी हुआ, विधायक निधि से कितना व्यय हुआ?

एनएच-18 से झाटीझरना सड़क का शिलान्यास

घाटशिला | फुलडुंगरी के समीप एनएच 18 फोरलेन से झाटीझरना तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास रविवार को झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी मंत्री रामदास सोरेन एवं सांसद बिद्युत बरण महतो ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया. इस मौके पर मंत्री एवं सांसद ने संयुक्त रूप से कहा कि इस सड़क के बन जाने से पर्यटन क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा. यह क्षेत्र फुलडुंगरी से लेकर झाटीझरना तक पहाड़, डैम, जलप्रपात एवं प्राकृतिक सौंदर्य से भरा पड़ा है जो पर्यटकों को अपनी ओर खींच कर लाता है. उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी परेशानी के कारण सड़क के शिलान्यास में देर हुई है. इसमें कई लोगों की जमीन का भी अधिग्रहण किया जाएगा. अधिग्रहित जमीन का सरकार की ओर से उचित मुआवजा मिलेगा. इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि दिनेश साव, गीता मुर्मू देवयानी मुर्मू, वकील हेंब्रम सहित भाजपा तथा झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बहरागोड़ा में रविवार को विसर्जन के पूर्व महिलाओं ने सिंदूर खेल कर माता से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा.

आदित्यपुर में विशाल जुलूस निकाल कर मां दुर्गा को विदाई देते श्रद्धालु.

प्रतिमा विसर्जन के साथ दुर्गोत्सव शांतिपूर्ण संपन्न

आदित्यपुर में शनिवार को ही अधिकतर पंडालों ने विसर्जित की मां की प्रतिमा, कुछ ने रविवार को किया

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर में पांच दिनों तक दुर्गोत्सव में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई. यहां दुर्गोत्सव का समापन शनिवार को मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विसर्जित करने के साथ हुआ. शनिवार को अधिकतर पंडालों ने अपनी प्रतिमा विसर्जित की, जबकि कुछ पूजा कमेटियों ने रविवार को मां की प्रतिमा विसर्जित की. प्रतिमा विसर्जन से पूर्व महिलाओं ने मां के साथ सिंदूर खेला कर मां से अखंड सुहागन रहने का वरदान मांगा और इस दौरान जमकर नृत्य आदि किया. आदित्यपुर-कांड्रा मुख्य मार्ग पर जिला प्रशासन ने वॉच टावर स्थापित कर पूरी भीड़ और वाहनों की पांच दिनों तक निगरानी की.

विजया दशमी के मौके पर विशाल जुलूस निकालकर मां दुर्गा को विदाई दी गई. इस मौके पर भक्तों की गहरी आस्था देखने को मिली. प्रवीण सेवा संस्थान के विसर्जन जुलूस में आकर्षक झांकी घोड़े के रथ के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया. आदित्यपुर कॉलोनी निवासी एवं प्रवीण सेवा संस्थान के सदस्यों ने पंडाल से मां दुर्गा की प्रतिमा को जय प्रकाश उद्यान के घाट पर विसर्जित कराया. ढोल नगाड़ों के बीच जुलूस निकाला गया. प्रतिमा विसर्जन में स्थानीय महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. जुलूस का नेतृत्व पूर्व विधायक सह प्रवीण सेवा संस्थान के मुख्य संरक्षक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह कर रहे थे. आदित्यपुर कॉलोनी से होकर विसर्जन जुलूस जय प्रकाश उद्यान खरकई नदी तट पहुंचा. यहां पूजा-अर्चना और आरती के बाद नम आंखों से सभी भक्तों ने मां दुर्गा को विसर्जित कर विदाई दी. बता दें कि प्रवीण सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित दुर्गा पूजा में 11 दिनों में

जमशेदपुर और आस-पास क्षेत्र समेत पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा से लाखों भक्त दर्शन करने पहुंचे थे. 2 अक्टूबर की शाम पंडाल के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए थे. भक्तिमय माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा संपन्न होने पर पूर्व विधायक अरविंद ने नगरवासियों और प्रशासन के प्रति आभार जताया है.

बड़ाबोतला में लक्ष्मी पूजा के बाद होगा प्रतिमा का विसर्जन

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड में दुर्गापूजा का आयोजन धूमधाम से किया गया. सार्वजनिक दुर्गापूजा कमिटी डुमरिया, अष्टकोशी हाईस्कूल भालुकपतड़ा, कुमड़ाशोल और बड़ाबोतला में भक्तों की भीड़ उमड़ी. शुक्रवार की भोर तीन बजे से श्रद्धालु पंडालों में पंहुचने लगे थे. पूजा के अवसर पर डुमरिया व बड़ाबोतला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विधायक संजीव सरदार ने बड़ाबोतला पूजा कमिटी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर किया. अष्टकोशी हाईस्कूल भालुकपतड़ा पूजा कमिटी द्वारा नवमी को श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी भोग का वितरण किया गया. पूर्व विधायक मेनका सरदार, भाजपा नेता उपेंद्र नाथ सरदार ने भी डुमरिया प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा किया और माता की पूजा अर्चना की. शनिवार को महिलाओं ने सिंदुर खेला करते हुए सदा सुहागन रहने की कामना की. रविवार को बड़ाबोतला को छोड़कर अन्य पूजा कमिटियों द्वारा माता दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन की गई. बड़ाबोतला में लक्ष्मी पूजा के बाद माता दुर्गा के प्रतिमा को विसर्जित किया जाता है. इस दौरान फुटबॉल प्रतियोगिता व मेला का आयोजन किया जाता है.

बहरागोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मना विजया दशमी पर्व

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के राजलाबांध, इचड़ाशोल,चौरंगी, बहरागोड़ा बाजार, तिलो, केसरदा, शाशन गामारिया, जयपूरा, खांडामौदा, मानुषमुड़िया, कुमारडुबी, जगन्नाथपुर, आडंग आदि गांव में दशहरा के दिन क्षेत्र में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के पूर्व महिलाओं ने अखंड सौभाग्य के लिए शनिवार की दोपहर सिंदूर खेल का आयोजन किया. इस अवसर पर सुहागन महिलाओं ने मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ-साथ लक्ष्मी, सरस्वती और गणेश एवं कार्तिकेय की मूर्ति की पूजा-अर्चना कर मिष्टान्न, पान आदि खिलाकर मां की प्रतिमा पर सिंदूर लगाया. वहीं आपस में महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर जमकर सिंदूर खेल खेला. "आसछे बोसोर आबार होवे" गाना के साथ मां को विदाई दी गयी. इस संबंध में महिलाओं ने बताया कि सिंदूर खेला से पति दीर्घायु होते हैं और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है. साथ ही पुत्र-पौत्र आदि संतान की दीर्घायु एवं सुख समृद्धि बनी रहेगी.

जादूगोड़ा में कुसुम भौमिक व राहुल राज के गीतों पर झूमे लोग

जादूगोड़ा। विजया दशमी के मौके पर शनिवार को नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट आवासीय कॉलोनी में संगीत संध्या का आयोजन किया. इस मौके पर कोलकाता से आए मशहूर कलाकारों ने गीत-संगीत की विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुति कर ऐसा समां बांधा कि लोग झूमने को मजबूर हो गए. भक्त देर रात्रि तक कुसुम भौमिक व राहुल राज की गीतों पर झूमते रहे. यह आयोजन श्री श्री लक्ष्मी काली व दुर्गापूजा कमिटी की ओर से किया गया था. इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि सह पोटका विधायक संजीव सरदार को कमिटी की ओर से गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया. विधायक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से क्षेत्र में आपसी भाईचारा बढ़ता है.

कांड्रा एसकेजी मैदान में शनिवार देर शाम धू-धू कर जलता रावण.

विजया दशमी पर कांड्रा में चंपाई ने जलाया 71 फीट का रावण

- अत्याचार करने वालों को रावण की तरह जलाना है : चंपाई

संवाददाता । आदित्यपुर

विजयादशमी के मौके पर हर वर्ष की भांति शनिवार की देर शाम कांड्रा एसकेजी मैदान में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में रावण दहन करने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा नेता चंपाई सोरेन पहुंचे थे. मौके पर चंपई सोरेन ने कहा कि अत्याचारी रावण को जलाकर असत्य पर सत्य की जीत हुई थी. विजया दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. प्रतिवर्ष हम रावण को जलाते हैं, ठीक उसी प्रकार समाज में अत्याचार और दुराचार फैलाने वाले लोगों को रावण की तरह जला देना है. चंपाई ने कहा कि अच्छाई का यह प्रतीक हमें संदेश देता है कि समाज में मिलजुल कर रहना है. आपसी भाईचारे को बढ़ाना है. चंपाई ने कहा कि कांड्रा रावण दहन कमेटी अच्छाई के प्रतीक को समाज में फैला रहा है जो काबिले तारीफ है.

चंपाई सोरेन ने कहा कि असत्य के मार्ग पर चलने वालों को समाज कभी अपना नहीं सकता. रावण दहन के मौके पर कांड्रा एसकेजी मैदान में भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम आयोजित हुआ. इसे देखने दूर-दराज क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे. घंटों रावण दहन को देखने मैदान में जमे रहे. लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था. कार्यक्रम में मुखिया पियो हांसदा, राम हांसदा, पिंकी मंडल, बबलू सोरेन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

अज्ञात कार की चपेट में आने से महिला व युवक घायल

घाटशिला । धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के कोकपाडा स्थित टोल प्लाजा के समीप रविवार को अज्ञात कर की चपेट में आने से महिला समेत एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया. अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक डॉ रजनीश कौर प्राथमिक उपचार कर एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. चिकित्सक ने बताया कि महिला के शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोट पहुंची है तथा युवक को भी गंभीर चोट लगी है. बनमकड़ी गांव निवासी घायल सुधीर सोरेन ने बताया कि चोइरा गांव स्थित लोयोला स्कूल से मामी सलमा सोरेन के साथ वापस घर जा रहा था. सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार आ रही कार ने धक्का मार दिया.

नवोदय विद्यालय में मना अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

बहरागोड़ा । रविवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ जनार्दन सिंह की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर परिवार और समाज के विकास में बालिकाओं की भूमिका पर परिचर्चा हुई. इसमें कक्षा 10वीं और 12वीं की छात्राओं ने भाग लिया. कार्यक्रम का संचालन भूगोल शिक्षिका प्रिया प्रियदर्शिनी ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ जनार्दन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की. संगीत शिक्षिका ज्योति मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने नारी शक्ति गीत प्रस्तुत किया. कक्षा 10वीं और 12वीं की छात्राओं ने नारियों के सम्मान में काव्य पाठ किया.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पिता व पुत्र घायल

घाटशिला । धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोड़शोल गांव के समीप रविवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पिता तथा पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए. अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर घायल पिता पुत्र को एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. घटना के संबंध में नरसिंहगढ़ गांव निवासी पवन नामाता ने बताया कि किसी ने फोन कर सूचना दिया कि उसके छोटे पुत्र भोलानाथ नामाता का एक्सीडेंट हुआ है. सूचना मिलते ही पिता पवन नामाता एवं पुत्र सोमनाथ नामाता अपने बाइक से दुर्घटना स्थल की ओर रवाना हुए इसी बीच जोडसोल गांव के समीप अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए.

विधायक व सांसद प्रतिनिधि ने किया भवन का शिलान्यास

बहरागोड़ा । रविवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया प्लस टू उच्च विद्यालय तथा केसरदा प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में विधायक समीर कुमार मोहंती तथा सांसद प्रतिनिधि चुनू माहली ने मिलकर दो मंजिला ग्यारह कमरों वाला विद्यालय भवन का शिलान्यास किया. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि इन विद्यालयों में भवनों की कमी को देखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले भवन निर्माण किया जाएगा. वहीं विधायक निधि से मानुषमुड़िया विद्यालय में बने साइकिल स्टैंड का विधायक ने फीता काटकर उद्घाटन भी किया. इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष असित मिश्रा, राजकुमार कर,हिमांशु सेनापति,छोटा भुजंग टुडू,दीपक मंडल, धर्मचंद बांसुरी आदि उपस्थित थे.

ताला इंटरप्राइजेज में बॉयलर फटने से पिता-पुत्र झुलसे, पिता की मौत

पुत्र को गंभीर अवस्था में अस्पताल में कराया गया भर्ती

ताला इंटरप्राइजेज में घटना की जांच करते थाना प्रभारी.

- दो माह पूर्व शुरू हुई थी कंपनी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के फेज 7 स्थित ताला इंटरप्राइजेज नामक कंपनी में बॉयलर ब्लास्ट होने से काम कर रहे पिता और पुत्र झुलस गए. इसमें पिता की मौत हो गई है, जबकि साथ में काम कर रहा पुत्र गंभीर रूप से झुलस गया है. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

कंपनी में ब्लास्ट होने और आग लगने के बाद जांच करने आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया है. उन्होंने बताया कि जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 7 बजे अचानक कंपनी में आग लग गई. यहां पिता और पुत्र एक साथ काम कर रहे थे. इस घटना में भाटिया बस्ती निवासी पिता मदन प्रसाद की जलने से मौत हो गई है. उन्होंने कहा कि बॉयलर ब्लास्ट होने के बाद कंपनी में आग लग गई थी. इसमें पिता बुरी तरह से झुलस गया, जबकि पुत्र शुभम प्रसाद गंभीर रूप से झुलस गया है. उसे अधजली अवस्था में अस्पताल ले जाया गया है.

कंपनी में मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग बुझाई. थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह कंपनी दो माह पूर्व शुरू हुई थी. यहां सीमेंट के प्लास्टिक के बोरे को गलाकर रॉ मैटेरियल बनाया जाता था. स्थानीय लोगों द्वारा अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई थी, जिसके बाद अग्निशमन की टीम यहां पहुंचकर आग बुझायी.

बताया जा रहा है कि यहां कंपनी किराये पर चलायी जा रही थी. अरुण सिंह नामक व्यक्ति से यह कंपनी किराया पर लिया गया है.

घाटशिला में कई स्थानों पर हुआ कन्या पूजन

घाटशिला । परंपरा के अनुसार घाटशिला अनुमंडल में कई स्थानों पर परंपरा के अनुसार कुंवारी कन्या पूजन का आयोजन किया गया. इस क्रम में दाहीगोड़ा राम कृष्ण आश्रम, तुलसीबनी आश्रम चाकुलिया, गालूडीह रंकिणी मंदिर समेत अन्य स्थानों पर कन्या पूजन किया गया. इस क्रम में छोटी छोटी कन्याओ को सजा धजाकर उनके पैर पखारकर पूजा अर्चना की गई. दाहीगोड़ा आश्रम में कन्या पूजन को देखने को लिए सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुषों की भीड़ उमड़ी थी.

रघुवर दास व बन्ना गुप्ता ने किया कन्या पूजन

महानवमी पर ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने भालूबासा शीतला माता मंदिर में सपरिवार पूरे विधि-विधान से शक्तिस्वरूपा 251 कन्याओं का पूजन किया. कन्याओं के पांव पखार कर देवी शक्ति की आराधना की. उन्होंने पत्नी रुक्मणि देवी व पुत्र ललित दास के संग मंदिर में हवन करने के उपरांत मां दुर्गा की आरती कर शक्तिस्वरूपा कन्याओं का पूजन किया.

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने महानवमी को कन्या पूजन किया. पत्नी सुधा गुप्ता के संग अपने कदमा स्थित आवास पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सर्वप्रथम नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया और उनका आशीर्वाद लिया. कन्याओं की पूजा करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बेटियां सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं.

प्रतिमा को कंधे पर उठाकर श्रद्धालुओं ने निकाला विसर्जन जुलूस

कंधे पर उठाकर प्रतिमा ले जाते श्रद्धालु.

संवाददाता । घाटशिला

कसीदा, विक्रमपुर तामकपाल सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से अपनी पारंपरिक व्यवस्था के तहत रविवार की शाम को प्रतिमा विसर्जन जुलूस निकाला गया. इस पूजा कमेटी के द्वारा माता की प्रतिमा को श्रद्धालुओं द्वारा कंधे पर लेकर विसर्जन करने की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वाह करते हुए विसर्जन जुलूस निकाला गया विसर्जन जुलूस में काफी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालु मां की प्रतिमा विसर्जन में शामिल हुए और रास्ते भर मां के जयकारे लगाते हुए विसर्जन जुलूस में महिला पुरुषों बच्चे शामिल थे.

वहीं दूसरी ओर रामकृष्ण मठ दहीगोड़ा की ओर से मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन को लेकर बिना किसी तामजम के सूर्य अस्त के पहले ही विसर्जन जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकल गया मऊभंडार स्वर्णरेखा नदी में प्रतिमा का विसर्जन पूरे वैदिक परंपरा के तहत की गई. इसके अलावा महिला समिति दुर्गा पूजा कमेटी मऊभंडार की महिलाओं ने सूर्यास्त से पूर्व काफी उत्साह के साथ नृत्य संगीत करते हुए महिलाओं ने प्रतिमा का विसर्जन मुख्य सड़क होते हुए स्वर्णरेखा नदी घाट पहुंच कर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया. इसके अलावा देर शाम विभिन्न पूजा कमेटियों द्वारा सूर्यास्त के बाद प्रतिमा विसर्जन जुलूस निकाली गई आधुनिक विद्युत राज सजा तथा ध्वनि विस्तार यंत्र के साथ मुख्य सड़क होते हुए नदी घाट तक पहुंचा.

महिलाओं ने उत्साह के साथ खेला सिंदूर

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड क्षेत्र में विजया दशमी के अवसर पर विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में रविवार को महिलाओं ने उत्साह के साथ सिंदूर खेला किया. इस दौरान मां दुर्गा की प्रतिमा पर सिंदूर लगाकर पूजा अर्चना की और परिवार की सुख समृद्धि एवं सौभाग्य की कामना की.

उत्सव जमशेदपुर में श्री गुरु नानक देव जी का 555वां प्रकाश दिहाड़ा मनाने की तैयारियां शुरू

सोनारी से 15 नवंबर को निकलेगा नगर कीर्तन, 17 को सजेगा सेंट्रल दीवान

संवाददाता । जमशेदपुर

इस साल सिखों के सबसे बड़े गुरु पर्व श्री गुरु नानक देव जी का 555वां प्रकाश दिहाड़ा मनाने को लेकर तैयारियां शुरू हो गईं हैं. जमशेदपुर में 15 नवंबर को सिखों के पहले गुरु श्री गुरु नानक देव साहिब का प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और गुरु की शान में नगर कीर्तन इस बार सोनारी गुरुद्वारा साहिब से निकलेगा. सरदार भगवान सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सीजीपीसी की आम सभा में यह निर्णय लिया गया. इस मौके पर सुबह 11 बजे श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई तथा सीजीपीसी की देखरेख में सोनारी गुरुद्वारा से नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जो शाम पांच बजे साकची गुरुद्वारा में आकर पूर्ण होगा. 17 नवंबर को सेंट्रल दीवान साकची गुरुद्वारा साहिब में सजेगा. फुलहाउस उपस्थिति में स्त्री सत्संग सभा और विभिन्न स्कूलों को लॉटरी के आधार पर क्रमांक संख्या का आवंटन भी कर दिया गया.

स्त्री सत्संग सभा क्रम अनुसार सीतारामडेरा, टेल्को, गौरी शंकर रोड (जुगसलाई), मानगो, गम्हारिया, कदमा, टिनप्लेट, सुंदरनगर, बारीडीह, साकची, सरजामदा, रामदासभट्टा, स्टेशन रोड (जुगसलाई), नामदा बस्ती, आनंद विहार, रिफ्यूजी कॉलोनी, टुईलाडूंगरी, प्रकाश नगर,

सीजीपीसी की आमसभा में उपस्थित प्रदाधिकारी व सदस्य.

बिरसानगर, आजाद बस्ती (जेम्को), ह्यूमपाइप, बागबेड़ा, सोनारी, बर्मामाइन्स, इंदिरानगर, संत कुटिया, गोलपहाड़ी, शिवसिंह बागान, बिष्टुपुर, किताडीह व मनीफिट. जबकि स्कूलों में क्रमशः किताडीह, सोनारी, गम्हरिया, गोलपहाड़ी, रिफ्यूजी कॉलोनी, टेल्को, बर्मामाइन्स, नामदा बस्ती, गौरीशंकर रोड (जुगसलाई), बिष्टुपुर, मनीफिट, साकची, सुंदरनगर, टुईलाडूंगरी, टिनप्लेट, स्टेशन रोड (जुगसलाई), बारीडीह तथा अंत में मानगो नगर कीर्तन में शामिल होंगे. भगवान सिंह ने कहा कि नगर कीर्तन से संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द ही संगत को दी जाएगी.

श्री गुरु रामदास क्लिनिक का उद्घाटन जल्द : भगवान सिंह

सरदार भगवान सिंह ने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए सीजीपीसी पूरी तरह से संकल्पित है जिसके तहत जल्द ही सीजीपीसी के नए भवन में सिख विजडम एकेडमी की कक्षाएं शुरू की जाएंगी जो कि फिलहाल साकची गुरुद्वारा के सहयोग से मॉडर्न स्कूल में संचालित की जा रहीं हैं. साथ ही साथ श्री गुरु रामदास क्लिनिक का भी उद्घाटन जल्द किया जाएगा, जिसकी तैयारी अंतिम पड़ाव पर है. सप्ताह में पांच दिन पांच स्पेशलिस्ट डॉक्टर मरीजों का इलाज करेंगे जिनमें प्रमुख रूप से डॉ पीके साहू, डॉ राजेंद्र सिंह, डॉ हरप्रीत सिंह एवं डॉ अमरजीत सिंह ने निःशुल्क सेवाएं देने के लिए हामी भरी है. इसके अलावा सीजीपीसी आम सभा में प्रधान भगवान सिंह ने पिछले डेढ़ वर्ष के कार्यकाल का लेखा-जोखा ऑडिटर के माध्यम से प्रस्तुत किया.

चाईबासा : भटका हुआ बच्चा परिजनों को सुरक्षित मिला

चाईबासा । पूजा घूमने के लिए महानवमी की देर रात मनोज बारी अपने परिजनों के साथ चाईबासा आया था. किसी कारणवश भीड़ में वह जैन मार्केट चौक, चाईबासा के पास से अपने परिजनों से बिछड़ गया था. वह आमला टोला मार्ग पहुंच कर हैरान परेशान होकर अपनी बेसब्री से परिजनों को खोज रहा था. इधर-उधर भटक रहा था. संवेदनाओं के आधार पर पश्चिमी सिंहभूम जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य त्रिशानु राय ने परिजनों का पता लगाकर सुरक्षित-सकुशल उसके परिजनों के हाथों में सौंप दिया. अपने बच्चे को सुरक्षित-सकुशल वापस पाकर परिजनों ने आभार जताया है. मनोज बारी, पिता दुरसू बारी , गांव सिम्बिया चाईबासा का स्थानीय निवासी है. मौके पर मजिस्ट्रेट निखिल दास, रणबीर कुमार आदि उपस्थित थे.

जंगल आंदोलन करने वालों की आवाज थे स्वतंत्रता सेनानी के भाई देवेंद्र माझी

गोइलकेरा हाट बाजार में आज मनेगा शहादत दिवस, आएंगे सीएम

संवाददाता । गोइलकेरा

कोल्हान में जंगल आंदोलन का नेतृत्व करने वाले शहीद देवेंद्र माझी की पुण्यतिथि 14 अक्टूबर को मनाई जाएगी. इसमें शामिल होने के लिए सीएम हेमंत सोरेन सोमवार को गोइलकेरा पहुंचेंगे. जंगल में बसने वाले लोगों को उनका हक, अधिकार कैसे मिले, इसे लेकर अपनी आवाज बुलंद करते थे. शायद इसी वजह से स्व. देवेंद्र माझी को जंगल में रहने वाले आदिवासियों की आवाज कहा जाता था. 15 सितंबर 1947 को चक्रधरपुर में देवेंद्र माझी का जन्म हुआ था. तीन भाइयों एवं छह बहनों में सबसे छोटे देवेंद्र माझी के सिर से पांच वर्ष की बाल्यावस्था में ही पिता जगत माझी का साया उठ गया था. इनके

शहीद देवेंद्र मांझी की फाइल फोटो.

भाई कालीदास माझी भी एक जुझारू स्वतंत्रता सेनानी थे. एक दुर्घटना में चल बसे. मां कुनी माझी के कमजोर कंधों पर परिवार के भरण-पोषण का भार आ गया. विषम परिस्थितियों ने बालक देवेंद्र माझी को साहसी जुझारू एवं विद्रोही स्वभाव का बना दिया. चक्रधरपुर के मारवाड़ी उच्च स्कूल से उन्होंने 10वीं की शिक्षा पूरी की.

चाईबासा से इंटर की पढ़ाई की

बताया जाता है कि जब वे आठवीं कक्षा के विद्यार्थी थे, तो एक शिक्षक ने कक्षा में आदिवासियों को अपशब्द कह दिया. इसका इन्होंने तीव्र विरोध किया एवं बाद में प्रधानाध्यापक के समक्ष शिक्षक को गलती भी स्वीकारनी पड़ी थी. गांवों में शिक्षा, सड़क, पेयजल आदि के आंकड़े फाइलों की ही शोभा बने रहे. व्यवस्था की इस असमानता से क्षुब्ध होकर देवेंद्र माझी हायर सेंकेड्री की पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे पढ़ने का इरादा त्यागते हुए सामाजिक समानता की प्रतिस्थापना हेतु संगठन बनाकर साथियों को गोलबंद करने लगे. कोल्हान-पोड़ाहाट के चप्पे-चप्पे पर पैदल घूमते हुए लोगों को जगाया व क्रांति के लिए प्रेरित किया. इसी दौरान उनकी मुलाकात ट्रेन में एक भगोड़े नक्सली असीम भट्टाचार्य से हुई. असीम भट्टाचार्य कुछ दिनों के लिए देवेंद्र माझी के घर में रहे और बाद में उन्हें अपने साथ ले गये. जहां लाल किताब का अध्ययन किया, किंतु उन्हें यह आंदोलन रास नहीं आया. वे चंद दिनों के बाद ही इनसे अलग होकर पुनः कोल्हान-पोड़ाहाट के लोगों के बीच चले आये. सर्वप्रथम 1969 में बीड़ी श्रमिकों को संगठित कर कंपनियों के विरूद्ध आंदोलन का सूत्रपात किया. इसकी प्रतिक्रिया में बीड़ी कंपनियों के दबाव पर देवेन्द्र माझी को सर्वप्रथम 1971 में बांझीकुसुम गांव की घेराबन्दी कर गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तारी के पश्चात इन्हें हजारीबाग जेल भेज दिया गया.

जेल में शिबू सोरेन से हुई थी मुलाकात

जेल में इनकी मुलाकात शिबू सोरेन से हुई, जो महाजनों के विरुद्ध आन्दोलन किए जाने की वजह से जेल में थे. इन दोनों ने संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्र में झारखंड अलग प्रांत हासिल करने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया. इधर देवेन्द्र की गिरफ्तारी से क्षुब्ध मजदूरों ने बीड़ी लदे तीन ट्रकों को बांझीकुसुम गांव के समीप जला दिया. रिहा होने के बाद उन्होंने जंगलों के मूलवासियों के नाम जमीन कराने हेतु आन्दोलन किया. आन्दोलन जंगल की समतल भूमि पर झाड़ियां साफ कर खेती करने को प्रेरित करने हेतु किया था, लेकिन स्वार्थी तत्वों ने जंगल के पेड़ काट इसका इल्जाम देवेन्द्र माझी के सिर मढ़ दिया गया.

हत्यारों ने विस्फोट कर उड़ा दिया था

भूमिगत देवेन्द्र माझी को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वे अपनी बीमार मां से मिलने घर आए. इनके समर्थकों ने गुवा के जंगलों का सर्वेक्षण करने आए पदाधिकारियों के विरुद्ध प्रदर्शन किया. इसके जवाब में 8 सितंबर 1980 को बिहार पुलिस ने बेरहमी से गोली चलाकर दर्जन भर निरपराधों को मार डाला. तीर धनुष पर सिंहभूम में प्रतिबंध लगा दिया गया. आंदोलन के नेतृत्वकर्ता देवेंद्र माझी की 14 अक्टूबर 1994 को हत्यारों ने गोइलकेरा हाट बाजार में हत्या कर दी. हत्यारों ने बारूदी धमाके से उनके शरीर का तो अंत कर दिया.

महिलाओं ने सिंदूर दान कर माता को नम आंखों से दी विदाई

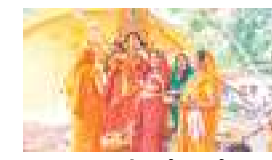

चक्रधरपुर । विजयी दशमी पर सभी दुर्गा पूजा पंडालों में महिलाओं ने सिंदूर दान किया. इसे लेकर सभी पूजा पंडालों में महिला श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई. इस मौके पर महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया. वहीं लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल भी लगाये. चक्रधरपुर के अलावे सोनुआ, गोईलकेरा, मनोहरपुर, आनंदपुर, बंदगांव प्रखंड की कराईकेला स्थित दुर्गा पूजा पंडालों में सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूरदान कर पूजा-अर्चना की. साथ ही महिलाओं ने भी एक-दूसरे को सिंदूर लगाया. वहीं इस अवसर पर अन्य लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल भी लगाये.

मेघाहातुबुरु में आधा घंटा हुई बारिश, देर से हुआ रावण दहन

किरीबुरु । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहरी क्षेत्रों में 13 अक्टूबर की शाम लगभग 3.30 बजे के बाद से आधा घंटा तक तेज बारिश हुई. इससे जनजीवन प्रभावित हुआ है. भारी वर्षा की वजह से मेघाहातुबुरु दुर्गापूजा समिति द्वारा फुटबॉल मैदान में रावण दहन कार्यक्रम कुछ घंटे देरी से शुरू होगा. वर्षा की वजह से रावण के निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है. रावण का कुछ हिस्सा भींग गया है. लगभग 65 फीट ऊंचे विशाल रावण को क्रेन से खड़ा करने में परेशानियों का सामना करना पडेग़ा. कार्यक्रम स्थल पर जल जमाव हो गया है. इस रावण दहन को देखने के लिए झारखंड-ओडिशा से आने वाली हजारों की भीड़ को मैदान में खड़ा होने में भारी दिक्कतों का सामना करना पडेग़ा. दूसरी तरफ आसमान में काले व घने बादल अब भी छाये हुये हैं. अगर दोबारा वर्षा होती है तो रावण दहन व आतिशबाजी में परेशानी होगी, वहीं दूसरी तरफ दर्जनों खाने-पीने का स्टॉल लगाने वाले दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ सकता है. हालांकि पूजा कमिटी हर हाल में आज रावण दहन करने की तैयारी में जुटा है.

चक्रधरपुर थाना ने डीजे किया जब्त तो पूजा समितियों ने विसर्जन रोका, रात साढ़े सात बजे के बाद डीजे लौटाया

रात 8 बजे निकला विसर्जन जुलूस

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर में माता दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन जुलूस को लेकर चक्रधरपुर थाना ने एक पूजा समिति के डीजे को जब्त कर लिया. इसके बाद पूजा कमेटियों ने जमकर हंगामा किया. इस कारण तय समय पर विसर्जन जुलूस नहीं निकला. देर शाम साढ़े सात बजे के बाद तक विसर्जन जुलूस रोक कर रखा गया. रात आठ बजे विसर्जन जुलूस निकलना शुरू हुआ. रविवार को तय कार्यक्रम के तहत पुरानी बस्ती की आदिशक्ति दुर्गा पूजा समिति पूजा पंडाल समेत अन्य पूजा समिति की प्रतिमा का विसर्जन किया जाना था. इसे लेकर पूजा समिति द्वारा तैयारी की जा रही थी. रविवार दिन के लगभग तीन बजे शहर के राजबाड़ी रोड स्थित आदर्श दुर्गा पूजा समिति पूजा पंडाल के समीप थाना प्रभारी राजीव रंजन के निर्देश पर अधिकारी डीजे जब्त कर थाना ले गये. इसके बाद आदर्श दुर्गा पूजा समिति पूजा पंडाल के सदस्यों ने जमकर रोष व्यक्त किया. साथ ही इसकी जानकारी अन्य पूजा पंडाल समितियों को दी. इसके बाद सभी पूजा पंडाल कमेटी के सदस्य इकट्ठा हो गए और डीजे नहीं छोड़े जाने पर विसर्जन जुलूस नहीं निकालने का निर्णय

चक्रधरपुर के पवन चौक पर लोगों को समझाते एसडीपीओ.

लिया. आदर्श दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में सभी पूजा कमेटी के सदस्यों ने बैठक भी की. वहीं इधर चक्रधरपुर के पवन चौक पर प्रशासन की ओर से बनाए गए मंच पर एसडीओ श्रुथि राज लक्ष्मी समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए, लेकिन एक भी पूजा पंडाल से विसर्जन जुलूस पवन चौक नहीं पहुंचा. सबसे पहले निकलने वाले आदिशक्ति दुर्गा पूजा समिति की प्रतिमा भी शाम साढ़े छह बजे तक पवन चौक नहीं पहुंची. इस बीच सभी पूजा पंडाल से बड़ी संख्या में लोग पवन चौक पर इकट्ठा हो गए और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. मौके पर एसडीपीओ समेत अन्य अधिकारियों ने लोगों को समझने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोग थाना प्रभारी को सस्पेंड करने की मांग व सभी के समक्ष माफी मांगने की मांग कर रहे थे. इस दौरान आईपीएस पारस राणा ने उपस्थित भीड़ से थाना की गलती स्वीकारते हुए माफी भी मांगी, लेकिन लोगों का गुस्सा कम नहीं हुआ. इसके कारण देर शाम साढ़े सात बजे तक पवन चौक पर एक भी विसर्जन जुलूस नहीं पहुंचा था.

डीजे गाड़ी छोड़ने के बावजूद भी लोगों ने जताया रोष

चक्रधरपुर थाना द्वारा डीजे गाड़ी को पकड़ा गया था. उसमें कुछ साउंड बॉक्स कम कर थाना द्वारा छोड़ दिया गया. लोगों की मांग थी कि जिस तरीके से पूर्व में वाहन में साउंड बॉक्स बांधे गए थे, उसी तरीके से बांधे जाएं.

मशाल जुलूस के साथ मां दुर्गा का विसर्जन करने जाते श्रद्धालु.

वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार कंधों पर मां दुर्गा की प्रतिमा उठा मशालों के बीच निकाला विसर्जन जुलूस

पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर में कंधों पर आदिशक्ति मां दुर्गा की प्रतिमा कंधों पर उठाकर पुरानी परंपरा के तहत विसर्जन जुलूस निकाला गया. हालांकि एक पूजा पंडाल का डीजे चक्रधरपुर थाना द्वारा पकड़े जाने के कारण लगभग ढाई घंटे विलंब से पुरानी बस्ती से विसर्जन जुलूस निकाला गया. जहां लोगों की अपार भीड़ उमड़ी. रविवार को पुरानी बस्ती से जय दुर्गे के नारों के बीच श्रद्धालुओं ने माता दुर्गा की प्रतिमा को अपने कंधों पर रखकर मशालों के बीच जुलूस निकाला. इस दौरान श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए जगह-जगह प्रतिमा को रखा गया. जगह-जगह लोगों ने माता के ऊपर फूल बरसाये. आदिशक्ति दुर्गा माता की प्रतिमा के पीछे-पीछे चक्रधरपुर के सभी दुर्गा पूजा पंडालों से क्रमबद्ध तरीके से ट्रक व ट्रैक्टरों में रखी प्रतिमा चक्रधरपुर के पवन चौक, बाटा रोड, पुरानी रांची रोड, भगत सिंह चौक, रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग के महात्मा गांधी के समीप से थाना रोड होते हुए मुक्तिनाथ महादेव घाट में विसर्जन किया गया.

न्यूज अपडेट

वनदेवी मंदिर में कुंवारी पूजा कर कन्याओं को कराया भोजन

किरीबुरु । गुवा-मनोहरपुर मार्ग स्थित मां दुर्गा वनदेवी मंदिर में नवरात्रि पर नौ कन्याओं की पूजा की गई. इन कुंवारी कन्याओं की पूजा ने की. उन्हें मां दुर्गा का नौ रूप मानकर पूजा की गई. पूजन के बाद कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया गया. उसके बाद महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया. इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर आकर भोग ग्रहण किया. मंदिर कमेटी की ओर से भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया. पुजारी गौतम पाठक ने कहा कि मंदिर में पूजा कर मां दुर्गा से जो भी मन्नते मांगी जाती है वह पूरी होती है.

वन विभाग के खोदे गये तालाब में पानी नहीं, ग्रामीण परेशान

किरीबुरु। सारंडा के भनगांव स्थित सावन के खेत में वन विभाग ने पिछले दिनों खोदे गये तालाब में पानी नहीं रहने से ग्रामीण परेशान हैं. ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग अगर इस तालाब को और गहरा कराती तो शायद इसमें पानी का ठहराव होता. इससे लोगों को फायदा होता. चन्द्रराम मुंडा ने कहा कि हम ग्रामीणों को पता है कि हमारे क्षेत्र में पानी का भूमिगत जलस्तर कहां-कहां ऊंचा है. अगर वन विभाग ग्रामीणों से सलाह कर तालाब हेतु जगह का चयन करती तो उसका अच्छा लाभ मिलता.

रतन टाटा को चाईबासा चैम्बर ने अर्पित की श्रद्धांजलि

चाईबासा । पद्म विभूषण भारत वर्ष के अमूल्य रतन दिग्गज उद्योगपति नवल रतन टाटा अपने अंतिम सफर पर निकले. 86 वर्ष की आयु में ब्रीच कैंडी अस्पताल मुम्बई में अंतिम सांस ली और पूरे उद्योग जगत की आंखें नम कर गए. चाईबासा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा अपने गांधी टोला स्थित अस्थायी कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया. टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की गई. सदस्यों को पूर्व अध्यक्ष नितिन प्रकाश एवं अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल ने संबोधित किया.

मनोहरपुर में संचालित हब्बा-डब्बा एसपी ने कराया बंद

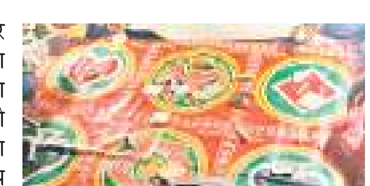

किरीबुरु । मनोहरपुर थाना अन्तर्गत कोलपोटका पंचायत के काशीजोड़ा गांव में 12 अक्टूबर को बडे. स्तर पर हब्बा-डब्बा एवं मुर्गापाड़ा जैसे अवैध जुआ का खेल शुरू किया गया था. यहां हब्बा-डब्बा की पांच पालियां लगाई गईं थीं. भारी भीड़ के साथ जुआ का खेल भी प्रारम्भ हो चुका था. इसी बीच पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शेखर को इस जुआ के बारे में जानकारी मिली. उन्होंने मनोहरपुर थाना पुलिस को जुआ स्थल पर भेज उसे बंद कराने का आदेश दिया. पुलिस टीम के आने से पहले हब्बा-डब्बा के मुख्य संचालक के पास किसी पुलिस वाले का फोन आया तथा उसे जुआ का पाली हटाने को कहा जाता है. इसके बाद मुख्य संचालक ने पांचों जुआ की पाली को अविलम्ब हटा लिया.

गुजराती समाज ने नवरात्रि महोत्सव का किया आयोजन

चाईबासा । गुजराती समाज चाईबासा (श्री नवरात्रि महोत्सव आयोजन समिति) द्वारा टुंगरी में नवरात्रि को लेकर 9 दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया. वहीं महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा शरीक हुए. महोत्सव में सर्वप्रथम गुजराती समाज के मुख्य संरक्षक घनश्याम दरबार एवं राजेश राठौड़ ने गुलदस्ता भेंट कर एवं अंग वस्त्र प्रदान कर समाज की ओर से मंत्री दीपक बिरुवा को सम्मानित किया. महोत्सव में कुमारी गीत वेगड़ द्वारा योगा दीप की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई. इसके पश्चात महिलाओं एवं बच्चों द्वारा गरबा नृत्य के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया.

चावलीबासा में आतिशबाजी के बीच जला अहंकार रूपी रावण

संवाददाता । चांडिल

चांडिल प्रखंड के बड़ामटांड मैदान में रविवार को शानदार आतिशबाजी के बीच अहंकार रूपी रावण के पुतले को जलाया गया. यहां गौरडीह पंचायत दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से प्रतिवर्ष रावण दहन का आयोजन किया जाता है. यहां वर्ष 2002 से रावण दहन का आयोजन किया जाता है. जबकि कमेटी की ओर से वर्ष 1987 से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है. रावण दहन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक सविता महतो, जिला परिषद सदस्य सविता मार्डी, समाजसेवी हिकिम महतो समेत कई पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए. उपस्थित नेता व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रावण दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताया. कहा कि अहंकार का अंत निश्चित रूप से होता है. सभी ने लोगों को सामाजिक समरसता के साथ रहने और एक-दूसरे की मदद करने की अपील की. इसके बाद विशालकाय रावण के पुतले को जलाया गया. रावण दहन के पूर्व जमकर आतिशबाजी की गई. आतिशबाजी के लिए पश्चिम बंगाल के कलाकार चावलीबासा में बीते कई दिनों से काम कर रहे थे. मैदान के चारों ओर आतिशबाजी करने के लिए पहले से तैयारी पूरी कर ली गई थी. शाम ढलने के बाद विधायक सविता महतो ने आतीशबाजी शुरू की. इसके बाद अन्य अतिथियों ने रावण के पुतले को आग के हवाले किया.

रावण दहन का नजारा.

झूमर गीतों पर जमकर झूमे दर्शक

रावण दहन कार्यक्रम के अवसर पर चावलीबासा में गौरडीह पंचायत दुर्गा पूजा कमिटी की ओर से झुमर संगीत का आयोजन किया गया था. इस अवसर पर झुमर गायक गोविंद लाल महतो ने अपने दल के साथ उपस्थित दर्शकों को झूमर गीतों पर झूमने पर मजबूर कर दिया. दोपहर से ही झूमर गीतों पर लोग झूम रहे थे. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और मेला का लुत्फ उठाया. रावण दहन कार्यक्रम में जनसैलाब के बीच शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौका थाना की पुलिस ने व्यापक तैयारी की थी. फोरलेन एनएच 33 के एक लेन पर आवागमन बंद कर दिया गया थ्ज्ञ. हर चौक-चौराहों पर पुलिस बल को तैनात किया गया था.

चांडिल के दुर्गोत्सव में महिला ढाकी दल रहा आकर्षण का केंद्र

संवाददाता । चांडिल

चांडिल बाजार में 151 साल पुराने दुर्गोत्सव में इस बार आकर्षण का मुख्य केंद्र कोलकाता से आईं महिलाओं का ढाकी दल था. वैसे दुर्गोत्सव में ढाकी का विशेष महत्व रहता है. ढाकी के बगैर दुर्गा पूजा की परिकल्पना नहीं की जाती है. चांडिल बाजार में धूमधाम से मनाए जाने वाले दुर्गोत्सव में ढाकी तो रहता ही है. इस बार समिति ने कोलकाता से महिला ढाकी दल मंगाकर उसे और अधिक उत्साहवर्धक कर दिया. महाषष्ठी से विजया दशमी तक महिला ढाकी दल ने पूजा के हर जरूरत के समय ढाकी बजाकर मां दुर्गा का अभिवादन किया. यहां विजया दशमी के दिन देवी की डाकमुकुट प्रतिमा का हर्षोल्लास के साथ विसर्जन कर दिया गया. विसर्जन जुलूस में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. भजन और हिंदी फिल्मी गीतों की धुन पर महिलाएं थिरकती हुईं माता को विदाई दी. विसर्जन जुलूस मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड और एनएच 32 होते हुए तांती बांध पहुंचा. तांती बांध में माता की प्रतिमा का विसर्जन किया गया.

चांडिल बाजार में मां दुर्गा के विसर्जन जुलूस में ढाकी बजाती महिलाएं.

विसर्जन की पुरातन परंपरा बरकरार

अनुमंडल क्षेत्र में विसर्जन की पुरातन परंपरा अब भी बरकरार है. ग्रामांचलों में अब भी देवी की प्रतिमा को कंधे पर ढोकर विसर्जन के लिए तालाब या अन्य जलाशयों तक पहुंचाया जाता है. तेजी से बदलते परिवेश में भी ग्रामांचलों की पुरातन परंपरा नहीं बदली है. विजया दशमी के दिन शनिवार को कई स्थानों पर रावण दहन किया गया. सितु में भी शनिवार को रावण दहन किया गया. वहीं ईचागढ़ प्रखंड के रुगड़ी बाजार, देवलटांड समेत कई स्थानों में रविवार को रावण दहन किया गया. आरती के बाद रावण दहन किया गया, इसके बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. प्रतिमा विसर्जन जुलूस में लोग गाजे-बाजे के साथ थिरकते हुए शामिल हुए.

सिंदूर खेलकर सुहागिनों ने दी माता दुर्गा को विदाई

संवाददाता । चांडिल

शारदीय नवरात्र के विजया दशमी के अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को विदाई दी. वहीं महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर लंबे सुहाग की कामना की. इसके पूर्व सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को श्रृंगार सामग्री अर्पित की और देवी मां को आलता व सिंदूर लगाया. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के सार्वजनिन पूजा समिति, चांडिल बाजार 16 आना, सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमिटी चौका मोड़, कदमडीह, रघुनाथपुर, डाक बंगला, स्टेशन, चैनपुर, भादुडीह, फदलोगोड़ा समेत कई पूजा पंडाल व मंदिरों में विजया दशमी के दिन महिलाओं ने जमकर सिंदूर खेला. महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दीं.

इसके बाद मां दुर्गा को पूरे परिवार के साथ विदाई दी गई. ऐसा माना जाता है कि सिंदूर खेला करने से सुहागिन महिलाओं को सौभाग्य मिलता है और उनके पतियों की उम्र बढ़ती है.

मां दुर्गा को दी गई विदाई : विजया दशमी के दिन मां दुर्गा को विदाई दी जाती है. मान्यता के अनुसार मां दुर्गा के मायके आने के अवसर पर दुर्गोत्सव मनाया जाता है. वहीं विजया दशमी के दिन मां वापस अपने ससुराल चली जाती है. सिंदूर खेला के पहले महिलाओं ने माता को श्रृंगार का सामान अर्पित किया.

चौका में प्रतिमा विसर्जन के साथ हर्षोल्लास पूर्वक दुर्गोत्सव संपन्न

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में शारदीय नवरात्र पर स्थापित कलश और देवी दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन के साथ ही हर्षोल्लास के साथ दुर्गोत्सव संपन्न हो गया. अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्र में दशहरा का त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया. शनिवार को विजया दशमी के अवसर पर अधिकांश पूजा पंडालों और मंदिरों में स्थापित देवी की प्रतिमाओं का विसर्जन कर दिया गया. वहीं कुछ मंदिर व पूजा पंडालों में केवल कलश का विसर्जन किया गया था. रविवार को भी कई स्थानों में शक्ति की देवी दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. पूजा आयोजन समितियों की ओर से प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस गाजे-बाजे के साथ थिरकते हुए भव्य तरीके से निकाला गया.

असत्य पर सत्य की जीत, अधर्म पर धर्म की जीत का पर्व है दशहरा : सांसद मनीष जायसवाल

रामगढ़ जिले में धूमधाम से संपन्न हुई नवरात्रि

संवाददाता। रामगढ़

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामगढ़ जिला के विभिन्न क्षेत्रों में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया. जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दशहरा के मौके पर शनिवार को कई स्थान पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. रामगढ़ में रावण दहन कार्यक्रम शहर के फुटबॉल मैदान में आयोजित की गई.

रामगढ़ फुटबॉल मैदान में रामगढ़ कैंट दशहरा पूजा समिति ने रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यहां रावण, कुंभकरण और मेघनाथ का विशाल पुतला दहन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक शंकर चौधरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता कुंटू बाबू मौजूद थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष दीपक सोनकर और संचालन समाजसेवी कमल बगड़िया ने किया.

इस मौके पर वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जीवन का मूल उद्देश्य यह है कि हमें अपने जीवन के हर कार्य में सत्य और धर्म का ख्याल रखना चाहिए. हमारे जीवन एक न एक दिन अंत होगा इस संसार में अपने ताकत बुद्धि पर अहंकार नहीं करना चाहिए. रामगढ़ कैंट दशहरा पूजा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन समारोह में महेंद्र मुंडा, भाजपा नेता राजीव जायसवाल, सहदेव ठाकुर, मोहन पांडे, नमेंद्र चंचल, बद्री विश्वकर्मा, विजय जायसवाल, छोटन सिंह, सत्यजीत चौधरी, सूर्यवंश श्रीवास्तव, संजीव सिंह टीपू, रंजन सिंह, अजीत गुप्ता, चंदन कुमार आदि मौजूद थे.

चतरा के लावालौंग प्रखंड में पूजा की खुशी मातम में बदली

कलश विसर्जन के दौरान बालक की मौत

संवाददाता। चतरा

जिले के लावालौंग प्रखंड में कलश विसर्जन के दौरान एक 10 वर्षीय बालक की मौत तालाब में डूबने से हो गई. लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित तालाब में शनिवार की दोपहर पूजा पंडालों में स्थापित कलशों का विसर्जन किया जा रहा था. काफी संख्या में श्रद्धालु लावालौंग थाना के समीप बड़ा तालाब में कलश का विसर्जन कर रहे थे. इसी दौरान 10 वर्षीय रिशु कुमार का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया. आसपास के लोगों ने उसे निकालने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन निकाल नहीं पाए. इसके बाद इसकी सूचना प्रशासन को दी गई. प्रशासन की पहल पर चौपारण से गोताखोरों की टीम को बुलाया गया. लगभग 4 घंटे की चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों की टीम ने रिशु के शव को तालाब से बाहर निकाला. इस घटना से लावालौंग में दशहरे की खुशियां मातम में बदल गई. मृत बालक रिशु लावालौंग निवासी रंजीत केसरी का पुत्र था. विश्व की मौत पर घर में मातम पसर गया. परिजनों के चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया. दशहरे की खुशियां मटन में बदल गईं

कलश विसर्जन के दौरान डूबे बालक को निकालते गोताखोर.

ब्रीफ खबरें

मुनि सुयश सागर का दीक्षा महोत्सव आज

हजारीबाग। परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य णमोकार वाले बाबा परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं छुल्लक 105 श्रेय सागर जी महाराज का चातुर्मास बड़े ही धूमधाम से हजारीबाग में चल रहा है. इसी क्रम में दिगंबर जैन पंचायत हजारीबाग सोमवार 14 अक्टूबर को होने वाले मुनि श्री सुयश सागर जी की 15वें दीक्षा दिवस महोत्सव की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है. कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए कार्यक्रम स्थल दिगंबर जैन भवन बड़ा बाजार को अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है. उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया ने दी.

- दीक्षा दिवस महोत्सव की सारी तैयारी पूरी

चौपारण प्रखंड में माता की मूर्ति के विसर्जन से पहले महिलाओं ने किया सिंदूर खेला

देवी दुर्गा की विदाई पर नम हुईं आंखें

सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, एसडीओ, एसडीपीओ सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचे

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ. वहीं चौपारण प्रखंड के भिन्न-भिन्न 9 स्थानों पर स्थापित मां दुर्गे की प्रतिमा की श्रद्धालुओं ने दस दिनों तक भक्तिभाव व आस्था से आराधना किया. विसर्जन से पूर्व महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सिंदूर खेला और अपने पति की लंबी आयु की कामना करते हुए माता को विदा किया. हालांकि यह क्षण थोड़ी देर के लिए भावुक था, सिंदूर खेला में चांदनी सिन्हा, नंदनी केशरी, शौभा देवी, रिया केशरी, सुमन सिन्हा, श्वेता सिन्हा, आरती केशरी, रागनी केशरी आदि महिलाएं शामिल रहीं. सिंदूर खेला के बाद शोभायात्रा निकाली गई.

पूजा पंडाल और सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थलों पर प्रशासन की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रहने से शांति-सौहार्द पूर्वक पूजा संपन्न हो गया. प्रखंड के हथिंदर, दैहर, चौपारण, मानगढ़, बहेरा, पांड़ेयबारा, सिंघरावां, रामपुर और बसरिया में दुर्गा मां के भक्ति ने मां दुर्गे की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति-भाव से आराधना की. आरती व मंगल कामना कर मां दुर्गे की प्रतिमा को तालाब में विसर्जित

माता दुर्गा के विदाई के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

बसरिया में डांडिया नृत्य का आयोजन

बसरिया में नवरात्रि के अवसर पर डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया. महिलाओं के साथ बच्चे भी खूब झूमे. पूर्व विधायक मनोज यादव ने पूजा पंडाल के समीप नृत्य का शुभारंभ किया. मंच संचालन शिक्षक प्रेम कुमार ने किया. मौके पर जिला परिषद सदस्य आरती कौशल, पूर्व मुखिया नरेश पासवान, पड़रिया मुखिया पप्पू रजक, भाजपा नेता पिंटू सोनी, शिक्षक भुनेश्वर साव, रामधनी डांगी, विजय साव आदि मौजूद रहे.

चतरा जिले में शांति व सौहार्द के साथ दुर्गा पूजा का समापन

चतरा। जिले भर में स्थापित पंडालों से शनिवार को प्रतिमा विसर्जन के साथ ही शारदीय नवरात्र सह दुर्गा पूजा शांति व सौहार्द के साथ संपन्न हो गया. शहर में स्थापित मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन को लेकर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लो शामिल हुए. शहर की मुख्य सड़क से होकर जुलूस की शक्ल में शामिल श्रद्धालु वाद्य यंत्रों पर थिरकते हुए हरलाल तलाब पहुंचे, जहां विधिवत संध्या आरती के बाद वैदिक मंत्रोच्चार व शंखनाद तथा पुनः अगली बार आने का निमंत्रण के साथ सभी देवी देवताओं की मूर्तियों का विसर्जन नम आंखों से किया.

शोभायात्रा के दौरान जय माता दी, दुर्गा माता की जय, जाय दुर्गे, हर हर महादेव, जय बजरंग बली आदि देवी देवताओं के जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान होता रहा. शहर में लगभाग दो दर्जन पूजा पंडालों में मां दुर्गा समेत अन्य देवी-देवताओं की पूजा अर्चना भक्ति भाव से की गई. इस दौरान पूजा समितियों द्वारा विभिन्न धार्मिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित की गई, जहां दर्शकों की अपार भीड़ उमड़ी. शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा संपन्न होने पर जिला प्रशासन ने शहर वासियों तथा पूजा समितियों के प्रति आभार व्यक्त किया. वहीं आयोजन को शांति एवं सद्भावना के साथ संपन्न कराने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने वाले सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है.

किया गया. दुर्गा पूजा संपन्न करवाने में सांसद मनीष जसवाल, विधायक उमाशंकर अकेला, पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, जिप सदस्य रवि शंकर यादव, राकेश रंजन, आरती कौशल, जिला महामंत्री सुनील साहू,एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, सर्किल इंस्पेक्टर विमल कुमार, थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने पूजा पंडालों का निरीक्षण तथा शांति, सुरक्षा व्यवस्था की जायजा ले पूजा संपन्न करवाया. पूजा को संपन्न करवाने में चौपारण दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष सह चौपारण प्रेस क्लब संरक्षक अभिमन्यु प्रसाद भगत, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता एवं पंडाल समिति अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुधीर केशरी, टुनु बरनवाल, मनोज सिंह, उमेश सिंह, रितेश सिन्हा, रौशन केशरी, मनीष साव आदि शामिल रहे.

शराबी पति ने की पत्नी की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या

- हत्या कर भागने की थी तैयारी, पड़ोसियों ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

संवाददाता। चतरा

चतरा शहर के बिन्ड मोहल्ले में एक शराबी पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना शुक्रवार रात की है, पत्नी की हत्या के बाद पति मुकेश भुइयां घर से भागने के फिराक में था. इसी दौरान मोहल्ले वालों ने आरोपी को दबोच लिया और उसे सदर थाना पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. सदर थाना पुलिस हत्या के पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

जांच अधिकारी ने बताया कि महिला के साथ बहुत बेरहमी के साथ मारपीट की गई है. डंडे से पीट पीट कर हत्या की गई है. पड़ोस के लोगों ने बताया है कि पति मुकेश ही अपनी पत्नी की मारपीट कर हत्या कर दी है. पड़ोसियों की सूचना पर ही पुलिस घटनास्थल पहुंची. पुलिस ने मृत महिला के शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, महिला की हत्या से पहले बेरहमी से पिटाई की गई थी. मृत महिला के छाती की 8 पसलियां टूटी हुई थीं. शरीर पे कई गहरे चोट के निशान भी पाए गए. इस मामले में हत्यारे पति मुकेश को जेल भेज दिया गया है.

भव्यता से मनेगी सम्राट जरासंध की जयंती : दामोदर चंद्रवंशी

- जरासंध जयंती मनाने को लेकर चंद्रवंशी समाज की बैठक

संवाददाता। प्रतापपुर (चतरा)

चंद्रवंशी समाज ने जरासंध जयंती मनाने को लेकर एक बैठक की. रविवार को प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय के देवी मंडप प्रांगण में हुई इस बैठक की अध्यक्षता पूजा समिति के अध्यक्ष दामोदर राम चंद्रवंशी ने की और संचालन मिथिलेश कुमार (सोनू) ने किया. बैठक में मगध सम्राट जरासंध महाराज की पूजा अर्चना करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि प्रखंड मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में 15 नवंबर को मगध सम्राट महाराजा जरासंध का पूजा अर्चना और उनका जयंती भव्य रूप से मनाया जाएगा. साथ ही पूजा समिति के अध्यक्ष दामोदर चंद्रवंशी ने बताया कि पूजा समारोह में कई नेता मंत्री शिरकत करेंगे. इस मौके पर बिश्वनाथ राम चंद्रवंशी, लवकुश चंद्रवंशी, जयप्रकाश चंद्रवंशी, संदीप कुमार चंद्रवंशी, पंकज कुमार चंद्रवंशी पुनीत चंद्रवंशी और प्राण चंद्रवंशी आदि उपस्थित थे.

बिजली प्रतिष्ठान का सांसद मनीष जायसवाल ने किया उद्घाटन

संवाददाता। हजारीबाग

मालवीय मार्ग के रानी सती मंदिर स्थित बिजली घर प्रतिष्ठान का उद्घाटन शनिवार को क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने किया. ज्ञातव्य हो कि यह प्रतिष्ठान विगत 30 वर्षों से गुरु गोविंद सिंह रोड में ग्राहकों के बीच अपनी अलग पहचान रखते हुए विश्वसनीय सेवा ग्राहकों को दे रही है. प्रतिष्ठान संचालक सुबोध अग्रवाल एवं अंकित कंसल ने बताया कि यह नया शोरूम ढेर सारी सुविधाओं के साथ ग्राहकों के बीच अपनी बेहतर सेवा लेकर आया है. मौके पर फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल, सचिव राकेश ठाकुर, उपाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, शंभू नाथ मोदी, आलोक रंजन, मोनिका अग्रवाल, रीता अग्रवाल, ऋषिकेश प्रसाद, जीत सिंह, सच्चिदानंद, विनोद कुमार, बेगिन अजीत कुमार, उदय आदि उपस्थित थे.

आसमानी बिजली का कहर, दो की मौत तीन गंभीर रूप से घायल

लोहरदगा। जिले के कैरो और कुडू थाना क्षेत्र में वज्रपात की घटनाए सामने आई हैं. इस घटना में एक महिला व एक युवक समेत दो लोगों की मौत हो गई. वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. तीनों घायल का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में जारी है. घायल महिलाओं को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर महिलाओं का इलाज चल रहा है. बताया जाता है कि लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के नगड़ा गांव में वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है. वहीं, गांव की ही एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है. नगड़ा गांव में धानरोपनी के दौरान बारिश के साथ हुए वज्रपात की चपेट में आने से गुलाब महली की पत्नी उर्मिला देवी (25 वर्ष) की मौत हो गई. वहीं, प्रयाग उरांव की पत्नी देवंती देवी (28 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए लोहरदगा स्थित सदर अस्पताल ले जाया गया. दोनों महिलाओं को कुछ देर के लिए ग्रामीणों ने गोबर में गाड़ कर रखा गया था.

बंदूक चलाने की ट्रेनिंग ले रहा था नाबालिग

जबड़े के उड़े चिथड़े, अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने साधी चुप्पी

- लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र की है घटना
- घटना के बाद आरोपित गांव से है फरार
- स्वजन रॉड से मुंह में चोट लगने की बात कह रहे

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक गांव के ही एक नाबालिग को पिस्टल चलाने की ट्रेनिंग दे रहा था. इसी दौरान, अचानक फायर होने के बाद गोली नाबालिग के मुंह (जबड़ा) को पार करते हुए निकल गई. गोली लगने से नाबालिग घायल हो गया. इसके बाद अफरातफरी मच गई. नाबालिग को स्वजनों द्वारा आननफानन में इलाज के लिए लोहरदगा के कुडू और रांची जिला के चान्हों थाना क्षेत्र के सीमावर्ती किसी निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर नाबालिग का इलाज किया गया है. घटना शुक्रवार देर शाम की है. पुलिस के संज्ञान में मामला शनिवार को आया है. हालांकि पुलिस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है. घटना के बाद आरोपित गांव से फरार हो गया है. आरोपित की तलाश कर रही है. हालांकि, नाबालिग के स्वजन रॉड से मुंह में चोट लगने की बात कह रहे हैं. शनिवार को नाबालिग के स्वजन नाबालिग को लेकर कुडू थाना पहुंचे और नाबालिग के मुंह में रॉड लगने से घायल होने की जानकारी दी. सूचना के बाद कुडू थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो गांव भी पहुंचे थे. पुलिस मामले की जांच कर रही है. कहा जा रहा है कि घायल नाबालिग को लेकर स्वजन गांव के कुछ गणमान्य के पास मामला निपटाने को लेकर पहुंचे थे. मामला संदिग्ध होने के बाद नाबालिग और उसके स्वजनों को कुडू थाना भेज दिया गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

दुर्गा पूजा में नए कपड़े नहीं मिलने पर महिला ने विषपान कर की आत्महत्या

- **परिवार में पसरा सन्नाटा, पति बोला– बेरोजगारी ने घर को बर्बाद कर दिया**
- बैंक गया था मंईयां सम्मान योजना की राशि लेने, निराश होकर लौटा

संवाददाता। चतरा

शहर से सटे किशुनपुर में 45 वर्षीया महिला पूनम देवी ने विष पान कर आत्महत्या कर ली. घटना शनिवार सुबह 13 अक्टूबर की है. महिला की मौत से परिवार में सन्नाटा पसरा है. महिला के चार छोटे बच्चे हैं. महिला दुर्गा पूजा के लिए अपने पति सुनील भुइयां से अपने लिए एक नई साड़ी तथा बच्चों के लिए नए कपडे.लेने कि जिद्द कर रही थी. पति सुनील कुछ दिनों से बेरोज़गार बैठा है, और उसने पैसे नहीं होने कि बात पत्नी से बताई. पति की इस बात से महिला नाराज चल रही थी. दुर्गा पूजा के त्योहार पर नया कपड़ा नहीं मिलता देख नाराज़ महिला ने शुक्रवार की रात को विषपान कर लिया. सुबह पत्नी के मुंह से झाग निकलता देख पति सुनील भुइयां ने पड़ोसियों व रिश्तेदारों को मदद के लिए बुलाया, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी.

शनिवार की सुबह परिवार के लोगों ने महिला का अंतिम संस्कार कर दिया. इस बाबत मृतक महिला का पति सुनील भुइयां ने कहा कि बेरोजगारी के कारण घर बर्बाद हो गया. काम धाम नहीं मिलने से कुछ दिन से घर पर बैठा था. इस दौरान परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी. फिर भी पत्नी की जिद्द पर बुधवार को मंईयां सम्मान योजना में आने वाले पैसे का पता करने बैंक गया था, लेकिन खाते में राशि नहीं आयी थी. मैं निराश होकर घर लौट गया और पत्नी से राशि बैंक में नहीं आने की बात कही. इस घटना से मेरी पत्नी उदास रह रही थी. वह किसी भी सूरत से अपने तथा बच्चों के लिए नए कपड़े की जिद पर अड़ी थी. मुझे यह महसूस भी नहीं हुआ और पत्नी ने विष पान कर आत्महत्या कर ली.

आयोजन राज्य सरकार में मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

भोजपुरी गायिका कल भक्ति गीतों से करेंगी सराबोर

संवाददाता। चतरा

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर आगामी 15 अक्टूबर की संध्या भोजपुरी के लोकप्रिय व सुपर स्टार गायिका देवी का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया है. यह आयोजन प्रतापपुर हाई स्कूल के मैदान में प्रतापपुर दुर्गा पूजा महासमिति के तत्वाधान आयोजित किया गया है. इस संबंध में प्रतापपुर दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार ने बताया कि आगामी मंगलवार को भोजपुरी के सुपर स्टार गायिका देवी व उनके मंडली के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन है. कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. अध्यक्ष ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, प्रखंड के सभी प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड के सभी जनप्रतिनिधियों, प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया, ग्रामीणों व सभी वर्गों के लोगो को कार्यक्रम में आमंत्रित किया है. बताते चलें कि भोजपुरी की स्टार गायिका देवी ने बिहार के छपरा से संगीत व गीत की शुरुआत की थी. हिट गीतों से पहचान बनाने वाली देवी भोजपुरी गानों में अश्लीलता का हमेशा विरोध करती हैं. इनके सभी कलाकार व नर्तकी देवी के आचरण पर कार्य करते हुये दर्शको को मोहित करते हैं. चतरा में पहली बार वर्ष 2005 में मंत्री ने अपनी जीत की खुशी में देवी व उनकी मंडली को बुलाकर कार्यक्रम आयोजित किया था. उसके बाद से चतरा में कई बार देवी का कार्यक्रम हो चुका है. मंगलवार को प्रतापपुर हाई स्कूल में भोजपुरी की प्रसिद्ध गायिका देवी अपने गीतों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी.

खास बातें

- दुर्गा पूजा महासमिति के तत्वाधान होगा कार्यक्रम
- सभी नेताओं, अधिकारियों व आम लोगों को किया आमंत्रित

लोडेड पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, सहयोगी फरार

चतरा। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के चट्टी गाडीलौंग से अवैध लोडेड पिस्टल के साथ टंडवा पुलिस को एक युवक को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हाथ लगी है. गिरफ्तार युवक से कड़ी पूछताछ की जा रही है. बताया जाता है कि गिरफ्तार युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने सहयोगी के साथ किसी बड़ी को घटना अंजाम देने की फिराक में रेकी कर रहा था, जिसकी गुप्त सूचना टंडवा पुलिस को मिलने पर पुलिस द्वारा जाल बिछाकर युवक को दबोचा गया, जबकि सहयोगी मौके से भागने में सफल रहा. बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के कामता गांव का दोनों युवक रहने वाला है. पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार युवक द्वारा बड़े राज उगले जाने की संभावना है. फिलहाल पुलिस फरार युवक को दबोचने के लिए हर संभावित जगहों में छापेमारी कर रही है.

आजसू नेता ने रिक्शा और टेंपू चालकों से की मुलाकात

- सूबे के श्रम नियोजन और उद्योग मंत्री पर लगाया आरोप
- पांच वर्षों में विधानसभा क्षेत्र के हजारों नौजवान रहे बेरोजगार, क्षेत्र से हुआ पलायन

संवाददाता। चतरा

आजसू केंद्रीय महासचिव और चतरा विधानसभा प्रभारी अशोक गहलौत ने रविवार को चतरा विधानसभा क्षेत्र के रिक्शा और टेंपू चालकों से रांची में मुलाकात की. गहलौत ने कहा कि जिले की यह विडंबना है कि सूबे के श्रम नियोजन और उद्योग मंत्री के रूप में चतरा के विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यानंद भोक्ता जी हैं. इसके बावजूद चतरा के लोग बेरोजगार हैं और दूसरे प्रदेशों में मजदूरी करने को विवश हैं.

उन्होंने कहा कि मंत्री जी के कार्यकाल में रोजगार का सृजन होना चाहिए था, परंतु पांच वर्षों के कार्यकाल में मंत्री जी ने चतरा को चारागाह बनाकर रख दिया. क्षेत्र में कहीं पर एक भी उद्योग नहीं लगाया गया. बेरोजगारों को नौकरी देने के वादे किए गए, परंतु वह भी महज ढकोसला साबित हुए. कुछ लोगों को प्राइवेट नौकरियां बांटी भी गईं तो अल्प मानदेय पर रखा गया. आज नतीजा है कि हजारों की संख्या में बेरोजगार सड़कों पर घूम रहे हैं. क्षेत्र के लाखों बेरोजगार देश के विभिन्न हिस्सों में पलायन कर गए हैं.

Her Story

श्रृंगार को सुहाग से जोड़ एक शगुन-अपशगुन का बीज मन में अंकुरित कर दिया जाता रहा है. पर आजकल सचमुच कामकाजी महिलाओं या पढ़ी-लिखी महिलाएं लीक से हट कर चलती दिखाई देनी लगी हैं. ये छोटी सी स्वतंत्रता उन्हें जगह और मौके के अनुसार श्रृंगार करने की सहूलियत देती है. कहीं न कहीं ये उस मिथ/अंधविश्वास को भी तोड़ती हैं कि विभिन्न सुहाग चिन्हों की बदौलत ही उसका पति दीर्घायु और स्वस्थ रहेगा.

बंधन तोड़ो न

रीता गुप्ता

सुगंधा को बार बार उस दिन की याद आ रही थी जब वह अपनी दादी के साथ चूड़ी दुकान गई थी. उसकी दादी ने लाल लाल चूड़ियों से अपनी कलाई भरवाई थी. उन्होंने नन्हीं सुगंधा को भी रंगबिरंगी चूड़ियां खरीद दी थी. आज उनकी सूनी कलाई देख कर उसे अजीब लग रहा था.

"दादी आप ने चूड़ियां क्यूं उतार दिया? आपकी कलाई अच्छी नहीं लग रही", सुगंधा ने दादी से पूछा. दादी कुछ कहने की जगह फफक कर रो पड़ीं."दादा जी नहीं रहें इसलिए दादी ने चूड़ियां पहननी छोड़ दी", बुआ ने समझाया."तो मैं भी अपनी चूड़ी खोल देती हूं", कहते हुए नन्ही सुगंधा अपनी चूड़ियाँ भी खोलने लगी. उस दिन पहली बार उसने 'विधवा' का अर्थ समझा था.

हिन्दू धर्म में सुहाग चिन्हों का बहुत महत्व रहा है. ये चिन्ह एक तरह से अविवाहित, विवाहित और विधवा को वर्गीकृत करते हैं. जहां अविवाहिता मंगल सूत्र, सिंदूर, बिछिया छोड़ अन्य सभी श्रृंगार कर सकती है, जो ऐक्षिक है. एक विवाहिता के लिए पूरे सोलह श्रृंगार का वर्णन है वहीं विधवा के लिए श्रृंगार ही गलत है. पुरुषों के लिए ऐसी कोई बाध्यता नहीं है, वे जीवन के हर पड़ाव पर मन वांक्षित रहने के अधिकार से लैस हैं.

सुगंधा के मन में दादी का बदला स्वरूप हमेशा के लिए बस गया था. नन्ही सुगंधा समाज के अनकहे नियमों को समझने लगी थी. जब उसकी बुआ की शादी हुई तो एक छोटी सी बिंदी लगाने वाली बुआ के माथे पर बड़ी सी लाल बिंदी, मांग में लाल सिंदूर और कलाइयों में लकदक करती लाल-पीली चूड़ियां. उसने ध्यान दिया था कि बुआ पैरों में उसकी मां की तरह बिछुआ भी पहनने लगी थी.

"बुआ आप कितना सजने लगी हैं?", सुगंधा अपनी बुआ से पूछती.

"अरे इसकी शादी हो गई है, फूफा जी की लंबी उम्र की खातिर तो इसे पहनना ही पड़ेगा", उसकी मां ने उसे बताया था. थोड़ी देर बाद सुगंधा अपने नए नवेले फूफा का पूरी तरह से अवलोकन कर लौटी,

"पर फूफा जी ने तो सिंदूर नहीं लगाया है और न ही कुछ और नया पहना है जिससे बुआ की उम्र बढ़े?" सुगंधा के शब्द तीर उत्सुकता की कमान से छूट रहें थे. सब उसकी बातों पर हंस पड़े. नन्ही बच्ची समझने लगी थी कि औरतों के लिए उनके पतियों को किसी चिन्ह को धारण करने की कोई आवश्यकता नहीं हैं. "पर दादी जी भी तो पहले सिंदूर, बिंदी, चूड़ी सब पहनती थी, फिर दादा जी क्यूं सिधार गए?" बच्ची ने एक जायज सा प्रश्न किया था पर अनुत्तरित ही रह गई. इन अनुत्तरित सवालों को वह जल्द ही भूलती गई और परिवार/समाज की अन्य औरतों और पुरुषों को ध्यान से परखने लगी. उसे सामाजिक चलन समझ आने लगी, जहां तर्क शक्ति का कोई स्थान नहीं था.

बढ़ती उम्र के साथ उसके मन मे अब सुहाग चिन्हों के प्रति अनुराग बढ़ते गया. जब वह अपनी दादी जी को देखती तो उनका चेहरा, वेशभूषा सब उसे श्रीहीन लगते, उदास लगते. मन द्रवित हो उठता. वहीं अपनी मां, मौसी, बुआ, नानी इत्यादि का व्यक्तित्व खिला-खिला सा लगता.

युवा होती सुगंधा ने अपने पड़ोसी अंकल के गुजरने के बाद आंटी को भी वैसे ही श्रीहीन, श्रृंगार रहित होते देखा जैसी उसकी दादी रहती थी. अब वे पहले की तरह सुहागिनों वाले त्योहार जैसे तीज इत्यादि भी नहीं मनाती थी. उसका मन किया कि एक बिंदी आंटी के माथे पर सजा दे, पर हिम्मत नहीं हुई क्यूंकि ये समाज के स्थापित नियमों के विपरीत होता.

वक्त पर सुगंधा की शादी हुई और वह पायल छनकाती पति के साथ अमेरिका चली गई. प्लेन में ही एक छोटी सी विदेशी बच्ची, उसके पास आ कर उसकी बिंदी को उत्सुकता से छूती हुई पूछी,

"व्हाट इज दिस?"

अमेरिका में उसने देखा भारतीय महिलाओं को जो केवल खास खास मौकों पर ही श्रृंगार करती थी. पर उसका मन नहीं मानता और वो सभी चिन्ह धारण करती कि कहीं कोई अनहोनी न हो जाए उसके पति संग. समय के साथ बिछिया-पायल इत्यादि का वह परित्याग कर चुकी थी जूते पहनने में वे बाधक बनते. यानि बंधन ढीले हो चुके थे. सुगंधा जब दिल्ली जाती तो अपनी उम्र की नौकरीपेशा सुहागिन महिलाओं को भी बिना बिंदी, चूड़ी के देखती तो उसे गलत लगता. कस्बों में रहने वाली उसकी बुआ, मां आज भी उसी तरह श्रृंगार करती कि सामने वाला दूर से ही समझ जाए कि ये विवाहित हैं. सुगंधा को यही अच्छा भी लगता.

इस तरह हम देखते हैं कि दादी से ले कर पोती तक एक सी मानसिकता रखती हैं और पति की सलामती हेतु गुलामी की जंजीरों को गहने और श्रृंगार समझने लगती हैं उन्हें पता भी नहीं चलता है.

1 बिंदी, 2 सिंदूर, 3 झुमका, 4 मांगटीका, 5 चूड़ी, 6 बिछिया, 7 पायल, 8 मंगल सूत्र, 9 काजल, 10 नथ, 11 हार, 12 कमरबंद, 13 मेहंदी, 14 अंगूठी, 15 बाजूबंद, 16 शादी का जोड़ा. ये 16 श्रृंगार की एक लिस्ट है जिनके बारे में कही जाती है कि हर विवाहित स्त्री को धारण करनी ही चाहिए. हालांकि बड़े शहरों, महानगरों और विदेशों में रहने वाली महिलाओं की सोच में काफी उन्नयन हुआ है. विवाह चिन्ह धारण करने की बाध्यता यहां दम तोड़ती नजर आती है.

बदलाव तो आया है मगर...

बदलाव तो प्रकृति का नियम है. समाज भी सतत विकास के क्रम में मान्यताओं को बदलते रहता है. इन सोलह श्रृंगार की ही बात करें तो हम देख रहें हैं कि इसमें भी काफी अंतर आ चुका है. आज कल ज्यादातर कामकाजी लड़कियों ने इन चिन्हों को अपनाया ही नहीं. ये सारी साजसज्जा विशेष अवसरों की पहचान बन चुकी हैं. सच भी है दफ़्तर में फॉर्मल ड्रेस के साथ ये सज्जा सूट भी नहीं करेगा. बड़े बुजुर्ग भले ताना भी देते हैं कि कौन विवाहित है और कौन कुंवारी इसका पता ही नहीं चलता.

वहीं एक वर्ग ऐसा भी है जो कहती है- "मुझे भी हक है." पति का मर जाना किसी स्त्री के लिए यूं भी बेहद दुखद होता है, तिस पर रिवाजों के नाम पर उसको सारे श्रृंगार तजने पड़ते हैं. ये कैसा तरीका है जो एक औरत से उसका व्यक्तित्व ही बदल देने को बाध्य कर देता है? उसके सजने संवरने की चाह पर पति की राख की कालिख पोत दी जाती है और खुशियों की कैनवास पर सफेदी कर दी जाती है. जब श्रृंगार की सभी सोलहवों चीजों के वैज्ञानिक तौर पर स्वास्थ्य की दृष्टि से सकारात्मक प्रभाव है, तो क्यूं एक विधवा को उन सभी से वंचित करने का अलिखित नियम है?

कितने बंधन टूटे हैं और बहुतों के टूटने के आसार हैं, हमारे समाज का ये लचीलापन सदा समयानुकूल बदलाव की ओर अग्रसर रहा है. यही सही भी है. महिलाओं का एक खुद का व्यक्तित्व होनी ही चाहिए. सजना, संवरना, सुन्दर दिखना हर औरत का नैसर्गिक गुण है. साज-सज्जा-श्रृंगार उनकी इच्छा अनुसार होनी चाहिए ना कि उनकी वैवाहिक, कुंवारी, विधवा या सधवा स्टैटस अनुसार. श्रृंगार कतई एक साइनबोर्ड नहीं होनी चाहिए, कि जब चाहा समाज ने अधिकार दे दिया और जब चाहा छीन लिया.

शिखर चंद जैन

दुनिया में हर किसी के समय का एक दौर या टाइम जोन होता है. कोई आपसे आगे दिख सकता है, तो कोई पीछे. लेकिन हर कोई अपनी दौड़ में अपने समय पर है. न किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत है और न नकल करने या दुखी होने की. सही समय का इंतजार करना ही जिंदगी है.

देर कभी नहीं होती

आज अमृता का 45 वां जन्मदिन था. हर कोई उसे बधाई दे रहा था, लेकिन वह उदास थी. उसकी सहेली सुरभि ने अकेले में उदासी की वजह पूछी तो फूट-फूट कर रो पड़ी. बोली, '48 साल की हो गई हूं और अभी तक मेरा निजी फ्लैट या मकान नहीं, न ही किसी बच्चे की शादी हुई अब तक. मेरे सब भाई-बहनों और सहेलियों के अपने मकान या फ्लैट हैं, बच्चे पढ़ लिख गए उनकी शादी भी हो गई. कितनी देर हो गई. जिंदगी बीती जा रही है और अब तक कुछ भी अचीव नहीं कर पाई.

सुरभि ने अमृता को समझते हुए कहा, "सुन अमी! न्यूयॉर्क कैलिफोर्निया से 3 घंटे आगे है, लेकिन इससे कैलिफोर्निया पीछे नहीं रह गया. 50 वर्षीय स्नेहा को आज सब जानते हैं क्योंकि वह एक मल्टीनेशनल कम्पनी में सीईओ है, लेकिन पांच साल पहले तक उसे कोई नहीं जानता था. जबकि सचिन तेंदुलकर को 16 वर्ष की आयु में पूरी दुनिया जानने लग गई थी. कोई 48 साल की उम्र तक कुंवारा रह जाता है, फिर जीवनसाथी ढूंढ़ पाता है जबकि किसी की शादी 28 वर्ष की उम्र में हो जाती है लेकिन तलाक होने की वजह से वह 45 वर्ष की उम्र में फिर से अकेला हो जाता है. ओबामा 55 की उम्र में रिटायर हो गए जबकि ट्रम्प ने शुरूआत ही 70 वर्ष की उम्र में थी.

"दरअसल दुनिया में हर किसी के समय का एक दौर या टाइम जोन होता है. कोई आपसे आगे दिख सकता है, तो कोई पीछे. लेकिन हर कोई अपनी दौड़ में अपने समय पर है. न किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत है और न नकल करने या दुखी होने की. वे अपने टाइम जोन में हैं और हम अपने जोन में. सही समय का इंतजार करना ही जिंदगी है. रिलैक्स करो. तुम एक दम समय पर हो और विधाता ने तुम्हारे लिए जो टाइम जोन सेट किया है उसी के मुताबिक हो."

शिखा ने बिल्कुल सही कहा. हमें बीतती हुई उम्र के लिए चिंतित होने की बजाय इन बातों पर ध्यान देना चाहिए. ये बातें जानना जरूरी – समय सतत चलायमान है. यह किसी के लिए नहीं रूकता है, लेकिन जैसे-जैसे यह बीतता है नयी सीख भी देता जाता है. समय के इस चक्र में हमारी सीख और हमारे अनुभव भी असहाय नजर जाते हैं. कई बार हमें लगता है कि जिनसे हमारा सामना आज हो रहा है उसे हमें बहुत पहले ही जान लेना चाहिए था. ऐसी ही कुछ बातें हैं जिनको सुनने के बात लगता है कि काश ये सीख जवानी में मिली होती तो आज जीवन और भी सुखमय हो सकता था.

अगला पड़ाव होगा सुखद

जिस तरह हर रात की सुबह होती है ठीक उसी तरह हर पहलू का अंत होता है और एक नए पहलू का जन्म होता है. जरूरी नहीं कि जो दर्द, दुख हमने अपने भूतकाल में सहा तो वही कड़वी बातें हमारा साथ भविष्य तक दें. दुख है तो उसका अंत भी होगा और जीवन का अगला पड़ाव खुशियों से भरा होगा. जिंदगी हर कदम पर आपको ईनाम देती है, इसका कोई भी निर्धारित गंतव्य नहीं है. अगर आपने अपना पूरा ध्यान भविष्य की चिंता पर लगा दिया तो इससे मौजूदा पल आपसे बिछड़ सकते हैं. इसलिए हर पल को जिएं और हर पल का लुत्फ उठाएं.

कोई उम्र ज्यादा नहीं

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी उम्र कितनी है. आप आज भी उतनी ही जवां हैं, जितनी 20-22 साल की थीं, तब थीं. किसी भी उम्र को पार कर जाना जीवन का अंत नहीं है. यह आने वाले दिनों की नई शुरूआत है. अपने लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करें. आप नया टैटू बनवाना चाहती हैं? अकेले दुनिया घूमना चाहती हैं? कोई नया और हटकर शौक अपनाना चाहती हैं? बस, आप जो चाहती हैं, कर डालें. याद रखें, आपको एक ही जिंदगी मिली है, इसलिए वो सब करें, जो आपका दिल करना चाहे. लेकिन दुखी न हों.

कुछ तो लोग कहेंगे

आपने कभी न कभी अपने व्हाट्सऐप पर यह मैसेज जरुर पढ़ा होगा – सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग. आपके बारे में लोग क्या कहते हैं या आपस में क्या बातें करते हैं इसकी परवाह मत कीजिये. उनकी जो भी राय हो उसे भूल जाइए. क्योंकि लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना. वे आपके बारे में नहीं, बल्कि अपने बारे में बोलते हैं. ये उनके खुद के विचार हो सकते हैं, आप जो भी है उसे आपसे बेहतर कौन जान सकता है. इसलिए लोगों की अच्छी बातों को स्वीकार कीजिए और गलत बातों को तौबा कीजिए.

सेहत पर पूरा ध्यान दें

अब तक आपने अपने सास-ससुर, पति, बच्चों आदि के लिए ही सब कुछ किया और कभी अपनी सेहत का पहले ध्यान नहीं रखा. सुबह का बचा शाम को और शाम का बचा सुबह खा लिया. खूब काम किया और वो सब कुछ किया, जिससे आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता था. चलिए कोई बात नहीं. जब जागो तभी सवेरा. अब आपकी अपनी देखभाल का उचित समय आ गया है. अच्छा खाएं, व्यायाम करें, प्रकृति के नजदीक रहें, ध्यान लगाएं, अपने पर खूब ध्यान दें. जितनी अच्छी आदतें आप इस समय विकसित करेंगी, उतनी ही स्वस्थ आप 70 के दशक में रहेंगी.

अपने सपनों को पूरा करें

कई बार लोग चालीस पार जाते ही सोचते हैं कि बदलाव के लिए अब बहुत देर हो चुकी है. आप भी ऐसी ही हैं तो अपने को बदलिए. महिलाएं कई बार युवावस्था में जो शौक जिम्मेदारियों के बोझ के कारण पूरे न कर पाईं उनका मौका मिलने और इच्छा होने के बावजूद लोकलाज या लोगों की टिप्पणी से डरकर पूरा नही करतीं. दूसरे क्या कहेंगे, यह सोचना छोड़िए और जीवन में जो भी अवसर मिले, उसे लपक कर पकड़ने की कोशिश करें. केवल यह सोचकर कि अब तो आप 40 साल पार हो चुकी हैं, नया क्या करना, हाथ में आया अवसर गंवाएं नहीं. एक ही बात सोचिये, अभी देर नहीं हुई है.

क्या आपकी त्वचा फास्टिंग पर है?

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

स्किन केयर से जुड़े अलग-अलग ट्रेंड समय-समय पर सामने आते रहते हैं. ऐसा ही एक ट्रेंड है स्किन फास्टिंग जो पिछले कुछ समय से स्किन केयर की शब्दावली में उभर रहा है. इन दिनों जो मौसम है, उसके लिए स्किन फास्टिंग को बेहद मुफीद बताया जाता है.

- **क्या है स्किन फास्टिंग**

स्किन फास्टिंग का अर्थ है अपनी त्वचा को एक नियत अवधि तक स्किन केयर प्रोडक्ट्स व कॉस्मेटिक्स से राहत दिलाना. इन दिनों स्किन केयर के लिए ढेर सारे प्रोडक्ट इस्तेमाल किए जा रहे. स्किन फास्टिंग के दौरान न्यूनतम प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल किया जाता है. इस दौरान क्लेंजर, स्क्रब, सीरम और टोनर वगैरह का इस्तेमाल ना करके सिर्फ फेस वॉश, मॉइश्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जाता है. यानी बेसिक प्रोडक्ट मात्र का इस्तेमाल कर हम अपनी त्वचा को खुल कर सांस लेने का मौका देते हैं.

- **ये हैं फायदे**

अलग-अलग प्रोडक्ट्स के रोज लगाते रहने से हमारी त्वचा के रोम छिद्र बंद हो सकते हैं. स्किन फास्टिंग से इससे बचाव होता है. इससे त्वचा फ्रेश हो जाती है. स्किन फास्टिंग करने पर त्वचा खुद को बैलेंस कर लेती है और रिसेट हो जाती है. स्किन का नेचुरल प्रोटेक्टिव बेरियर मजबूत होता है और उसकी सेंसिटिविटी कम होने लगती है.

- **कितने समय की फास्टिंग**

यह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है कि आप कुछदिनों की फास्टिंग करें या फिर कुछ हफ्तों की.

यह पर सकता प्रभाव

- स्किन केयर रूटीन से सीरम या टोनर जैसे प्रोडक्ट्स हटाने से हो सकता है कि आपकी स्किन ड्राई और डिहाइड्रेटेड महसूस करने लगे.
- एक्ने, पिग्मेंटेशन और झुर्रियों से परेशान हैं तो कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल ना करना काफी परेशानी भरा हो सकता है.
- लेकिन स्किन फास्टिंग से त्वचा मूलभूत पोषक तत्वों से वंचित न हो, इसलिए विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें.
- स्किन फास्टिंग के बावजूद रोज त्वचा की सफाई करें. मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल प्रतिदिन करें. साथ ही घर से बाहर निकलने से पहले सन स्क्रीन लगाना नहीं भूलें.

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

किचन में जाने से पहले उलझन रहती है कि क्या बनाया जाए? गैस चूल्हे के सामने घंटों खड़े होकर खाना बनाना भला किसे अच्छा लगता है. ऐसे में वन मील फूड एक बेहतर विकल्प है. ऐसी ही एक रेसिपी हम आपके लिये लेकर आए हैं.

छेना मालपुआ रेसिपी

ये चाहिए

छेना 250 ग्राम, गेहूं का आटा आधा कप, मैदा एक कप, चीनी डेढ़ कप, इलायची पाउडर वन टीस्पून, केसर के कुछ धागे, दूध जरूरत के अनुसार लगभग एक से डेढ़ कप, रिफाइंड ऑयल मालपुआ तलने के लिए जरूरत के अनुसार.

ऐसे बनाएं : सबसे पहले छेना को मिक्सी के जार में पल्स मोड में चला कर बिल्कुल महीन पीस ले. अब इसमें लगभग आधा कप दूध डालकर पुनः पीसें. जब यह अच्छी तरीके से एक लिक्विड फॉर्म में आ जाए तब इसे मिक्सी से निकलकर बड़े बर्तन में शिफ्ट करें. अब इसमें गेहूं का आटा डालकर इसे मिक्स करें जब तक आटा मिक्स न हो जाए. अब इसमें दो चम्मच कॉर्नफ्लोर डाल दें और उसे भी मिक्स कर दें. तट पश्चात इसमें दूध डालें और मैदा डालकर उसे अच्छी तरीके से मिक्स करें. दूध की जितनी जरूरत हो उतना ही डाला जाए. यह बैटर बहुत ज्यादा गाढ़ा और न बहुत ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए. पुआ के अनुसार ही इस बैटर को तैयार करना है. अब इसके बाद इसे ढक कर 10 मिनट के लिए रेस्ट के लिए छोड़ दें.

दूसरी तरफ एक पैन में एक कप पानी चढ़ाएं. इसमें डेढ़ कप चीनी डालकर उसे घुलने तक पकाएं. इसमें केसर के धागे और इलायची पाउडर भी डाल दें. अगर संभव हो तो उसमें केवड़ा जल भी डाल दें. इसे एक तार की चाशनी नहीं बनानी है सिर्फ चीनी को पका लेना है. उसमें थोड़ी सी चिपचिपाहट आ जानी चाहिए.

अब हमें एक पैन चढ़ाना है. इसमें पुआ डालने के लिए रिफाइंड तेल डालना है. जब रिफाइंड तेल मीडियम गर्म हो जाए तब उसमें एक करछी के माध्यम से घोल को डालकर मीडियम आंच पर पका लेना है. फ्लैट पैन लेना ज्यादा बेटर होता है जिसमें एक साथ तीन-चार पुए छाने जा सके. जब यह पुए क्रिस्प हो जाए तब इसे निकाल कर चीनी की चाशनी में डाल दें. अब नेक्स्ट बैच का पुआ छाने. जब यह पुआ छान जाए, तब इसे चीनी की चाशनी में डाल दें. पुराने वाले पुआ को चाशनी में से निकाल दें. ध्यान रहे पुआ चाशनी में तीन-चार मिनट से ज्यादा नहीं रखना है. जब पूरे पुए निकल जाएं तब उसे पर पिस्ता बादाम से सजावट कर दें. बहुत ही टेस्टी छेने के पुए खाने के लिए तैयार हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दो नोबेल एशिया को

यह पहला ही अवसर है कि इस साल के दो नोबेल पुरस्कार एशिया को मिले हैं. साहत्यि का दक्षिण कोरिया को और शांति का नोबेल पुरस्कार जापान के संगठन नीहो हिंदाक्यो को मिला. साहत्यि के क्षेत्र 2024 के नोबेल पुरस्कार दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को दिया गया. उन्हें उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान से नवाजा गया. यह गद्य ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है. रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार तीन लोगों को दिया गया. इस अवॉर्ड का आधा हिस्सा डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए दिया गया. इसके अलावा इसे संयुक्त रूप से डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को दिया गया. भौतिकी क्षेत्र के लिए अवॉर्ड जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन को दिया गया है. इन्हें कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम करने वाली मूलभूत खोजों और आविष्कारों के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया गया. अमेरिका के विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया. दोनों को माइक्रो आरएनए की खोज के लिए यह सम्मान दिया गया. साल 2024 के लिए जापान के संगठन निहो हिंदाक्यो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया है. निहो हिंदाक्यो को ये नोबेल पुस्कार परमाणु हथियारों के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए दिया गया है. संगठन क मानना है कि दुनिया में परमाणु हथियारों का फिर कभी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए. इस संगठन को वे लोग चलाते हैं हैं जो दूसरे विश्व युद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमले में जीवित बचे थे. इन्हें जपानी भाषा में हिबाकुशा कहा जाता है. हिबाकुशा दुनिया भर में अपनी पीड़ा और भयावह यादों को निहोन हिदांक्यो संगठन के जरिए साझा करते हैं. निहोन हिदांक्यो को इस साल का शांति पुरस्कार देते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने कहा कि एक दिन परमाणु हमले को झेलने वाले ये लोग हमारे पास नहीं रहेंगे, लेकिन जापान की नई पीढ़ी उनकी याद और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करती रहेगी. नई पीढ़ी को ये याद दिलाती रहेगी कि परमाणु हथियार दुनिया के लिए खतरनाक हैं. इनका इस्तेमाल फिर नहीं होना चाहिए चाहिए. इस समय विश्व में युद्ध भयावह रूप धारण कर रहा है. ऐसे में इस पुरस्कार का महत्व बढ जाता है. खास कर ईरा इजराइल टकराव को देखते हुए जिसमें परमाणु बम की चर्चा सरेआम हो रही है. नॉर्वेजियन नोबेल समिति को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कुल 286 उम्मीदवारों के आवेदन मिले थे, जिसमें से 89 संगठन हैं. नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने 2023 में ईरान की महिला पत्रकार और एक्टिविस्ट नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्हें यह पुरस्कार महिलाओं की आजादी और उनके हक के लिए लड़ने पर मिला था. नोबेल कमेटी ने शांति पुरस्कार की घोषणा ईरान की महिलाओं के नारे जन-जिंदगी-आजादी के साथ की थी.

> साल 2024 के लिए जापान के संगठन निहो हिंदाक्यो को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया है. निहो हिंदाक्यो को ये नोबेल पुस्कार परमाणु हथियारों के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए दिया गया है.

सुभाषित

आशा नाम मनुष्याणां काचिदाश्चर्यश्रृंखला।
यया बद्धाः प्राधावन्ति मुक्तास्तिष्ठन्ति पंगुवत्॥

आशा नामक एक विचित्र और आश्चर्यकारक श्रृंखला है. इससे जो बंधे हुए है, वे इधर-उधर भागते रहते हैं तथा इससे जो मुक्त है, वह पंगु की तरह शांत चित्त से एक ही सूक्ति जगह पर खड़े रहते हैं.

कल्पना: भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

कल्पना सोरेन के रूप में परिस्थिति वश झामुमो में एक नए नेता का उदय आनेवाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए बहुत भारी पड़ने जा रहा है. कल्पना ने इंडिया गठबंधन सरकार को बचाने के लिए जो प्रयास शुरू किए हैं, वह अवश्य ही फलदाई साबित होंगे. कल्पना की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा की भारी सफलता ने दिखा दिया है कि झारखंड में आनेवाला विधानसभा चुनाव जीतना बेहद कठिन होने जा रहा है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

हरियाणा में चुनाव नतीजे आ चुके हैं. कांग्रेस हरियाणा में बदलाव की लहर का फायदा उठाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई. भाजपा ने हरियाणा में साम, दाम, दंड भेद के चलते 2019 के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ते हुए भारी सफलता हासिल की है. वहीं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बावजूद सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस ने घाटी में उम्मीद से भी अच्छी सफलता हासिल की है. नेशनल कांफ्रेंस की बदौलत जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी. जम्मू कश्मीर में भाजपा को जम्मू क्षेत्र में अच्छी सफलता मिली है. वहां कांग्रेस ने बेहद खराब प्रदर्शन किया. कांग्रेस की इस हार की एक बड़ी वजह अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी रही है. उसने हरियाणा में कांग्रेस के वोट काट करके भाजपा की राह आसान की, तो जम्मू में भी केजरीवाल की पार्टी ने कांग्रेस की लुटिया डुबो दी. केजरीवाल की पार्टी ने डोडा सीट जीत कर जम्मू कश्मीर में खाता भी खोल लिया है.

भाजपा अब झारखंड में माहौल बनाने में जुट गई है. क्योंकि महाराष्ट्र में भी उसके आसार अच्छे नजर नहीं आ रहे. भाजपा पूरी ताकत लगा कर झारखंड में वापसी को बेताब है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री झारखंड में जगह-जगह दौरे करके भाजपा के लिए माहौल बनाने में जुटे हैं. यही नहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा तो लगातार झारखंड में ही खूंटा गाड़ कर बैठ गए है. लगातार लोक-लुभावन घोषणाएं करके भाजपा झारखंड के लोगों के दिल में उतर जाना चाहते हैं. दिलचस्प बात ये है कि भाजपा जो घोषणाएं झारखंड के लिए कर रही है, वो पहले भी कई राज्यों में करके चुनाव जीत चुकी है, लेकिन जीतने के बाद सारे वादे भूल गई. नाम रखने में तो भाजपा के लोग इतने माहिर हैं कि सूरदास का नाम नयनसुख भी रख सकते हैं. देश में करोड़ों बेरोजगार नौकरी की आस में बूढ़े हो चले हैं. महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह देने का वादा भी हवा-हवाई ही है.

दूसरी तरफ हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड की महागठबंधन सरकार मंईयां योजना के तहत राज्य की 48 लाख महिलाओं को एक-एक हजार रुपए महीने देने लगी है. इसकी तीसरी किश्त भी बहनों के खाते में पहुंच चुकी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं कि अगर केंद्र सरकार झारखंड का बकाया दे दे, तो वो बहनों को तीन-तीन हजार रुपए महीने देने लगेंगे. यही नहीं झारखंड के हर नागरिक के खाते में तीन-तीन लाख रुपए भी डाल देंगे. झारखंड मुक्ति मोर्चा भाजपा के महिला पिच पर आने से बहुत खुश है. क्योंकि उसने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत करके राज्य में अच्छी-खासी बढ़त बना ली है. यही नहीं गांडेय विधायक और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन अकेले दम पर भाजपा के बड़े-बड़े दिग्गजों को जवाब दे रही हैं. जबाव ही नहीं दे रहीं हैं, बल्कि मईंया सम्मान यात्रा निकाल कर पूरे राज्य में भाजपा की पोल खोल रही हैं. उनकी सभाओं में उमड़ रही महिलाओं की भारी भीड़ खुद इस बात की गवाही दे रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक की सरकार ही बनने जा रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना झामुमो और राज्य की सरकार के लिए बड़ा मुश्किल समय था. चंपाई सोरेन पर भरोसा करके हेमंत ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, मगर उन्होंने ऐसा विश्वासघात किया कि झारखंड ही नहीं पूरे देश में लोगों को बहुत अखरा. लेकिन उस मुश्किल समय में ही झामुमो को एक ऐसा सितारा मिल गया, जिसका अंदाजा खुद पार्टी को भी नहीं था. एक सामान्य गृहणी कल्पना सोरेन का कायाकल्प हो गया. हालांकि भारतीय परंपरा में नारियों का यह रूप बहुत बार देखने को मिला है कि पति पर संकट आने पर वे अचानक रणचंडी बन जाती है. सती सावित्री ने तो यमराज से अपने पति सत्यवान का प्राण वापस ले लिया था. कुछ ऐसा ही कल्पना सोरने के साथ हुआ. वे गांडेय से विधानसभा उपचुनाव लड़ीं और विधायक बन गईं. हेमंत सोरेन जब जेल में थे, तो कल्पना सोरेन दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में इंडिया गठबंधन की बैठकों और रैलियों में शामिल हुईं. सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने खुद आगे बढ़ कर कल्पना का हाथ पकड़ कर उन्हें अपने बगल में बिठाया. कल्पना ने अपनी जोरदार तकरीरों से देखते-देखते नेशनल मीडिया में छा गईं. पूरे देश में झारखंड की इस वीरांगना की खूब चर्चा भी हुई.

अब हेमंत सोरेन कल्पना सोरेन का बेहतरीन उपयोग कर रहे हैं. कल्पना मईयां सम्मान यात्रा लेकर राज्य के कोने-कोने में पहुंच रही हैं. महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण पर कल्पना की तकरीरें आम लोगों खासकर महिलाओं-बेटियों को बहुत पसंद आ रही हैं. इसमें झामुमो की दूसरी महिला नेत्रियां भी शामिल हैं, मगर लोगों के बीच क्रेज तो कल्पना का ही है. भाजपा को भी समझ में आने लगा है कि इस बार उसे एक नई ऊर्जावान नेता, जो बहुत तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है, खासतौर से महिलाओं के बीच, उसका भी मुकाबला करना पड़ेगा. यही वजह है कि भाजपा ने झारखंड में पूरी ताकत झोंक दी है. पीएम से लेकर सीएम तक राज्य में दौरे कर रहे हैं.

दूसरी तरफ कल्पना सोरेन की मंईयां सम्मान यात्रा में भारी संख्या में नर-नारी शामिल हो रहे हैं. ग्रामीण इलाकों में तो कल्पना सोरेन को लेकर लोगों में बहुत बड़ा क्रेज है. जिन नक्सल प्रभावित इलाकों में महिलाएं सूरज अस्त होते ही घरों में दुबक जाती थीं, वो भी कल्पना को सुनने और देखने के लिए रात के 10-10 बजे तक इंतजार करती हैं. सड़क के किनारे महिलाएं खड़ी होकर कल्पना से जोहार करती हैं. परिस्थितियों वश कल्पना सोरेन के रूप में एक महिला नेता का उदय झारखंड में झामुमो ही नहीं इंडिया गठबंधन के लिए वरदान साबित हो रहा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

गांव-गांव में देवी स्थान

सात बहनों के रूप में देवी का यह स्वरूप गांव को विघ्न और बाधाओं से बचाने के लिए होता है. आज भी गांवों में ब्रह्मस्थान पर सात पिंडी के रूप में देवी स्थान कायम है. बाहर से आनेवाला हरेक व्यक्ति पहले ब्रह्मस्थान और सात पिंडी के समक्ष नतमस्तक होता है. उसके बाद ही गांव के प्रवेश करता है. माता के इस रूप की आराधना भारतीय जीवन दर्शन में सामाजिक सरोकार के साथ पारिवारिक मूल्यों एवं मानवीयता को उद्भाषित और संवर्द्धित करने का एक विधान रहा है. नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान है. इसके पीछे तथ्य यह है कि ही दो वर्ष से दस वर्ष की आयु वाली नौ कन्याओं को भोजन कराने से व्यक्ति के समस्त दोष खंडित हो जाते हैं. पूजा संस्कार में एक शब्द आता है प्रतिगृह्यताम. इसका तात्पर्य यह होता है कि मनुष्य के रूप में मैं ईश्वर से निवेदन करता हूं कि मैं आपको निश्चित वस्तु को अर्पित कर रह हूं और आप मुझे भी अभीष्टता प्रदान करे. दो वर्ष की कन्या को कौमारी कहा जाता है. इसके पूजन से दुख और दरिद्रता खत्म होती है. तीन वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति कहलाती है जिसके पूजन से धन-धान्य की प्राप्ति होती है और संपूर्ण परिवार में कल्याण आता है. चार वर्ष की कन्या को कल्याणी कहा जाता है जो सुख की प्राप्ति कराती है. पांच साल की कन्या रोहणी होती है, जिसके पूजन से व्यक्ति रोगमुक्त होता है. छह वर्ष की कन्या कालिका होती है जिसके पूजन से विद्या और राजयोग प्राप्त होता है. सात साल की कन्या को चंडिका माना जाता है. वह ऐश्वर्य की दात्री होती है. आठ साल की कन्त्रा शाम्भवी के रूप में व्यक्ति को लोकप्रियता प्रदान करती है. और नौ वर्ष की कन्या दुर्गा के रूप में शत्रु पर विजय प्रदान करती है. और दस वर्ष की कन्या सुभद्रा कहलाती है. वह सभी मनोरथ को पूरा करती है. देवी और देवता के सभी रूपों में उनका अर्द्धनारीश्वर के स्वरूप में प्रकृति प्रकट होती है. परमात्मा पुरुष है. वह नारी भी है. वह दोनों एक साथ है. हमारा जीवन भी दोनों का संतुलन है. वह सृजन और पालन के मध्य है. उससे परे और पूरा भी है. शिव के अनंत स्वरूप है. अर्धनारीश्वर का स्वरूप इसमें सर्वश्रेष्ठ और संपूर्ण है. जब अस्तित्व का दो स्वरूप पुरुष और प्रकृति (स्त्री) अपनी पूर्ण दिव्यता और भव्यता के साथ प्रकट होता है, तो वह अर्धनारीश्वर का रूप होता है. यह ब्रह्म की कल्पना है.

बेरोजगारी पर कब टूटेगी सरकार की चुप्पी!

• विमर्श

सत्यव्रत

इन दिनों भारत में बेरोजगारी की स्थिति को ले कर गंभीर चिंता व्यकत की जा रही है. भारत के युवा बेहतर जिंदगी की तलाश में अवैध तरीके से विदेश भी भाग रहे हैं. डंकी माध्यम से अमेरिका गए युवाओं ओर उनके परिवार के दुख की चर्चा हो चुकी है. बावजूद इसके इन सवालों का हल निकालने की दिशा में सचेत कदम का एलान नहीं हो रहा है. देश के युवाओं का भविष्य अंधकार के बादल से बाहर किस तरह निकलेगा,इसका जबाव तो सरकार को देना ही चाहिए. अब एक नया वीडियो वायरल हो रहा है. कनाडा में एक रेस्तरां के बाहर नौकरी के लिए इंटरव्यू देने के लिए कतार में लगे भारतीय छात्रों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इस वीडियो में कथित रूप से हजारों छात्रों को तंदूरी फ्लेम रेस्तरां के बाहर वेटर और नौकर के पद पर आवेदन करने के लिए कतार में खड़े हुए दिखाया गया है, जिससे कनाडा में आगे की पढ़ाई या नौकरी की योजना बना रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच चिंता पैदा हो गई है.

नौकरी की तलाश में आए अगमवीर सिंह ने कहा, “मैं दोपहर 12 बजे यहां आया था और लाइन वाकई में बहुत लंबी थी. हमने इंटरनेट पर आवेदन दिया और हमें बताया गया था कि इंटरव्यू लिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. लोग बस यहां आ रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि यहां नौकरी के अवसर हैं. यह वाकई में बहुत मुश्किल है.” एक और व्यक्ति ने जोड़ा, “यह स्थिति बहुत खराब है, ऐसा लग रहा है कि हर कोई नौकरी ढूंढ रहा है लेकिन किसी को सही तरीके से नौकरी नहीं मिल रही है. मेरे कई दोस्त अभी भी बेरोजगार हैं, और वे यहां 2-3 साल से हैं.”

वीडियो में दिखाई गई स्थिति को लेकर ऑनलाइन माध्यम पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं. एक यूजर ने टिप्पणी की, “अगर यह सच है, तो यह चिंताजनक है. कनाडा भारी बेरोजगारी का सामना कर रहा है. मैंने भारत में भी नए रेस्तरां में नौकरी के लिए इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को लाइन में खड़े नहीं देखा.” एक अन्य ने कहा, “वे वहां कोई भी नौकरी स्वीकार कर लेंगे, लेकिन भारत में वही काम करने में शर्म महसूस करते हैं. जाहिर है, कनाडा में कार्य स्थितियां और वेतन भारत से कहीं बेहतर हैं.”

एक अन्य यूजर ने लिखा, “यह चौंकाने वाला है कि ब्रैम्पटन में 3,000 छात्र, मुख्यतः भारत से, वेटर और नौकर की नौकरियों के लिए लाइन में खड़े हैं. यह ट्रूडो के कनाडा में बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को दर्शाता है. जो लोग भारत छोड़कर सपनों के पीछे जा रहे हैं, उनके लिए गंभीर सच्चाई का सामना करना बेहद जरूरी है.”

> नौकरी की तलाश में आए अगमवीर सिंह ने कहा, “मैं दोपहर 12 बजे यहां आया था और लाइन वाकई में बहुत लंबी थी. हमने इंटरनेट पर आवेदन दिया और हमें बताया गया था कि इंटरव्यू लिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. लोग बस यहां आ रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि यहां नौकरी के अवसर हैं. यह वाकई में बहुत मुश्किल है.”

कुछ टिप्पणियों में विदेश में पढ़ाई से जुड़े गहरे मुद्दों को उजागर किया गया. एक व्यक्ति ने कहा, “सबसे बुरी बात यह है कि इनमें से अधिकतर लोग इंजीनियर, एमबीए धारक और आईटी इंजीनियर हैं, जो भारत में नौकरी कर रहे थे और 100,000 रुपये महीना कमा रहे थे, लेकिन कनाडा के सपने के लिए यहां आ गए! ये छात्र उदास हैं और संघर्ष कर रहे हैं! हर चमकने वाली चीज़ सोना नहीं होती! दूर रहिए.” एक और व्यक्ति ने लिखा, “समस्या यह है कि वे वहां कोई भी नौकरी स्वीकार कर लेंगे, लेकिन भारत में वही काम करने में शर्म महसूस करते हैं. जाहिर है, कनाडा में काम करने की स्थिति और वेतन भारत से कहीं बेहतर हैं.”

घटना को दिल दहला देने वाला बताते हुए एक अन्य यूजर ने लिखा, “ब्रैम्पटन से दिल तोड़ने वाले दृश्यः एक रेस्तरां के खुलने के बाद 3,000 छात्र, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं, वेटर की नौकरियों के लिए लाइन में खड़े हैं. क्या ट्रूडो का कनाडा अवसरों की भूमि है या टूटे हुए सपनों की?”

इस महीने की शुरुआत में, कनाडा ने घोषणा की है कि वह विदेशी छात्रों को दिए जाने वाले स्टडी परमिट की संख्या कम करेगा और साथ ही उसने विदेशी श्रमिकों के नियमों को भी सख्त कर दिया है. यह कदम कई भारतीयों को प्रभावित करेगा. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर पोस्ट किया, “इस साल हम अंतर्राष्ट्रीय छात्र परमिट की संख्या 35% कम कर रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चीन से भारत को लेनी चाहिए सबक

• आर्थिकी

अजय शाह

कई लोगों को अचल संपत्ति या रियल एस्टेट में निवेश आकर्षक लगता है. आम मध्यमवर्गीय परिवार तीन मकान खरीदने का ख्वाब देखता हैः एक रहने के लिए, दूसरा बच्चों के लिए और तीसरा निवेश के लिए. जमीन में निवेश करने वाले कहते हैं, ‘जमीन में निवेश इसलिए अच्छा है क्योंकि नई जमीन तो बनने से रही.’ लेकिन जमीन में निवेश का यह कारण कुछ सही नहीं है. देश में जमीन का इस्तेमाल करने वाले अधिक लोग नहीं हैं. अगर हम बहुत उदारता बरतते हुए मान लें कि हर व्यक्ति मकान और दुकान या दफ्तर के लिए करीब 100 वर्ग मीटर जमीन इस्तेमाल करता है तो इस देश की 1.4 अरब की आबादी को भारत की कुल जमीन का 4.2 फीसदी हिस्सा ही चाहिए. अगर हम मान लें कि चार सदस्यों वाले हर परिवार को करीब 4,600 वर्ग फुट जमीन चाहिए और फ्लोर स्पेस इंडेक्स केवल 1 है तब भी देश में मौजूद समूची जमीन का इस्तेमाल नहीं हो पाएगा.

देश में अधिकतर वयस्कों को बचपन में ही पढ़ाया गया कि आबादी कितनी तेजी से बढ़ रही है. मगर भारत की प्रजनन दर में बहुत अंदर आ गया है. देश की कुल प्रजनन दर 1964 में छह थी जो 2022 में घटकर दो रह गई है. हमें इस गिरावट की वजह के बारे में ठीक से नहीं पता लेकिन कुछ तो हो रहा है. भारत के इतिहास के हरेक चरण में आबादी का बदलाव अनुमान से तेज गति से हुआ है. दक्षिण के राज्यों की कुल प्रजनन दर जर्मनी की दर से कम है. हमें कहना चाहिए, ‘जमीन में निवेश इसलिए कीजिए क्योंकि आबादी ज्यादा नहीं बढ़ रही है.’ अपना पैसा निवेश करते समय याद रखना चाहिए कि पिछले 20 वर्षों में निफ्टी 26 गुना चढ़ चुका है. इसमें विविधता है, पारदर्शिता है और तरलता यानी शेयर बेचकर फौरन नकद हासिल करने की संभावना है, लेकिन रियल एस्टेट में ऐसा नहीं है. रियल एस्टेट में निवेश पर जरूरत से ज्यादा जोर उन परिवारों के कारण भी होता है, जिन्हें सूचीबद्ध कंपनियां, अकाउंटिंग के आंकड़े, एक्सचेंज और डिपॉजिटरी ठीक नहीं लगतीं. जब भी कोई परिवार शेयरों में निवेश करने चलता है तो वह रियल एस्टेट की कीमतें नीचे आने की वजह बनता है.

गहराई से सोचिए कि क्या किसी कार की कीमत बढ़ सकती है? यह बेवकूफाना बात है क्योंकि कार की कीमत बढ़ेगी तो उसकी आपूर्ति बहुत बढ़ जाएगी. अगर हम यह मानना बंद कर दें कि जमीन दुर्लभ है तो रियल एस्टेट ईंट, इस्पात और कांच के ढेर के अलावा क्या है. उसकी कीमत चढ़ेगी तो आपूर्ति बढ़ जाएगी, जिसके बाद कीमत में लगातार इजाफा हो ही नहीं पाएगा. सच कहें तो रियल एस्टेट की यह दीवानगी तमाम अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचा सकती है. रियल एस्टेट पर जोर चीन के आर्थिक मॉडल की नाकामी का भी बड़ा कारण रहा.

1980 के दशक के आरंभ से ही चीनी परिवार रियल एस्टेट पर बहुत जोर देने लगे. भारत ने 1992 से 2017 के बीच मजबूत वित्तीय बाजार तैयार किए, जो चीन में कभी नहीं हो सका. चीन के परिवारों ने जब-जब वित्तीय संपत्तियों में निवेश की कोशिश की, उन्हें घाटा हुआ और वे रियल एस्टेट की ओर लौट गए. वहां की सरकार ने लोगों को विदेश में निवेश नहीं करने दिया, जिससे रियल एस्टेट में ही निवेश बढ़ता गया. नीति निर्माताओं ने भी शहरी विकास के लिए रकम के इंतजाम को रियल एस्टेट के साथ जोड़कर उसे हवा दी. चीन में नीतियों की बुनियाद नियंत्रण ही है और नीति निर्माताओं की इस मंशा के कारण रियल एस्टेट को रकम की शक्ल में अर्थव्यवस्था को बार-बार प्रोत्साहन मिले.

विचारक दशकों से रियल एस्टेट की समस्या के प्रति आगाह करते रहे मगर अधिकतर लोगों को फौरी मुनाफे से ही मतलब रहा. समय के साथ हालात बिगड़ने लगे. वहां हर परिवार के पास औसतन 1.5 घर हैं और आबादी के बारे में अनुमान भारत के मुकाबले बहुत खराब हैं. चीन में इतने मकान खाली पड़े हैं, जितने बंबई में भी नहीं हैं. वहां पूरे के पूरे शहर निर्जन हो गए हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> देश की कुल प्रजनन दर 1964 में छह थी जो 2022 में घटकर दो रह गई है. हमें इस गिरावट की वजह के बारे में ठीक से नहीं पता लेकिन कुछ तो हो रहा है. भारत के इतिहास के हरेक चरण में आबादी का बदलाव अनुमान से तेज गति से हुआ है. दक्षिण के राज्यों की कुल प्रजनन दर जर्मनी की दर से कम है.

मीडिया में अन्यत्र

भारत और मालदीव : बारीक कूटनीति पहल की जरूरत

अपने निर्वाचन के लगभग एक साल बाद, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दिल्ली की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा की. उनकी इस यात्रा को दिल्ली के साथ मतभेद सुलझाने की एक कोशिश के रूप में देखा गया. भारत उनका पहला द्विपक्षीय मुकाम नहीं था. यह मित्रवत पड़ोसी देशों के नेताओं द्वारा आमतौर पर पालन की जानेवाली परंपरा से हटकर था. हालांकि दिसंबर 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एक शिखर सम्मेलन के दौरान मुइज्जू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक संक्षिप्त मुलाकात हुई थी और मुइज्जू ने जून में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की थी. भारत और मालदीव के बीच तनाव मूल रूप से राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मुइज्जू के प्रचार अभियान का नतीजा था. वह प्रचार अभियान विपक्ष के “इंडिया आउट” के नारे पर आधारित था. इसके बाद एक विवाद सामने आया जिसमें मालदीव के मंत्रियों द्वारा मोदी की आलोचना किए जाने के बाद लक्षद्वीप में पर्यटन को मालदीव के विकल्प के रूप में पेश किया गया और इसके चलते भारत में “मालदीव के बहिष्कार” का अभियान शुरू हुआ. भारत आने से पहले मुइज्जू के तुर्की, चीन और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने के फैसले ने भी आग में घी का काम किया. भले ही मुइज्जू ने यह कहा कि वह “सबसे पहले मालदीव” की नीति अपनायेंगे, लेकिन नई दिल्ली में बैठे आलोचक चीन के साथ माले की आर्थिक पहल एवं रक्षा समझौते को लेकर चिंतित हो गए. बांग्लादेश और श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बीच, भारत को ‘पड़ोसी प्रथम’ की अपनी नीति को लेकर कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसे मालदीव से इस कथित दूरी ने और हवा दे दी. अब जबकि मोदी और मुइज्जू ने अपनी पहली औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता कर ली है, उनके रास्ते को सुगम बनाने का कुछ काम पूरा किया चुका था.

भारत द्वारा विमान के रखरखाव के लिए 2012 से मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की जगह तकनीकी कर्मियों को भेजने की मुइज्जू की मांग को मान लेने के बाद, दोनों पक्षों ने अपना रास्ता बदल लिया. दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के दौरों का आदान-प्रदान हुआ और नई संयुक्त परियोजनाओं का एलान किया गया. मालदीव के टी-बिल की एसबीआई सब्सक्रिप्शन में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने के भारत के फैसले ने माले को ऐसे समय में अपना ऋण भुगतान करने में सक्षम बनाया जब उस पर ऋण की किस्त अदा करने से चूकने (डिफॉल्ट) का खतरा मडरा रहा था. मुइज्जू ने भी अपनी बयानबाजी में नरमी ला दी है और उन मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया है जो मोदी के आलोचक थे.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अजीज/आजिज

लगभग पचास वर्ष पूर्व रेडियो सिलॉन से बहुत ही लोकप्रिय साप्ताहिक कार्यक्रम प्रसारित होता था-बिनाका गीतमाला. उस समय का युवा वर्ग तो उस कार्यक्रम का दीवाना बन चुका था. एक सप्ताह के इंतजार के बाद बुधवार को रात के आठ बजे रेडियो सिलोन से अमीन सयानी की दिलकश आवाज उछलती-मचलती फिजां में गूंज उठती थी-भाइयो, बहनो, आ गया आपका अजीज दोस्त अमीन सयानी दिलकश प्रोग्राम बिनाका गीतमाला के साथ.मैं भी उस कार्यक्रम का दीवाना था, लेकिन बचपन के कारण समझ में नहीं आता था कि अमीन साहब खुद को अजीज दोस्त क्यों बताते हैं. कई वर्षों के बाद अजीज का मतलब समझ में आ गया, लेकिन उसी समय एक सज्जन को कहते हुए सुना-मैं तो उसकी आदतों से आजिज हो चुका हूं. तब मैं आजिज को अजीज ही समझ रहा था और परेशान हो रहा था. मुझे लगता है कि अभी बहुत सारे लोगों के मन में अजीज और आजिज शब्द को लेकर असमंजस हो. तो मैंने इन दोनों शब्दों पर विचार विमर्श और खोज शुरू कर दी. अजीज अरबी मूल का संज्ञा, पुल्लिंग शब्द है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका मतलब है जिससे प्रेम या स्नेह हो, प्रिय दोस्त, प्रिय, प्यारा, रिश्तेदार, पसंद, मिस्र का राजा जो ज़ुलेख़ा का पति था, आश्ना (प्रायः अपने से उम्र में छोटे के लिए प्रचलित), यार, साथी, ख़ुदा का एक नाम, एक प्रकार की कड़वी बूटी, महबूब, स्वजन, रिश्तेदार, संबंधी, रुचिकर, कामयाब. बात अजीज की निकली है तो आद आता है प्रसिद्ध शायर उबैदुल्लाह अलीम का यह शेर-‘अज़ीज़ इतना ही रक्खो कि जी संभल जाए. अब इस क़दर भी न चाहो कि दम निकल जाए’. अब जरा महसूस करते हैं कि कोई कैसे किसी का अजीज हो जाता है और कोई कैसे किसी से आजिज हो जाता है. आजिज शब्द का मतलब केवल परेशान या तंग होना ही नहीं होता, बल्कि उसके और भी कई अर्थ होते हैं, जो वाक्यों में प्रयोग होने के बाद स्पष्ट होते हैं.

जाने क्यों लोग पिया करते हैं!

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

मैं आज तलक समझ नहीं पाया कि लोग ‘ पीते ‘ क्यूं हैं...देश में खाने का अकूत भंडार है, पर लोग हैं कि केवल पीने पर आमादा... अरे पीना ही है तो चाय पियो, छाछ पियो, पानी पियो, गंगाजल पियो, शरबत पियो...इन पर भला क्या पैसा लगता है ? पर दारु पीकर पैसा (और परिवार) बर्बाद करना कहां की बुद्धिमानी है ?...कभी-कभी तो इतिहास खंगालने का मन करता है कि सबसे पहले किस शख्स ने इसका ईजाद किया..और किसने इसे पहली बार पिया.. दोनों के दर्शन करने का मन करता है...पर ‘ गूगल ‘सर्च भी यहां फेल है..वैसे सुना है कि स्वर्गलोक में देवतागण सोमरस का पान करते थे..लोग सोमरस को ही शराब मानते हैं..मतलब कि दारू “ऊपर” से ही “नीचे” आया...पर यह कभी नहीं सुना कि वे पीकर गिरते-पड़ते या हुल्लड़ करते थे..अलबत्ता बड़े ही शांति के साथ अप्सराओं का नृत्य देखा करते.. सोमरस का पान करके भी कोई नशे में झूमता नहीं था. गांजा- भांग पीने वालों को कोई तवज्जो नहीं देता..इस नशे को नशा नहीं, प्रसाद माना जाता है..इसे समाज ने ‘वैध’ - सा करार दिया है..नशे की दुनिया का यह सबसे प्राचीन और कमसिन नशा है..इससे समाज का कोई बड़ा नुकसान नहीं होता..पर दारू तो आदमी के साथ-साथ समाज को भी लील लेता है..इसकी खपत दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रही है और बढ़ी जा रही है दिन-ब-दिन पियक्कड़ों की संख्या.. और सरकार है कि इसकी पाबन्दी पर कभी मूड ही नहीं बनाती, राजस्व की भारी हानि जो है...बस, एक पुलिसिया कानून भर बना दिया - पीकर जो हुल्लड करे , उसे घंटे दो घंटे के लिए (नशा उतरते तक) अंदर कर दो और फिर बिना किसी जमानत या जद्दो-जहद के बेइज्जत कर हकाल दो...बचपन में जिस मुहल्ले में रहता था, पियक्कड़ों की भरमार थी वहां...रोज शाम को सात बजे नहीं कि शो शुरू हो जाता...काफी गाली-गलौज करते, शोर मचाते, हुडदंग करते..कभी-कभार किसी के कम्प्लेंट पर पुलिस आती तो धरकर ले जाती..लेकिन घंटे दो घंटे बाद ये फिर बजबजाते नाली के मुहाने में लेटे..बडबडाते दिख जाते. तभी से मैं समझ गया था कि दारू पीना कोई संगीन अपराध नहीं...तब दारू बहुत सस्ती भी हुआ करती थी. इसलिए लोग बारबार ये अपराध करते. उन्हीं दिनों मैं यह भी जान गया कि दारू कड़वी चीज है, क्योंकि मुहल्ले में जब कभी भी नाच या जलसा होता ये रंगदार लोग (पियक्कड लोग) ही हीरो होते..बाटली खोल सामने बैठ जाते और अजीब-अजीब सा मुंह बनाते, आंखें भींचते, हलक में उतारते जैसे कोई कड़वी दवा पी रहे हों...मुझे नाच देखने में उतना मजा नहीं आता, जितना कि उनके चेहरों पर उभरते अजीबो गरीब भावों को देखने में आता. जमाना कहां से कहां पहुंच गया, पर दारू वहीकी वहीँ... कड़वी की कड़वी . कड़वी है तो करोड़ों दीवाने, मीठी होती तो ना जाने क्या होता? कहते हैं- दारू दो तरह के लोग पीते हैं, एक- बड़े लोग..दूसरा-छोटे लोग... दारू दो स्थितियों में पी जाती है- एक- गम में, दूसरा-खुशी में... दारू दो तरह से पी जाती है- एक- नीट, दूसरा -सोडा-पानी के साथ.... दारू पीने का वक्त भी दो तरह का है- एक- वक्त से, दूसरा- बेवक्त. दारू पीने के कितने बहाने होते हैं.

सुकून

इन दिनों जिस ठिकाने पर हम खुशियां ढूंढ रहे हैं, वहां वे चमकीली तो जरूर नजर आती हैं, लेकिन वास्तविक नहीं होती हैं. हमारी सुबह मोबाइल स्क्रीन के स्क्रॉलिंग से शुरू होती है और स्क्रॉलिंग करते-करते हम नींद के आगोश में चले जाते हैं. इस दौरान जिंदगी से रेत की तरह कितना कुछ फिसलता चला जाता है, हमें अहसास तक नहीं होता.

मोटिवेशन

फिल्टर्ड लाइफ में कैसी खुशियां!

सुबह होती है, शाम होती है,
जिंदगी यूं ही तमाम होती है.

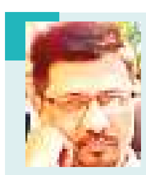

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ऐसा लगता है कि यह शेर किसी ने हमारे आजकल की रोजमर्रा की जिंदगी देखकर लिखा है. सुबह उठते ही मोबाइल हाथ में, और फिर इंस्टाग्राम की 'रील' पर जिंदगी की 'रियल' खुशी घिसटने लगती है. फेसबुक पर दोस्त की फैंसी छुट्टियों की तस्वीरें देखकर अपना सुबह का पराठा भी बेस्वाद लगने लगता है! फिर भी स्क्रॉलिंग चलती रहती है. हर दस मिनट में उंगलियां मचल उठती हैं, और एक मिनट- बस एक पोस्ट का सफर कब घंटों में तब्दील हो जाता है, पता ही नहीं चलता.
काम करने का मन तो क्या, बात करने का भी मन नहीं करता. हर काम ऐसे करते हैं जैसे कोई सजा काट रहे हों. दफ्तर में हों या घर पर, सब कुछ बस एक मजबूरी की तरह हो रहा है. कोई उमंग, कोई जोश नहीं. सब कुछ रेंग-रेंग कर चल रहा है. जब दिन ख़त्म होता है, तब भी वही एक्शन रिपीट – ओटीटी पर कोई सीरीज़ देख लो, या सोशल मीडिया पर किसी बेकार सी बहस में कूद पड़ो. अब सवाल यह है कि हम सबकी जिंदगी अचानक इतनी सुस्त और बेजान क्यों हो गई है? आइए, इसकी जड़ तक चलते हैं :

झूठी है ये दुनिया

स्क्रीन पर जो लुभावनी दुनिया हमें दिखती है, उनमें से ज्यादातर झूठी होती है, फिल्टर के उपयोग से परोसी हुई.

1. **मोबाइल अर्थात आलस का पिटारा :** मोबाइल की स्क्रीन ने हमें आलसी आलू बना दिया है. उठते ही फेसबुक-इंस्टाग्राम के फंदे में फंस जाते हैं और बाकी दिन आलस में घिसट जाता है.

2. **राजा बेटा :** बच्चों की हर ख्वाहिश पूरी हो रही है, तो वे मेहनत का मतलब ही नहीं समझते. आराम के आदी हो गए हैं, और अब किताबों से ज्यादा मोबाइल पर गेम्स खेलने में दिल लगता है. दिनभर सोना या मोबाइल में घुसे रहना.

3. **दूसरों की 'फिल्टर्ड' लाइफ :** हम अपनी जिंदगी को दूसरों की 'फिल्टर्ड' तस्वीरों से तौलते रहते हैं. दोस्त की हॉलिडे फोटो देख खुद का घर किसी जेल से कम नहीं लगता. उनके हंसते-खिलखिलाते फोटो खुद को बेचारगी की गर्त में ढकेल देते हैं. मजेदार बात यह कि उससे बाहर निकलने की जगह एक और स्क्रॉलिंग सेशन शुरू कर देते हैं.

4. **सोशल मीडिया का 'हैप्पीनेस हंट':** असली खुशी कहीं खो गई है. अब तो लाइक और कमेंट्स की गिनती ही खुश होने का पैमाना बन गई है. और जैसे ही फोन की बैटरी खत्म होती है, खुशियां भी खत्म.

5. **झूठे सपने :** लोगों को झूठे सपने देखने की आदत हो गई है. जो जहां है, अपने से चार गुना ऊपर के सपने देख रहा है. सिर्फ सपने देखने से सपने हासिल हो जाते तो क्या बात थी! जब सपने पूरे नहीं होते, तो जोश भी कम होने लगता है और सुस्ती का आलम छा जाता है.

अब क्या करें?

सवाल यह है कि इस 'स्क्रॉलिंग' जिंदगी से कैसे निकलें? हल आसान है, बस थोड़ी सी मेहनत और थोड़ी दृढ़ता चाहिए:

1. **सोशल मीडिया को ब्रेक पर भेजें :** फेसबुक, इंस्टाग्राम, रील्स – सबको थोड़ी छुट्टी पर भेजें. असली दुनिया में लौटें, जहां हंसी बिना फिल्टर के आती है और रिश्ते बिना लाइक्स के होते हैं.

मूल मंत्र

मोबाइल या सोशल मीडिया हमारे लिए जिंदगी नहीं चला सकते. हमें खुद को रियल लाइफ में एक्टिव करना होगा. जिंदगी में खुशी स्क्रॉलिंग से नहीं, असली दुनिया में जीने से मिलती है, नए अनुभवों से होकर गुजरने से मिलती है, रिश्तों में प्यार और हंसी से मिलती है.

2. **रियल लाइफ में दोस्तों से मिलें :** पुराने दोस्तों से मिलें, उन्हें अपने घर बुलाएं, कभी उनके घर जाएं. किसी कैफे में बैठकर असली बातचीत करें. कोई वर्चुअल चैट नहीं, असली हंसी-मज़ाक.

3. **नई हॉबी अपनाएं :** कुछ नया करें – गार्डनिंग, म्यूजिक, कुकिंग, कुछ भी जो दिल को सुकून दे. इससे न सिर्फ जिंदगी में नई ऊर्जा आएगी, बल्कि कुछ नया सीखने का मजा भी मिलेगा.

4. **बच्चों को 'मूल्य' का पाठ पढ़ाएं :** बच्चों को अनुशासन का मतलब सिखाएं. थोड़ा सख्त हों, थोड़ी सीमाएं तय करें. 'नहीं' कहना भी सीखें – उनके भले के लिए.

5. **फैमिली टाइम बढ़ाएं :** घर पर साथ खाना खाएं, साथ फिल्म देखें, एक-दूसरे से बात करें. असली बातचीत, जिसमें मोबाइल बीच में न आए!

सैंडविच स्टाइलिंग हैक

कूल लुक, कंफर्टेबल अंदाज

पिछले कुछ समय से सैंडविच स्टाइलिंग हैक ट्रेंड कर रहा है. इसे फैशन क्रिएटर लिडिया लैंगफ़ोर्ड ने लोकप्रिय बनाया है. आज आलम यह है कि कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स हों या ऑफिस गोइंग यूथ या फिर सेलेब्स ही क्यों नहीं, सैंडविच स्टाइलिंग में नजर आते हैं. यह बेहद कूल लुक देता है और इसे फॉलो करना भी कंफर्टेबल है. आइए जानें कि क्या है ये ट्रेंड और कहां-कैसे पहनें-

क्या है यह ट्रेंड

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो स्टाइलिश और केजुअल कपड़े बनाने की कला को सरल बनाती है. 'सैंडविच' स्टाइलिंग हैक' के पीछे का कंसेप्ट सरल लेकिन प्रभावी है. यह ऊपर और नीचे के कपड़ों के रंग या बनावट का समन्वय है. इस तकनीक में एक ही रंग या बनावट वाली दो ड्रेसेज का समन्वय करके और बीच में एक विपरीत तत्व जोड़कर एक संतुलित पहनावा बनाना शामिल है. नीचे की तरफ वही रंग चुनें जो आप ऊपर की तरफ पहनेंगे. जैसे ब्लैक टी शर्ट के लुक को पूरा करने के लिए काले पंप पहनने के बजाय, अपने सफेद सैंडल पहन सकती हैं. इस स्टाइलिंग हैक की हालिया लोकप्रियता का कारण इसकी सादगी और मनभावन ब्यूटी है.

कैसे करें स्टाइल

वेस्टर्न कपड़ों के साथ आप इस तकनीक का उपयोग कर सकते हैं. जैसे फिटेड टॉप के साथ फ्लोई स्कर्ट का कॉम्बीनेशन एक कंट्रास्ट लुक देता है. उसी तरह काफ्तान के साथ स्किनी जींस पहनें और बैल्ट का उपयोग करें. मेंस ब्लैक जैकेट/ब्लेजर के साथ ब्लैक फुटवियर कैरी करें और बीच के हिस्से के लिए कंट्रास्ट शर्ट सेलेक्ट करें.

कहां पहनें आप चाहें तो इस स्टाइलिंग का उपयोग दोस्तों के साथ आउटिंग के दौरान कर सकते हैं. उसके अलावा कॉर्पोरेट कार्यक्रम या डिनर में सैंडविच स्टाइलिंग कर जा सकते हैं.

इन दिनों मेरी किताब

जिंदगी के सौ रंग दिखाते हैं ये सौ शे'र

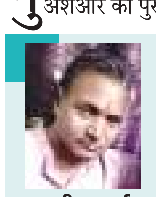

अजीत शर्मा 'आकाश'

गुफ़्तगू पब्लिकेशन की सौ अशआर की पुस्तक-श्रृंखला के अन्तर्गत मासूम रज़ा राशदी के सौ शेर की पुस्तक का प्रकाशन किया गया है. वस्तुत, किसी भी ग़ज़लकार की ग़ज़लों में कुछ शे'र सामान्य, कुछ अच्छे और कुछ उत्कृष्ट कोटि के होते हैं. सभी ग़ज़लों में से उत्कृष्ट कोटि के चयनित शे'र उस शायर विशेष की अलग पहचान निर्मित करते हैं. मासूम रज़ा राशदी दूसरे ग़ज़लकारों के मध्य अपनी अलग पहचान रखते हैं. इनके शे'र कहने का अन्दाज़ अनूठा है. संग्रहीत शे'रों के कथ्य एवं उनमें निहित भावपक्ष में सामाजिक विसंगतियों पर शायर की सूक्ष्म दृष्टि जाहिर होती है.

पुस्तक के अन्तर्गत संग्रहीत हर एक शे'र का अपने आप में एक अलग स्थान है, जिनकी एक झलक देखने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ अंशः-

'ख़ार हैं फूलों में अब इस ख़ौफ़ से/ कैसे कोई बाग़बानी छोड़ दे.

पहले रोटी का इंतज़ाम करूं/ बाद में शाइरी भी कर लूंगा.

अगर सवाल तिरी प्यास का है ऐ साक़ी/ मैं ख़ुद को आख़िरी हद तक निचोड़ सकता हूं.

तैरना सीख ही लेगा वो यक़ीनन इक दिन/ हो के बेख़ौफ़ जो पानी में उतर जाएगा.

वो इक पत्थर जो मेरे हाथ में है/ उसी से है मिरे सर का तहफ़्फ़ुज़

ये तो बस हौसला करेगा तय/ है रूकावट या रास्ता दरिया

एक पल बैठ के हम ख़ुद से ज़रा बातें करें/ ज़िंदगी देती नहीं इतनी भी मोहलत हमको...

पुस्तक का नाम : मासूम रज़ा राशदी के सौ शेर,
मूल्य : 20 रुपये,
प्रकाशक : गुफ़्तगू पब्लिकेशन, प्रयागराज

संग्रहीत शे'रों में कुछ हल्के-फुल्के दोष भी हैं, यथा- 'न' के स्थान पर 'ना' का प्रयोग किया जाना वर्जित है. "हर मुसाफ़िर के नसीबों" जैसे अंश भाषा-व्याकरण की दृष्टि से वचन सम्बन्धी त्रुटि को इंगित करते हैं. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पुस्तक के सौ शेर हमारी ज़िन्दगी एवं समाज के सौ रंग लिए हुए हैं.

रमता जोगी :

टे और डंडी लॉ के ये नजारे

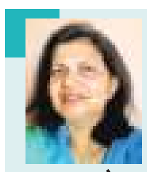

नूपुर अशोक

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें आप एक अरसे से जान रहे होते हैं और एक दिन उनसे मिलने की अभिलाषा लिए जी रहे होते हैं, जैसे कोई सुपर स्टार हो, या कोई अन्य नायक. साथ ही कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अचानक जीवन के किसी मोड़ पर आप के सामने आते हैं और जीवन भर के लिए एक मधुर याद छोड़ जाते हैं. लंदन मेरे लिए एक सुपर स्टार था और उसे देखने की एक उत्कंठा मेरे मन में हमेशा से थी. लेकिन यूके की इस ट्रिप के दौरान कुछ ऐसी जगहों को भी देखने का मौका मिला जिनके बारे में पहले से ऐसी कोई जानकारी नहीं थी फिर भी उन्हें देखकर दिल एक खुशनुमा एहसास से भर गया. ऐसी ही एक जगह थी - डंडी. नहीं नहीं, पेड़ की टहनी वाली डंडी नहीं, स्कॉटलैंड का एक शहर डंडी.

डंडी लॉ के नजारे

सुना था कि इस शहर का नज़ारा देखना हो तो डंडी लॉ जा सकते हैं. हमने सोचा कोई ऊंची इमारत होगी, शायद कानूनी इमारत, क्योंकि नाम ही लॉ है. लेकिन पता चला यह दरअसल एक सुप्त ज्वालामुखी है. हम वहां जाकर एक नज़र में पूरे शहर को देख सकते थे पर हमने सोचा कि इसे पास से देखने का मज़ा ही कुछ और है. लिहाजा उसकी सड़कों पर टहलते हुए हमने उसे नजदीक से देखा.

'वी एंड ए' म्यूजियम

टे नदी के किनारे बसा यह शहर कभी एक औद्योगिक शहर हुआ करता था लेकिन अब इसकी पहचान एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में है. नदी के किनारे को इतने खूबसूरत ढंग से सजाया गया है कि आप घंटों वहां टहल सकते हैं या फिर किसी एक जगह बैठकर आनंद ले सकते हैं. नदी के किनारे पर ही मशहूर 'वी एंड ए' म्यूजियम स्थित है. इसके अंदर संग्रहित कलाकृतियां तो दर्शनीय हैं ही, लेकिन सबसे आकर्षक है - इस पूरी इमारत की वास्तुकला या स्थापत्य. समुद्री जहाज के पालों का आभास देती इस इमारत के सामने हमने ढेरों फोटो खींचे. और उस पुराने युद्धपोत के सामने भी जिसे अभी तक संरक्षित रखा गया है.

टहलता तोंद वाला आदमी

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दोनों ही देशों में एक से एक संग्रहालय हैं. इस शहर में 'वी एंड ए' म्यूजियम के अलावा मैकमैनस आर्ट गैलरी व म्यूजियम देखने का मौका मिला. इसके अंदर प्रदर्शित कलाकृतियां तो शानदार हैं ही, लेकिन मुझे इन सबसे अधिक आकर्षित किया बाहर सड़कों के किनारे बनीं मूर्तियों ने. ये किसी व्यक्ति विशेष की मूर्तियां नहीं होकर आम जीवन से जुड़ी हुई थीं, जैसे बेंच पर बैठा कोई व्यक्ति, रेलिंग पर चलते कुछ पेंग्विन, खेलता हुआ कोई बच्चा, कुत्ते के साथ टहलता तोंद वाला आदमी – मानो यह शहर एक खुली हुई मैगजीन हो जिसमें अलग-अलग विषयों पर आलेख भी हों और बीच-बीच में कुछ चित्रों से पृष्ठ सज्जा भी की गई हो. यह अनुभव तो सड़कों पर टहलने से ही संभव था. पहाड़ी की चोटी से शहर का ओर-छोर तो दिख जाता लेकिन कोना-कोना नहीं दिख पाता. शहरों के ये कोने ही तो होते हैं तो आपके मन के कोनों में अटक कर रह जाते हैं.

दर्शाएंगे आपका प्यार ये उपहार

करवाचौथ में अब महज हफ्ते भर का समय है. पति-पत्नी के प्रेम का यह पर्व अब अपने झारखंड में भी बेहद लोकप्रिय हो रहा है. जिन परिवारों में यह पर्व नहीं मनाया जाता है, वहां भी करवा चौथ का पर्व कुछ महिलाएं उत्साहित हो कर मनाती हैं. जब पत्नी निर्जला रह कर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं तो पति का निहाल होना आश्चर्यजनक नहीं. प्यार को जताने के लिए वे उपहार देना चाहते हैं. उपहार में ऐसा क्या दें जिससे खिल जाए उनका दिल, आइए, ऐसे ही कुछ सुझाव से हो रू-ब-रू....

- जरूरी नहीं कि कपड़े या फिर मेकअप का सामान दिया जाए. कुछ अलग हटकर गिफ्ट देना है, पत्नी की हॉबी पर गौर फरमाएं. मसलन पढ़ने का शौक हो तो उनकी पसंद की किताब दी जा सकती है. बेडरूम में उनकी पढ़ाई के लिए स्टडी टेबल या बेड लैंप की व्यवस्था की जा सकती है.
- जीवनसाथी सेहतमंद रहे, इसके लिए ट्रेड मिल, फिटनेस वॉच या कोई और हैल्थ गैजेट्स दे सकते हैं. किसी जिम का वार्षिक मेंबरशिप बतौर उपहार दे सकते हैं. वर्कआउट से जुड़ी चीजें गिफ्ट कर सकते हैं. जैसे योगा मेट के साथ योग या वर्कआउट क्लोथ्स, एक अच्छी बोतल या शेकर, स्मार्ट वॉच और जंपिंग रोप का सेट बनवाकर गिफ्ट करें.
- पति के साथ खूबसूरत जगहों पर घूमना, सुकून के पल गुजारना भला किस पत्नी को नहीं पसंद है. करवा चौथ पर आप उन्हें ट्रिप पैकेज गिफ्ट कर सकते हैं. ऐसी जगह जो दोनों की पसंद की हो.
- गहनों से महिलाओं का लगाव जगजाहिर है. पत्नी के चेहरे पर खुशी देखनी है तो उन्हें को अच्छा सा जेवर बतौर उपहार दें. करवाचौथ पर आप उन्हें गोल्ड, चांदी या फिर डायमंड के गहने गिफ्ट कर सकते हैं.
- पत्नी को पार्लर या स्पा का पैकेज भी गिफ्ट में दे सकते हैं. स्पा गिफ्ट पैकेज आपका यह संदेश खूबसूरती से उनके दिल तक पहुंचाएगा कि वह आपके लिए कितना मायने रखती हैं और आप उसे अपने जीवन में पाकर कितने आभारी हैं. इन दिनों ज्यादातर स्पा पैकेज में वेलकम ड्रिंक, स्पा रूम की सजावट, स्पा थेरेपी, तनाव दूर करने के लिए आरामदायक स्वीडिश, डीप टिश्यू मसाज या एरोमैटिक थेरेपी आदि की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं.
- प्रीमियम मेकअप प्रोडक्ट–मेकअप वैसे तो हर महिला के पास होता है, लेकिन कुछ प्रीमियम चीजें ऐसी होती हैं जिनकी चाह उन्हें अक्सर रहती है. ऐसे में आप उन्हें उनकी विशलिस्ट किए हुए कोई आईटम तोहफे में दे सकते हैं.
- नया फोन, लैपटॉप, टैब आदि आज की जरुरत हैं. आप भांपे कि इनमें से कौन सा गिफ्ट आपके लिए बजट फ्रेंडली है और जिसे पाकर पत्नी के चेहरे पर मुस्कान खिल जाएगी.
- अन्य गिफ्ट में कोई खूबसूरत साड़ी, सूट या ड्रेस, पर्स, फुटवियर, किचन एप्लायंस, ट्रेंडी ज्वेलरी आदि भी हो सकते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

न्यूजीलैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में खेलेगी टीम इंडिया

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में भारत का शानदार रिकॉर्ड, घर में नहीं गंवाई एक भी सीरीज

आईएएनएस। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार है. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मद्देनजर दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी महत्वपूर्ण है. अगर भारत और कीवी टीम के हेड टू हेड टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें, तो इसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आता है. दरअसल, दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 62 टेस्ट मैच खेले गये हैं. इनमें से भारत के पक्ष में 22, जबकि न्यूजीलैंड के पक्ष में मात्र 13 मैचों का नतीजा रहा है. वहीं 27 मौच ड्रॉ रहे हैं. भारत ने अपनी घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 टेस्ट जीते हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने घर में अभी तक एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है. दोनों टीमों के बीच खेली गई सभी टेस्ट सीरीज में भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी है. जहां भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 टेस्ट सीरीज को अपना नाम किया है, तो वहीं कीवी टीम ने 7 बार भारत को टेस्ट सीरीज में मात दी है. इसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले संस्करण का फाइनल मैच भी शामिल है, जिसमें न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड में भारत को मात देकर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती थी.

टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत टॉप पर

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत टॉप स्थान पर है. भारत को बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पिछली टेस्ट सीरीज में 2–0 से जीत मिली थी. न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और घरेलू टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के लिए एक बार फिर जीत के लिए पसंदीदा है. भारत दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का उपविजेता रहा है और इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इस खिताब को अपने नाम करना चाहेगी.

मैच शेड्यूल

- **पहला टेस्ट** बेंगलुरु में 16 अक्टूबर
- **दूसरा टेस्ट** 24 अक्टूबर को पुणे में,
- **तीसरा टेस्ट** एक नवंबर को मुंबई में

टेस्ट मैच के लिए दोनों टीमें

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल (पहले टेस्ट के लिए), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉन्वे, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, विलियम ओरूर्क, एजाज पटेल, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, केन विलियमसन और विल यंग .

टीम इंडिया : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रित बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव , मोहम्मद सिराज और आकाश दीप शामिल हैं .

तीन मैचों के टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया

हार्दिक बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

▸▸ **सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया**

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने बांग्लादेश को तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया. हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 में टीम इंडिया ने 133 रन से जीत हासिल की. भारत के लिए संजू सैमसन ने 111 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान सूर्यकुमार ने तूफानी 75 रन बनाए. इसकी बदौलत भारत ने 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए. जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी. सैमसन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया. हालांकि, प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड 31 साल के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जीता. शुक्रवार 11 अक्तूबर को ही हार्दिक ने 31वां जन्मदिन मनाया था. उनके लिए इससे बेहतर गिफ्ट कुछ नहीं हो सकता था.

हार्दिक ने भारत के लिए तीनों टी20 मैच खेले और 11 चौके और आठ छक्के की मदद से कुल 118 रन बनाए. वह टी20 सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 222.64 का रहा. उनसे ऊपर सैमसन रहे. सैमसन ने तीन पारियों में 205.48 के स्ट्राइक रेट से 150 रन बनाए. इस सीरीज में हार्दिक का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतरीन रहा. इसके अलावा उनको एक विकेट भी मिला. तीन मैचों में हार्दिक ने सात ओवर गेंदबाजी की और 58 रन खर्च किए.

ग्वालियर में खेले गए सीरीज के पहले मैच में हार्दिक ने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया था. इसके अलावा भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे. उन्होंने 16 गेंद में 39 रन की नाबाद पारी खेली थी. दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 में हार्दिक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और 19 गेंद में 32 रन की पारी खेली. तीसरे टी20 में हार्दिक ने 18 गेंद में 47 रन की तूफानी पारी खेली. प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने के बाद हार्दिक ने कोच गौतम गंभीर की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि गंभीर हर खिलाड़ी को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं.

सूर्यकुमार ने कहा, 'यदि आप 99 या 49 या कुछ भी स्कोर पर हैं, अगर आपको लगता है कि आपको टीम के लिए गेंद को पार्क के बाहर मारना है, तो आपको इसे मारना होगा और संजू ने भी यही किया और मैं उनके लिए वास्तव में खुश हूं. हमें बहुत लचीला होना होगा. हर किसी को योगदान देना होगा. जिस तरह से हमारे खिलाड़ियों ने इस सीरीज में खेल दिखाया, वह सराहनीय था. बस अच्छी आदतें बनाए रखें और उसे मैदान पर भी जारी रखें और वैसे ही बने रहें जैसे आप हैं.

संजू सैमसन ने की भारतीय टीम मैनेजमेंट की सराहना

- सैमसन पुरुषों के टी20 में शतक पहले भारतीय विकेटकीपर
- सैमसन ने 47 गेंदों पर 111 रन बनाए

नयी दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ 3-0 से टी20 सीरीज जीत दिलाने के बाद अपनी शानदार 111 रनों की पारी के लिए टीम मैनेजमेंट का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें पहले से ही उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दे दी थी. सैमसन ने 47 गेंदों पर 111 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे. यह पारी उन्होंने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेली और इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 236.17 था. इस शानदार शतक के साथ सैमसन पुरुषों के टी20 में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले सैमसन का फॉर्म कुछ खास नहीं था और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद यह बेहतरीन पारी खेली. इसके बाद वह रोहित शर्मा के बाद सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. मैच के बाद सैमसन ने कहा, "जब आप देश के लिए खेलते हैं और कुछ मैचों में असफल होते हैं, तो दबाव महसूस होता है. सच कहूं तो मुझ पर भी दबाव था. मैं प्रदर्शन करना चाहता था, अपनी क्षमता दिखाना चाहता था. कप्तान (सूर्यकुमार यादव) और कोच (गौतम गंभीर) ने मुझसे कहा, हमें पता है कि तुम्हारे अंदर कितना टैलेंट है, हम तुम्हारे साथ हैं, चाहे कुछ भी हो.

बल्लेबाजों को लचीला होना चाहिए और उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा : सूर्यकुमार

एजेंसी। हैदराबाद

भारत ने यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा टी20 मैच 133 रनों से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली. सीरीज जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजों की उनके शानदार प्रदर्शन और लचीले होने के लिए सराहना की. पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ पुरुषों के टी20 मैच के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 297/6 बनाया. विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन की धमाकेदार पारी खेली. सूर्यकुमार यादव ने मात्र 35 गेंदों पर 75 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया, जबकि निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी योगदान देकर भारत को पुरुषों के टी20 में अब तक का सर्वोच्च स्कोर बनाने में मदद की. भारत ने सीरीज जीत ली है, इसका मतलब है कि वे घरेलू टी20 सीरीज में लगातार 16 मैचों से अजेय हैं. सूर्यकुमार ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने एक टीम के तौर पर बहुत कुछ हासिल किया है. उन्होंने कहा था कि (वे) निस्वार्थ क्रिकेटर चाहते हैं और एक निस्वार्थ टीम बनना चाहते हैं, जो एक-दूसरे के प्रदर्शन का आनंद लें। वह सौहार्दपूर्ण माहौल अब खत्म हो रहा है. गौती भाई ने सीरीज से पहले यही बात कही थी कि कोई भी टीम से बड़ा नहीं है, चाहे आप 49 या 99 पर हों, आपको गेंद को मैदान से बाहर मारना होगा. संजू ने यही किया.

टीम ने दौरे पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला: शांतो

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने माना कि टीम ने दौरे पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला और उन्हें लगा कि उन्हें सभी विभागों में प्रारूप में खेलने के अपने तरीके बदलने की जरूरत है. शांतो ने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला. हमने बल्लेबाजी इकाई के रूप में अपनी योजनाओं को लागू नहीं किया. कुछ मैचों में हमने कुछ ओवर अच्छे फेंके, लेकिन आज हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की. हमें खुद पर विश्वास करने की जरूरत है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं.

19 को पुरुष हॉकी झारखंड टीम का होगा चयन ट्रायल

रांची। तमिलनाडु में 4 से 15 नवंबर 2024 तक 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया जा रहा है. प्रतियोगिता में झारखंड टीम की भागीदारी के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 19 अक्टूबर 2024 को मरांग गोमके जयपाल सिंह अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रांची में होगा. इस चयन ट्रायल में झारखंड का कोई भी पुरुष हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकता है. चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ आधार कार्ड, नगर निगम या पंचायत द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र और हॉकी इंडिया का आईडी कार्ड साथ लाना होगा.

इमर्जिंग एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

रोहित शर्मा का चहेता बना इंडिया ए का कप्तान

एजेंसी। नई दिल्ली

18 अक्टूबर से शुरु होने वाले पुरुष टी-20 इमर्जिंग एशिया कप में तिलक वर्मा इंडिया ए का नेतृत्व करेंगे. अब तक भारत के लिए चार वनडे और 16 टी-20 खेल चुके तिलक के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके अभिषेक शर्मा और राहुल चाहर भी इस टीम का हिस्सा हैं. टीम में आईपीएल में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले आयुष बदौनी, नेहाल वढेरा, प्रभसिमरन सिंह और अनुज रावत भी शामिल हैं.

पिछला फाइनल हारा था भारत : इस ग्रुप में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है. यह पहली बार होगा जब यह टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा. इसके पिछले पांच संस्करण वनडे प्रारूप में खेले गए थे. भारत ने 2013 में इसका प्रथम संस्करण अपने नाम किया था जबकि पिछले दो बार से पाकिस्तान यह ट्रॉफी जीतता आ रहा है. 2023 में पाकिस्तान ने भारत को फाइनल में हराया था.

19 अक्टूबर को भारत का पहला मैच

गेंदबाजी आक्रमण में आर साई किशोर, ऋतिक शौकीन, रसिख सलाम, वैभव अरोड़ा और आकिब खान भी शामिल हैं. 2022 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे निशांत सिंधु भी इस दल में शामिल हैं. वहीं हाल ही में हुए दलीप ट्रॉफी में प्रभावित करने वाले अंशुल कम्बोज को भी दल में जोड़ा गया है. भारत 19 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा.

भारतीय टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बदौनी, निशांत सिंधु, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहाल वढेरा, अंशुल कम्बोज, ऋतिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर

एचआईएल ऑक्शन शुरूः हरमनप्रीत बने सबसे महंगे खिलाड़ी

- सूरमा हॉकी क्लब ने नीलामी में 78 लाख रुपये देकर टीम में किया शामिल
- भारतीय उपकप्तान हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रस ने 70 लाख रुपये में खरीदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ओलंपिक पदक विजेता कप्तान हरमनप्रीत सिंह हॉकी इंडिया लीग के आगामी सत्र में सूरमा हॉकी क्लब के लिए खेलते हुए नजर आएंगे. सूरमा क्लब ने 78 लाख रुपये की भारी भरकम कीमत देकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया, जिससे वह लीग में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए. सात सालों के बाद वापस आ रही इस प्रतियोगिता के लिए नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक हो रही है. लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें हिस्सा लेंगी. पुरुषों का फाइनल एक फरवरी, 2025 को होगा.

राउरकेला व रांची में इस साल के अंत में शुरु होनेवाली हॉकी इंडिया लीग के लिए आठ फ्रेंचाइजी टीमें रविवार को 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों पर बोली लगी. हर टीम के पास खिलाड़ियों को चुनने के लिए चार करोड़ रुपये का पर्स होगा, जिन्हें अगले दो दिनों में तीन बेस प्राइस स्लैब के तहत दो लाख, पांच लाख और दस लाख रुपये में वर्गीकृत किया गया है.

भारतीय उपकप्तान हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रस ने 70 लाख रुपये में खरीदा. वह पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम का भी अहम हिस्सा थे और मैदान पर देश की कई यादगार जीत के सूत्रधार रहे. 142 मैचों में हार्दिक ने 11 गोल किए हैं.

नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मनदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरगुजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद,शमशेर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा जैसे सितारे शामिल हो रहे हैं. इसके अलावा रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी खुद को नीलामी के लिए शामिल किया है.

वहीं आठ टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी आइकन आर्थर वान डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्क्स, गोंजालो पेइलाट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन, दयान कैसीम, टॉम विकम, जीन पॉल डैनबर्ग, पिरमिन ब्लैक, जोरिट क्रून, और मैट ग्रैम्बुश पर भी बोली लगाएंगी. प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (चार जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और आठ विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे. पुरुषों की नीलामी 13 अक्टूबर को दोपहर ढाई बजे से शुरू हुई और 14 अक्टूबर को सुबह दस बजे से शुरू होगी, जबकि महिलाओं की नीलामी प्रक्रिया 15 अक्टूबर को सुबह दस बजे से शुरू होगी.

शंघाई ओपन

सिनर ने एक सत्र में अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 65वीं जीत दर्ज की

सिनर ने जोकोविच को हराकर शंघाई मास्टर्स खिताब जीता

एजेंसी। शंघाई

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स में वर्ष का अपना सातवां खिताब जीत लिया. इटालियन खिलाड़ी ने जोकोविच पर 7-6 (7-4), 6-3 से जीत दर्ज की, जो 2016 के बाद से एक कैलेंडर वर्ष में छह से अधिक खिताब जीतने वाले पहले व्यक्ति बन गए, जब एंडी मरे ने नौ खिताब जीते थे. एक घंटे और 37 मिनट की जीत के साथ, सिनर ने एक सत्र में अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 65वीं जीत दर्ज की. चीन में जीत के साथ, सिनर एक दशक से अधिक समय में जोकोविच को लगातार तीन बार हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. राफेल नडाल 2013 में रौलां गैरो, मॉन्ट्रियल और यूएस ओपन में जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले अंतिम व्यक्ति थे. सिनर ने पिछले साल के अंत में डेविस कप फाइनल और इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच को हराया था.

सिनर ने इस साल के लिए टाई-ब्रेक में 24-8 का सुधार करके भीषण संघर्ष वाला पहला सेट जीता, इससे पहले कि वह दूसरे सेट के शुरुआती चरणों में अंततः 4-1 की अजेय बढ़त हासिल कर जीत को सील कर दिया.

जानिक सिनर ने 7-6 (7-4), 6-3 से जीत दर्ज की

फेडरर और अल्काराज भी देख रहे थे मैच

जोकोविच, जो 100 टूर-स्तरीय खिताब (कॉनर्स, फेडरर) जीतने वाले तीसरे व्यक्ति बनने की कोशिश कर रहे थे, एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, सिनर की शानदार सर्विस ने उन्हें हरा दिया, जिन्होंने एक आकर्षक पहले सेट में अपनी पहली सर्विस के पीछे 81 प्रतिशत अंक जीते. स्विस लीजेंड रोजर फेडरर और युवा स्पैनियार्ड कार्लोस अल्काराज़ दर्शकों में थे, जो रोमांचक संघर्ष का आनंद ले रहे थे. कोर्ट पर दिए गए अपने साक्षात्कार में सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें फेडरर को स्टैंड में देखने की आदत नहीं है और काश वह उनके साथ खेल पाते. जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने साक्षात्कार में कहा, रोजर को देखकर अच्छा लगा. मैं आपको स्टैंड में देखने का आदी नहीं हूं. काश आप यहां कोर्ट पर हमारे साथ खेल रहे होते. शायद यह पहली बार है जब मैं आपके सामने खेल रहा हूं. यह शानदार है. कार्लोस भी. जुआन कार्लोस भी. यहां आने और इस मैच का हिस्सा बनने के लिए आपका धन्यवाद.

स्पेन ने डेनमार्क को हराया

रोनाल्डो ने कॅरियर का 906वां गोल दागा

एजेंसी। बार्सिलोना

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकॉर्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया. रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया. इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था. यह रोनाल्डो के करियर का 906वां गोल रहा.

रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे, लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे. इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था. पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र ज़िलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की.

पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर है. क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है. उसने ज़गरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया. स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया. इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं. डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. सर्बिया के चार अंक हैं. उसने एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड को 2-0 से पराजित किया. लीग सी में कोसोवो ने लिथुआनिया को 2-1 से, जबकि रोमानिया ने साइप्रस को 3-0 से हराया.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा पंडाल में गोलीबारी, मचा हड़कंप

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले के आरा में रविवार की सुबह-सुबह गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया. इस घटना में 3 लोगों को गोली लगी. हालांकि घटना को क्यों अंजाम दिया गया, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है. वहीं गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. दरअसल, घटना आरा के मौलाबाग इलाके की है. पूजा पांडल के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है.

पत्नी की हत्या कर सड़क पर छोड़ दिया

चंपारण। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा के धनाहा थाना क्षेत्र के कठार गांव में शनिवार की देर रात सरिता देवी (35) की उसके पति अमित पटेल ने निर्ममतापूर्वक विजया दशमी को हत्या कर दिया. हत्या के पहले अमित पटेल अपनी पत्नी को उसके मायके, उत्तर प्रदेश के रामकोला थाना क्षेत्र के नवगावा से राजी खुशी अपने सात भाईयों के साथ लेकर आया था और घर लौटने के बाद रात में ही मेला घूमने का बहाना बनाकर उसे सुनसान इलाके की ओर ले गया. रास्ते में घेवहीया और तुनिहवा के बीच सुनसान सड़क पाकर अमित ने धारदार हथियार से उसकी जान ले ली, और वहां से तड़पते हुये पत्नी को छोड फरार हो गया.

दुर्घटना में पिता की मौत बेटी-पुत्र सहित तीन जख्मी

नवादा। नवादा में स्कॉर्पियो और टेंपो की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई. मृतक के बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हैं. मृतक की पहचान बालेश्वर चौहान का 30 वर्षीय पुत्र सुबेलाल चौहान के रूप में की गई है. घायलों की पहचान अभिराज कुमार, लक्ष्मी कुमारी और अंकित कुमार के रूप में हुई है. घटना शनिवार की देर रात की है. मृतक अपने तीन बच्चों के साथ मेला देखकर अपने गांव लौट रहे था तभी तेज रफ्तार स्कार्पियो ने सीधा टेंपो में टक्कर मार दिया, जहां टेंपो पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए और एक की घटनास्थल पर मौत हो गई.

रिया जब वर्दी में अपने गांव अमरपुर पहुंची, तो ग्रामीणों ने ढोल -नगाड़े के साथ पटाखे फोड़ कर किया स्वागत

18 वर्ष 4 महीने में ही बीएसएफ की वर्दी पहन रिया ने बढ़ाया मान

संवाददाता। बांका

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए... कुछ ऐसी ही कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है बांका के अमरपुर की बेटी रिया कुमारी ने. 18 वर्ष चार महीने की उम्र में देश की सेवा करने का दृढ़ संकल्प लेकर रिया ने बीएसएफ की वर्दी पहनकर ना सिर्फ अमरपुर बल्कि पुरे बांका जिला का नाम देश में रौशन किया है. रविवार की सुबह रिया बीएसएफ की वर्दी में अपने पैतृक गांव अमरपुर के वार्ड नंबर आठ पहुंची. उनका स्वागत अमरपुर वासियो ने ढोल नगाड़ो और पटाखे फोड़ कर तथा फुलो का माला पहनाकर किया. रिया के पिता श्रवण कुमार बस स्टैण्ड पर फलो की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन करते आ रहे हैं जबकि मां रूपा देवी गृहिणी हैं. रिया दो भाइयो में सबसे बड़ी है. उनकी प्रारंभिक शिक्षा कन्या मध्य विधालय अमरपुर से ही हुई. दसवी की परीक्षा उन्होंने अमरपुर के आदर्श बालिका उच्च विधालय से उत्तीर्ण किया. जबकि ग्रेजुएशन वह भागलपुर के टीएनबी कॉलेज से कर रही है. रिया ने बताया कि वह बचपन से पुलिस सेवा में जाना चाहती थी. दरोगा बनने का उसका सपना है. ग्रेजुएशन तैयारी के दौरान बीएसएफ का फॉर्म आया और भर दिया और पहले ही प्रयास में परीक्षा में सफल हुई. आगे एसआई की तैयारी जारी रखेगी.उनकी पहली पोस्टिंग पंजाब के गुरदासपुर बॉर्डर पर हुई है. रिया ने कहा कि उनकी सफलता का सारा श्रेय उनकी मां, पिताजी व दिवंगत दादाजी हीरालाल साह को जाता है. उन्होंने प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हौसला हो बुलंद तो आंधियो में भी चिराग जल सकता है. जिस तरह पानी की लहरों में कागज की नैया पार नहीं होती है. उसी तरह कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है. किसी भी मंजिल को पाने के लिए एकाग्रता बेहद जरूरी है. मंजिल खुद ब खुद आपके कदम चुमेगी. मौके पर वार्ड पार्षद शंकर महतो समेत समाज के लोगो ने रिया की सफलता पर उन्हें बधाई दी.

सफलता का सारा श्रेय मां, पिताजी व दिवंगत दादाजी हीरालाल देते हुए

कहा कि अगर हौसला हो बुलंद तो आंधियो में भी चिराग जल सकता है. जिस तरह पानी की लहरों में कागज की नैया पार नहीं होती है. उसी तरह कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है. किसी भी मंजिल को पाने के लिए एकाग्रता बेहद जरूरी है. मंजिल खुद ब खुद आपके कदम चुमेगी.

एनडीए की सरकार में कोई सुरक्षित नहीं : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं. तेजस्वी दिल्ली जाने से पहले पटना एयरपोर्ट पर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर बड़ा बयान दिया. तेजस्वी यादव ने बाबा सिद्दीकी की मौत पर दुख जताया. साथ ही एनडीए सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार में कोई सुरक्षित नहीं है. दरअसल, तेजस्वी यादव 16 अक्टूबर से कार्यकर्ता संवाद यात्रा-2 पर निकलने वाले हैं. इसके पहले तेजस्वी रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं. वहीं बीती रात एनसीपी के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या अपराधियों ने बांद्रा में कर दी.

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने जारी किया नया फरमान

शिक्षकों को साल में दो बार मिलेगा आवासीय प्रशिक्षण

अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ.

संवाददाता। पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने सरकारी स्कूल के शिक्षकों के लिए नया फरमान जारी किया है. उन्होंने निर्देश दिया है कि राज्य के सरकारी स्कूल के सभी शिक्षकों को साल में दो बार आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने में मदद मिलेगी. वहीं इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार बिहार सरकार को 32.20 करोड़ की राशि देगी. प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले साल यानी 2025 में जनवरी-फरवरी में शुरु होगा. दिसंबर माह में शिक्षकों के स्थानांतरण और पदस्थापन के बाद उन्हें आवासीय प्रशिक्षण दिलाने के लिए इस योजना को तैयार किया गया है. एस सिद्धार्थ ने कहा है कि, स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता का विकास के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाना आवश्यक है. इसके लिए सभी जिलों को तैयारी करने का निर्देश भी दिया गया है.

7279 विशेष शिक्षकों की होगी नियुक्ति

वहीं दूसरी ओर बिहार के प्रारंभिक स्कूलों में 7 हजार 2सौ 79 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. जिसमें दृष्टिबाधित, विशेष अधिगम, दिव्यांगता, बहु दिव्यांगता, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, श्रवण बाधित, वाच्य, और भाषा दिव्यांगकास बौद्धिक दिव्यांगका और स्वलीनता संबंधित टीचर्स शामिल होंगे. नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा रोस्टर क्लीयरेंस कराया गया है. बिहार लोक सेवा आयोग को विशेष शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधियाचना भई भेजी जाएगी. इसके बाद बहाली प्रक्रिया शुरू होगी. वहीं विभाग से मिली जानकारी अनुसार क्लास 1 से 5 तक के लिए 5हजार534 तो वहीं क्लास 6 से 8 के लिए 1 हजार 745 विशेष शिक्षकों की बहाली की जाएगी. जिसमें से 50 फीसदी आरक्षित पद महिलाओं के लिए और 50 फीसदी महिलाओं को कोटिवार आरक्षण दिया.

खास बातें

- शिक्षा में गुणवत्ता का विकास के लिए प्रशिक्षण आवश्यक
- प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है

नई शिक्षा नीति के तहत होगा बड़ा कार्यक्रम : दरअसल, केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा अभियान में शिक्षकों का प्रशिक्षण अनिवार्य है. जिसके लिए केंद्र सरकार ने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए शिक्षकों को छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था देगी. 9वीं से लेकर 12वीं तक के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के लिए पांच सौ रुपए देने का प्रावधान किया गया है. बता दें कि, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है.

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, एक करोड़ का नुकसान

संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में रविवार की अहले सुबह प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लग गयी. इसमें तकरीबन 1 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है . पूरा मामला रिफाइनरी थाना क्षेत्र के मोसादपुर औद्योगिक क्षेत्र की है. अनुमान लगाया जा रहा है कि बिजली की शार्ट सर्किट की वजह से ही आग लगी थी. बताया जा रहा है कि आज जैसे ही लोगों की आंख खुली और लोग बाहर निकले तो मोसादपुर देवना स्थित बियाडा के द्वारा संचालित एक निजी प्लास्टिक के फैक्ट्री में आग लगी हुई थी. तत्पश्चात लोगों ने अग्निशमन विभाग को अग्निकांड की सूचना दी . जब तक अग्निशमन विभाग वहां पहुंचकर आग पर काबू पाती तब तक धू-धू कर पूरी फैक्ट्री जल चुकी थी. उक्त फैक्ट्री में प्लास्टिक के बोतल, ढक्कन, आर ओ प्लांट में उपयोग होने वाले प्लास्टिक के बर्तन सहित कई प्लास्टिक की सामग्री बनाई जाती थी. काफी मशक्कत के बाद अग्नि समन विभाग ने आग पर काबू पाया. गनीमत रही की आसपास के अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान में आग नहीं लगी अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो काफी बड़ी क्षति हो सकती थी.

व्यापारी से ऑटो लिफ्टर गैंग ने लूटे एक लाख

पटना । राजधानी में ऑटो लिफ्टर गैंग के सदस्यों ने एक व्यापारी को अपना शिकार बना कर एक लाख रुपये उड़ाकर फरार हो गए. दरअसल, मामला पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र इलाके का है. जहां ट्रेन पकड़ औरंगाबाद से आए आलू व्यापारी पटना जंक्शन पहुंचे. जहां व्यापरी के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया है. बताया जा रहा है कि स्टेशन के बाहर पहुंचकर ऑटो पर पीड़ित व्यापारी सवार हुआ, जिस ऑटो पर चालक के अलावे दो अन्य लोग भी सवार थे. पीड़ित किसी तरह से लोगों से पूछकर कोतवाली थाना पहुंचा, जहां लिखित शिकायत दर्ज करवाई है.

बेगूसराय में दशहरा का मेला घूमने गयी थी बच्ची

मासूम के साथ बदमाशों ने किया दुष्कर्म

संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में मेला देखने के लिए गई एक मासूम बच्ची के साथ दरिंदों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. वही दरिंदों ने उसे मासूम को अपना हवस का शिकार बनाया है. मासूम बच्ची लहुलूहान अवस्था में मिली, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है. बच्ची शनिवार रात अपनी एक सहेली के साथ मेला देखने के लिए आई थी. इस दौरान दरिंदों ने मासूम बच्ची को पकड़ लिया और उसे खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया. हालांकि इस घटना के बाद मासूम बच्ची तड़पती रही. लेकिन दरिंदे उसे अपने हवस का शिकार बनाते रहा. हालांकि किसी तरह बच्ची घायल अवस्था में उस जगह से भाग कर सड़क पर आई. चिल्लाने के बाद पुलिस की नजर बच्ची पर पड़ी. पुलिस ने आनन फानन में उसे उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां बच्ची इलाजरत है. इस घटना के संबंध में डीएसपी भास्कर रंजन ने बताया है कि मेला देखने आई एक मासूम बच्ची को चॉकलेट के बहाने बदमाश बुलाकर बहियार में ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है.

कारोबार

गुरुग्राम में बनने जा रहा सबसे महंगा फ्लैट

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ जल्द ही गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अपना सुपर-लक्ज़री प्रोजेक्ट डीएलएफ द डहेलियाज लॉन्च करने जा रही है. यह प्रोजेक्ट, भारत के सबसे प्रतिष्ठित रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में से एक डीएलएफ कैमेलियाज के सामने स्थित होगा. द डहेलियाज देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट बनने जा रहा है, जिसमें 34,000 करोड़ की कुल बिक्री अनुमानित है. यह प्रोजेक्ट कैमेलियाज और किसी अन्य भारतीय प्रोजेक्ट से 2.5 गुना अधिक होगा.

एचएएल को मिला 'महारत्न' का दर्जा

नयी दिल्ली। डिफेंस सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है. इस सरकारी कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा मिल गया है. इसी के साथ एचएएल देश की 14वीं कंपनी बन गई, जिसे महारत्न का दर्जा मिला है. बता दें, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की. डीपीई ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पीएसयू कंपनी को 'महारत्न' स्टेटस में अपग्रेड करने का अप्रूवल दे दिया है.

दिवाली के समय हवाई किराये में आएगी गिरावट

नयी दिल्ली। दिवाली के आस-पास घर जाने वालों के लिए अच्छी खबर है. क्योंकि दीपावली के आसपास कई घरेलू मार्गों पर औसत हवाई किराये में पिछले साल की तुलना में 20-25 प्रतिशत की कमी आई है. एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ी हुई क्षमता और तेल की कीमतों में हाल में आई गिरावट के चलते कीमतों में कमी आई है. ट्रेवल प्लेटफॉर्म इक्सिगो के विश्लेषण से पता चला है कि घरेलू मार्गों पर औसत हवाई किराए में 20-25 प्रतिशत की गिरावट आई है. ये कीमतें 30 दिनों की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर एक तरफ के औसत किराए के लिए है.

कंपनी का खर्च 2.6 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये हो गया है

जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान बढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान वित्त वर्ष 24 में 2.2 गुना बढ़कर 91 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि इससे पहले के वित्त वर्ष में 40 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 24 के फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स के मुताबिक, जिप इलेक्ट्रिक का ईबीआईटीडीए मार्जिन नकारात्मक 19.47 प्रतिशत रहा है. वित्त वर्ष 24 में कंपनी का खर्च 2.6 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 152 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 24 में कंपनी की संचालन से आय 293 करोड़ रुपये रही. वित्त वर्ष 23 में कंपनी की संचालन से आय करीब 109 करोड़ रुपये थी.

जिप इलेक्ट्रिक की स्थापना 2017 में हुई थी. कंपनी के मुताबिक, उसके पास 22,000 वाहनों की एक एक्टिव फ्लीट है. वाहनों से किराया और डिलीवरी सर्विसेज कंपनी की आय का मुख्य जरिया है. इस साल मई में जिप इलेक्ट्रिक की ओर से 15 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था.

कंपनी की योजना 2026 तक इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की फ्लीट को बढ़ाकर 2,00,000 करना और अपने ऑपरेशन का विस्तार 15 शहरों तक करना था. इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेशक कंपनी ईएनईओएस की ओर से किया गया था. इसके अलावा 9यूनिकॉर्न, आईएएन फंड और अन्य निवेशकों ने इस फंडिंग राउंड में भाग लिया था. जिप इलेक्ट्रिक की ओर से हाल ही में मुंबई और हैदराबाद में ऑपरेशन लॉन्च किए गए हैं. कंपनी द्वारा जनवरी 2023 से लेकर मार्च 2024 के बीच 50 मिलियन से ज्यादा डिलीवरी की गई. जिप इलेक्ट्रिक ने अब तक 80 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं, जिसमें फरवरी 2023 में ताइवानी ईवी निर्माता गोगोरो के नेतृत्व में जुटाए गए 25 मिलियन डॉलर भी शामिल हैं. इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी वर्तमान में जोमैटो, स्विगी, अमेजन, फ्लिपकार्ट सहित 50 से अधिक दिग्गज कंपियों के लिए डिलीवरी और राइड-शेयरिंग सेवाओं का प्रबंधन करती है.

खास बातें

- 2023 में कंपनी की आय करीब 109 करोड़ रु. थी
- मई में कंपनी ने 15 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया था

स्टार हेल्थ डेटा लीक : हैकर्स ने मांगी 68,000 डॉलर की फिरौती

लगातार न्यूज नेटवर्क डेस्क

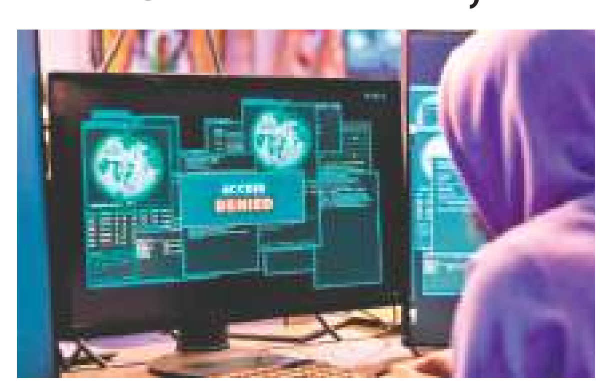

भारत की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एक बड़े साइबर हमले का शिकार हुई है. कंपनी के लाखों ग्राहकों का संवेदनशील डेटा लीक होने के बाद हैकर्स ने 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग की है. सितंबर में रॉयटर्स ने सबसे पहले इस खबर को प्रकाशित किया था.

रिपोर्ट के अनुसार, एक हैकर ने टेलीग्राम चैटबॉट्स और एक वेबसाइट का उपयोग करके ग्राहकों का निजी डेटा, जैसे कि नाम, पता, फोन नंबर, पैन कार्ड और मेडिकल रिकॉर्ड, लीक किया था. इस घटना के बाद से कंपनी के शेयरों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है.

कंपनी की प्रतिक्रिया : स्टार हेल्थ ने इस मामले में आंतरिक जांच शुरू की है और टेलीग्राम और हैकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है. कंपनी ने भारतीय साइबर सुरक्षा अधिकारियों से भी मदद मांगी है. हालांकि, टेलीग्राम ने अभी तक हैकर के खातों को बंद करने से इनकार कर दिया है. स्टार हेल्थ ने अपने ग्राहकों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए कहा है. कंपनी ने यह भी कहा है कि वह अपने सिस्टम को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठा रही है.

क्यों हुआ यह हमला

साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला आर्थिक लाभ के लिए किया गया हो सकता है. हैकर्स अक्सर कंपनियों को ब्लैकमेल करते हैं और फिरौती की मांग करते हैं.

ग्राहकों के लिए खतरे?

इस डेटा लीक से ग्राहकों की गोपनीयता को गंभीर खतरा है. हैकर्स इस डेटा का उपयोग धोखाधड़ी, पहचान चोरी और अन्य अपराधों के लिए कर सकते हैं.

इंप्लॉयज को बाइक व कार

चेन्नई । स्ट्रक्चरल स्टील डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों पर उपहारों की बौछार कर दी है. कंपनी ने अपने इंप्लॉयज को 28 कारें और 29 बाइक गिफ्ट में दी हैं. कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं. अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं.

मार्केट आउटलुक : भारतीय शेयर बाजार के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है पूरा हफ्ता

तिमाही नतीजे, खुदरा महंगाई तय करेंगे बाजार की चाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है. कंपनियों की ओर से घोषित किए जाने वाले वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे. इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स की चाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों का असर भी शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है. बीते हफ्ते बाजार में कंसोलिडेशन देखने को मिला था. इस दौरान निफ्टी इंडेक्स 50 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 24,964 और सेंसेक्स 307 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 81,381 पर बंद हुआ. बाजार के गिरने की वजह एफआईआई की बिकवाली, मौद्रिक पैकेज के कारण चीन के बाजारों में तेजी को माना जा रहा है. पिछले हफ्ते एफआईआई की ओर से करीब 28,000 करोड़ रुपये के शेयरों बिक्री की गई थी. इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेश (डीडीआई) की ओर से 31,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया गया. स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च प्रमुख संतोष मीणा का कहना है कि अगले वैश्विक स्तर पर अमेरिका, जापान, चीन और यूरोप से आने वाले डेटा का बाजार पर सीधा असर देखने को मिल सकता है. उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी का छोटी अवधि का बॉटम लेवल 24,750 है. निफ्टी में दोबारा से बड़ी तेजी 25,330 और 25,500 का स्तर तोड़ने के बाद ही आएगी.

अगर निफ्टी 24,750 के स्तर को तोड़ता है तो यह 24,440 और 24,100 के स्तर पर जा सकता है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटड की डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा ने कहा कि बैंक निफ्टी एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है. मौजूदा समय में इसका सपोर्ट 50,600 पर है. अगर यह स्तर टूटता है तो 50,000 तक स्तर देखने को मिल सकता है. बैंक निफ्टी के लिए 51,700 एक अहम रुकावट का स्तर होगा. अगर यह इसे तोड़ता है तो 52,200 तक के स्तर देखने को मिल सकते हैं. इसमें निवेशकों को गिरावट पर खरीदारी की रणनीति को अपनाना चाहिए.

खास बातें

- एफआईआई की गतिविधियों का असर भी पड़ सकता है
- डीडीआई की ओर से 31 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

पेज एक का शेष

दलितों के लिए जादू की छड़ी से कम नहीं है ...

मैंने विश्लेषण किया कि कैसे जाति लिंग और कामुकता के साथ जुड़ जाती है और महिलाओं, खासकर हाशिए पर पड़ी महिलाओं पर अत्याचार करती है. मैंने दलित तमाशा महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया. उन्हें जाति और लिंग दोनों के कारण दोहरे भेदभाव से लड़ना पड़ता है. वे यौन और जातिगत हिंसा के निरंतर खतरे में थीं. ऐसा इसलिए है क्योंकि तमाशा महिलाओं को बड़े समाज द्वारा सार्वजनिक महिला या स्वच्छंद महिला के रूप में देखा जाता है. मैं आपको एक उदाहरण देती हूं. मंगलाताई एक कलाकार हैं, जिनके परिवार की पांच पीढ़ियां तमाशा करती हैं. उन्होंने बताया कि कैसे जब वह किशोरी थीं, तो वह एक गांव में प्रदर्शन कर रही थीं, उन्हें एक बैलगाड़ी पर नाचने के लिए मजबूर किया गया था जो गांव के चारों ओर घूमती थी. कई पुरुष पागलों की तरह गाड़ी के चारों ओर नाचते थे, गाड़ी पर कूदने की कोशिश करते थे, उन्हें छूने या उनसे मिलने की कोशिश करते थे.

भारत में दलित महिलाएं लंबे समय से यौन हिंसा का शिकार रही हैं. इस हिंसा में जातिगत भेदभाव की क्या भूमिका है? : एक तरफ हमारे पास कानून है और कागजों पर काम हो रहा है, लेकिन साथ ही जमीन पर दलितों के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं. जातिगत हिंसा लिंग के साथ मिल कर दलित महिलाओं की यौन कमजोरी को जन्म देती है. ऐतिहासिक रूप से, प्रमुख जातियों ने हिंसा को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है, जाति पदानुक्रम को बनाए रखने के लिए अपने अधिकार और अधिकार के रूप में. यह उनकी सदियों पुरानी शक्ति और विशेषाधिकार का संचय है. दलित महिलाएं गरीब हैं और उनमें स्वायत्तता की कमी है. एलोयसियस आईएसजे, जयश्री मंगूभाई और जोएल ली की ओर से संपादित पुस्तक में परिवार के भीतर और बाहर 500 दलित महिलाओं के खिलाफ हिंसा की प्रकृति का पता लगाया गया है (2011).

इस क्षेत्र में अंबेडकर के काम को किस तरह देखते थे? : अंबेडकर उस चीज से बहुत परिचित थे, जिसे मैं सेक्स-जेंडर-जाति जटिलता कहती हूं. औपनिवेशिक ब्रिटिश और कुलीन भारतीय दोनों ने दलितों को बचकाना, अपरिपक्व या स्त्रीलिंगी के रूप में चित्रित किया. इसके अलावा, दलित महिलाओं को और भी अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता था क्योंकि उन्हें यौन रूप से कामुक माना जाता था. 1927 में, जब अंबेडकर महाड सत्याग्रह के लिए धन जुटा रहे थे, पट्ठे बापूराव (एक ब्राह्मण पुरुष तमाशा और लावणी कलाकार) ने अंबेडकर को समर्थन देने के लिए धन की पेशकश की. लेकिन अंबेडकर ने मना कर दिया क्योंकि जैसा कि उन्होंने तर्क दिया, दलित महिलाओं को ऐसे संगीत पर नचा कर धन इकट्ठा किया जाता था, जिसे कामुक माना जाता है. वह नहीं चाहते थे कि दलित महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश किया जाए क्योंकि इससे यौन शोषण को बढ़ावा मिलता है. जैसे-जैसे हम 1930 के दशक में आगे बढ़ते हैं, उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक, वैचारिक और धार्मिक रूप से विभिन्न दबावों का सामना किया - उन्होंने घोषणा की कि वह बौद्ध धर्म अपनाने जा रहे हैं. जब उन्होंने ऐसा किया, 1936 में, एक अवसर था जब उन्होंने तथाकथित सार्वजनिक महिलाओं को यह भाषण दिया जिसमें वेश्याएं, तमाशा करने वाली महिलाएं और जोगटिनी शामिल थीं. वहां, उन्होंने कहा कि महिलाओं को इन तथाकथित गंदे व्यवसायों को छोड़ देना चाहिए और बौद्ध धर्म अपना लेना चाहिए. पहली नजर में, यह पितृसत्तात्मक लग सकता है. हालांकि, किसी को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह किससे लड़ रहे थे. दलितों के लिए मानवीय गरिमा को उकेरने के लिए दलित मुक्ति मुख्य एजेंडा था. यह दलितों और पूरे समुदाय के साथ आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ था, जिसे मनुष्य कहलाने का विशेषाधिकार नहीं मिला है.

न्यूज अपडेट

रूस में एमबीबीएस छात्रा की मौत

भोपाल। रूस में सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश की रहने वाली एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी का पार्थिव शरीर वापस लाया जाएगा. छात्रा के परिवार ने प्रदेश सरकार से अंतिम संस्कार के लिए शव वापस लाने की अपील की थी. यादव ने राज्य गृह विभाग को निर्देश दिया है कि वह केंद्र से पीड़ित परिवार की मदद करने और शव लाने का अनुरोध करे. विभाग ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर सहायता मांगी है.

एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना, तीन की मौत

इटावा। यूपी के इटावा जिले में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन-125 पर भीषण सड़क हादसा हुआ. इस हादसे में दो विदेशी महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सभी घायलों को इलाज के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया गया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि यह दर्दनाक हादसा माइलस्टोन-125 पर खरगुआ गांव के पास हुई. कार अपने आगे चल रहे किसी वाहन से टकरा गई.

पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला

इस्तांबुल। तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में एक युवक ने एक पुलिस अधिकारी को पीछे से चाकू मार दिया. चाकू लगने से अधिकारी घायल हो गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस्तिकलाल एवेन्यू पर ये घटना हुई. हमलावर सड़क पर खड़े पुलिस अधिकारी के पास पहुंचा और उसकी गर्दन पर चाकू से वार कर दिया. इसके तुरंत बाद संदिग्ध व्यक्ति मौके से फरार हो गया. हालांकि, पुलिस ने उसे पास के कासिमपासा इलाके में पकड़ लिया.

इंडोनेशिया : नाव में आग, 5 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के तट पर एक स्पीड बोट में आग लग गई. इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए. हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की भी आशंका है. रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 14.05 बजे हुई, जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थकों से भरी नाव तालीबू क्षेत्र के एक समुद्री बंदरगाह पर थी और अभियान के लिए यात्रा जारी रखने से पहले ईंधन भरा जा रहा था. कुछ लोग नाव में फंसे हुए बताए गए हैं.

म्यांमार में 9 माह में 1489 की मौत

यांगून। वर्ष 2024 के बीते 9 महीनों में म्यांमार में कितनी यातायात दुर्घटनाएं हुई हैं. सड़क परिवहन प्रशासन विभाग (आरटीएडी) ने रविवार को एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक म्यांमार में कुल 2,896 यातायात दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,489 लोग मारे गए और 4,182 अन्य घायल हुए. इस वर्ष यातायात दुर्घटनाओं, मौतों और घायलों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कमी आई है. पिछले वर्ष 3,634 दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 1,864 मौतें और 4,993 घायल हुए थे.

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर सुनवाई आज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सोमवार को सुनवाई करेगा. पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने धान की पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर चिंता जताई थी. सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मामले में एक भी अभियोजन मामला नहीं चलाने के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उसके निर्देशों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी.

महाकुंभ में 'नेत्र कुंभ' की स्थापना

लखनऊ। महाकुंभ-2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा. मेला प्रशासन महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के लिए 'नेत्र कुंभ' की स्थापना कर रहा है. 9 करोड़ से अधिक धनराशि से स्थापित होने वाला यह 'नेत्र कुंभ' (नेत्र शिविर) श्रद्धालुओं को एक अस्थायी नेत्र देखभाल सुविधा प्रदान करेगा, जहां श्रद्धालुओं की दृष्टि सुधार, मोतियाबिंद सर्जरी और चश्मे का वितरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएगी. 'नेत्र कुंभ' के लिए एक बड़ी केंद्रीय इकाई मुख्य मेला क्षेत्र में स्थापित की जाएगी.

कांग्रेस की हार के जिम्मेदार भूपेंद्र हुड्डा

कुरुक्षेत्र। किसान नेता और संयुक्त संघर्ष पार्टी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने हरियाणा में कांग्रेस की हार के पीछे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार बताया. उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस का नाश करेंगे और अब यह सच साबित हो गया है. हमें लोकसभा चुनाव में एक टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में भूपेंद्र सिंह मुकर गए. अगर वह अभय चौटाला के साथ समझौता करते और एक टिकट देते, तो उनकी पार्टी को हरियाणा में 9 सीटें मिल सकती थीं.

गुरुग्राम में स्कूटी सवार को मारी गोली

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम के हीरानगर इलाके में रविवार को गोलीबारी की एक घटना सामने आई है. एक बाइक से आए तीन बदमाशों ने स्कूटी सवार को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोग पीड़ित को अस्पताल ले गए. पूरा वाकया पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है. घटना गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हीरानगर की है. दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में लोग सहमे हुए हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है. तीन आरोपियों ने मिलकर यह हमला किया था.

सिन्दूर खेला के साथ शांति एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में नवरात्रि का समापन

गुवाहाटी में रविवार को दुर्गा पूजा समारोह के समापन का प्रतीक सिन्दूर खेला के दौरान महिलाएं एक-दूसरे को सिन्दूर लगाती हुईं. देवी दुर्गा सहित अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन के साथ ही देशभर में नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रि का त्योहार शांति एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया. **एजेंसी**

'भागवत के भाषण में झलक रहा है आरएसएस का दोहरा मापदंड'

- रास सांसद कपिल सिब्बल ने संघ प्रमुख के विजयादशमी संबोधन पर कसा तंज

एजेंसी। नयी दिल्ली

मशहूर वकील और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को विजयादशमी के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन पर तंज कसा.

सिब्बल ने कहा कि मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि इस देश में बंटवारा नहीं होना चाहिए. यहां बहुत सारे संत रहे हैं. यहां बहुत सारी भाषाएं बोली जाती हैं. लेकिन इसे आधार मानकर राष्ट्र का बंटवारा हो, इस स्थिति को हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं. यह एक बहुभाषी राष्ट्र है. बिल्कुल, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जब तक राष्ट्र में दोस्ताना भावना विकसित नहीं होगी, तब तक वो राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता है. सिब्बल ने कहा कि भागवत की बातें अच्छी हैं लेकिन शायद आपको यह नहीं पता है कि वह जिस सरकार का समर्थन करते हैं, उसके कार्यकाल में यानी 2014 से लेकर अब तक राष्ट्र में जितना विभाजन हुआ है, उतना शायद ही आज तक हुआ होगा. लेकिन आश्चर्य की बात है कि आज तक मोहन भागवत ने इस पर कुछ नहीं कहा. मैं आरएसएस प्रमुख से पूछना चाहता हूं कि आप लोगों ने आज तक कोई सवाल क्यों नहीं पूछा. कोई किसी को कह रहा है कि पाकिस्तान चले जाओ, देश में लगातार ईसाइयों पर हमले हो रहे हैं, लेकिन यह सरकार कुछ नहीं कर रही है.

हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है

सिब्बल ने ईवीएम के दुरुपयोग की बात की और कहा कि हर चुनाव में ऐसा होता रहा है. कहा कि मैं शुरू से ही यह कहता हुआ आ रहा हूं कि ईवीएम का दुरुपयोग हमेशा से ही होता रहा है. चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा. हर चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का दुरुपयोग होता रहा है. कांग्रेस का जिक्र कर कहा कि अब कांग्रेस ने हाल ही के चुनाव में ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया है. कांग्रेस ने इस संबंध में चुनाव आयोग में शिकायत तक दर्ज कराई है. अब आने वाले दिनों में कांग्रेस इस संबंध में सबूत भी आयोग को मुहैया कराएगी. इसके बाद आगे की स्थिति खुद ब खुद स्पष्ट हो जाएगी.

मध्य पूर्व संकट : भारत ने इजराइल के ख़िलाफ़ संरा के बयान पर जताई सहमति

एक और शांति सैनिक घायल

लगातार न्यूज नेटवर्क

इजराइल और लेबनान की सीमा पर बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों पर चिंता ज़ाहिर करने के साथ ही भारत ने इजराइली कार्रवाई के ख़िलाफ़ संयुक्त राष्ट्र के बयान पर अपनी सहमति जताई है. वहीं लेबनान में पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए और वहीं 36 अन्य घायल हो गए. इसके साथ ही लेबनान में इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या 2,255 हो गई. इस बीच, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफ़िल) के एक और सैनिक के घायल होने की ख़बर है. वहीं न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए अचानक हमले से तेहरान को जोड़ने वाले दावों को खारिज कर दिया है.

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि एक प्रमुख सैनिक योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत, 34 सैन्य योगदान देने वाले देशों की तरफ़ से जारी संयुक्त बयान से पूरी तरह से सहमत है. भारत के मुताबिक़ शांति सैनिकों की सुरक्षा और संरक्षण सबसे अहम है और इसे मौजूदा यूएनएससी प्रस्तावों के हिसाब से सुनिश्चित किया जाना चाहिए. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी इजराइल से लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ लड़ाई के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने के लिए कह चुके हैं. वहीं यूनिफ़िल ने कहा है कि दक्षिणी लेबनान में गोलीबारी की चपेट में आने से संयुक्त राष्ट्र का एक शांति सैनिक घायल हो गया है. इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र के घायल शांति सैनिकों की संख्या पांच पहुंच गई है.

लेबनान में इजराइली हमलों में संरा के घायल शांति सैनिकों की संख्या हुई पांच

लेबनान में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोगों की मौत

लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजराइली हवाई हमलों में 13 लोग मारे गए और वहीं 36 लोगों के घायल होने की खबर है. वहीं हिजबुल्लाह ने अलग-अलग बयानों में कहा कि उन्होंने इजराइली स्थलों को रॉकेटों से निशाना बनाया, जिनमें सीरिया के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के होमा बेस, माले गोलानी बैरक और करेन नफ्ताली में इजराइली सैनिकों का जमावड़ा शामिल है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माउंट लेबनान के चौफ जिले के बारजा शहर में एक तीन मंजिला आवासीय इमारत को निशाना बनाकर इजराइली हवाई हमला किया गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई. वहीं इस हमले में 14 अन्यों के घायल होने की खबर है. एनएनए के अनुसार, माउंट लेबनान के मैसरा गांव में एक और इजराइली हवाई हमले में एक इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए. एनएनए ने कहा कि इजराइली वायु सेना ने उत्तरी गवर्नरेट के बटरून जिले में एक नगरपालिका, डेयर बिल्ला पर भी हमला किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्यों के घायल होने की खबर है. इस बीच इजराइली लड़ाकू विमानों ने शनिवार शाम दक्षिणी नबातियेह शहर के वाणिज्यिक बाजार के केंद्र पर हमला किया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए और 30 से अधिक दुकानें नष्ट हो गईं. बता दें कि 23 सितंबर से इजराइली सेना हिजबुल्लाह के साथ बढ़ते तनाव के बीच लेबनान पर हवाई हमले कर रही है. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश पर इजराइली हमलों की शुरुआत के बाद से लेबनान में मरने वाले लोगों की कुल संख्या 2,255 तक पहुंच गई है जबकि इसमें 10,524 लोगों के घायल होने की खबर है. वहीं लगभग 1.2 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं.

ईरान ने इजराइल पर हुए हमास के हमले को तेहरान से जोड़ने के दावों को किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए अचानक हमले से तेहरान को जोड़ने वाले दावों को खारिज कर दिया है. इजराइल के दावों के अनुसार, हमास द्वारा इजराइल पर 7 अक्टूबर को किए गए हमलों की जानकारी तेहरान को पहले से ही थी. ईरानी मिशन ने द न्यू यॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के सवालों का जवाब देते हुए इन आरोपों को नकार दिया. दोहा स्थित हमास अधिकारियों ने घोषणा की है कि उन्हें इस ऑपरेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और केवल गाजा स्थित हमास की सैन्य शाखा ही इस ऑपरेशन की योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देशन के लिए जिम्मेदार थी. इस ऑपरेशन को आंशिक रूप से या पूरी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह से जोड़ने का कोई भी दावा अमान्य है और यह फर्जी दस्तावेजों पर आधारित है. न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को बताया कि इजराइली सेना द्वारा जब्त और अमेरिकी अखबार द्वारा प्राप्त हमास की गुप्त बैठकों के विवरण से 7 अक्टूबर के हमले की योजना का विस्तृत ब्यौरा मिलता है.

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर राजनेताओं की प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था को लेकर हमलावर विपक्ष

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में शनिवार रात एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीक़ी की हत्या के बाद राजनीतिक दलों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा है कि जहां पर बीजेपी है, वहां पर अपराध है, हत्या है, लूट है, डकैती है और माफियागिरी है.

एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा है कि राज्य में क़ानून व्यवस्था चिंता का विषय है. देश की आर्थिक राजधानी में पूर्व राज्य मंत्री पर गोली चलना दुखद है. मैं बाबा सिद्दीक़ी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हू. राष्ट्रीय जनता दल नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि यह काफ़ी दुखद घटना है. हमें कल इसकी जानकारी मिली थी कि उनकी हत्या कर दी गई है. हम चाहते हैं कि बचे हुए अपराधी और इस घटना के मास्टर माइंड को जल्द से जल्द पकड़ा जाए. शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने राज्य में हो रही हिंसक घटनाओं पर राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए गृहमंत्री और मुख्यमंत्री से कानून व्यवस्था में विफल रहने पर इस्तीफे की मांग की है. हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक ही दिन में दो मौतों की खबर महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को दर्शाती है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह भयावह घटना महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की पूर्ण विफलता को उजागर करती है. सरकार को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और न्याय होना चाहिए.

पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, 14 दिन की मांगी रिमांड

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त दोनों आरोपियों को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया. पुलिस ने 14 दिनों की रिमांड मांगी है. पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड को लेकर दोनों आरोपियों से कई पहलुओं पर पूछताछ जरूरी है. ऐसे में हमें 14 दिनों की रिमांड चाहिए. आरोपियों के पास से 28 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं. आरोपियों ने पुणे में रहकर रेकी की थी. इसके बाद फायरिंग की पूरी पटकथा तैयार की. पुलिस आरोपियों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों को हथियार कहां से मिले? इन्होंने इसका बंदोबस्त खुद ही किया था या किसी ने मुहैया कराए थे? दोनों आरोपी पूछताछ के दौरान कई विरोधाभाषी जानकारी दे रहे हैं, जिसे लेकर शंकाएं पैदा हो रही हैं.

असम व जेएंडके के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

लगातार न्यूज नेटवर्क

असम और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. हालांकि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है.

अधिकारियों के मुताबिक, ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित असम के उदलगुरी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई है. असम के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके राज्य के उदलगुरी जिले में महसूस किए गए. यह जिला भूटान और अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगा हुआ है. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र उदालगुरी के पास जमीन के 15 किलोमीटर की गहराई में था. वहीं दरांग, सोनितपुर जिलों और आसपास के इलाकों में भी लोगों ने झटके महसूस किए. भूकंप के कारण लोगों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए. भूकंप का केंद्र गुवाहाटी से लगभग 105 किलोमीटर उत्तर में था. आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि हो सकता है भूकंप के झटके पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी भूटान के कुछ इलाकों में भी महसूस किए हों.

पहाड़ों में आता रहता है भूकंप

पहाड़ी पूर्वोत्तर क्षेत्र के कम से कम एक राज्य में हर हफ्ते भूकंप आता है. रविवार को ही जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई थी.

राष्ट्रपति अफ्रीकी देशों की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना

- अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की यात्रा, किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की एक साथ तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा

एजेंसी। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुईं. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की एक साथ तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा है. मुर्मू अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निमंत्रण पर अल्जीरिया पहुंची, जहां 15 अक्टूबर तक रहेंगी.

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से भारत और अल्जीरिया के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को और मजबूती मिलेगी. दोनों देश तेल, गैस, रक्षा एवं अंतरिक्ष सहयोग जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में और नजदीक आएंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की इस यात्रा में दोनों राष्ट्रपतियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी. काउंसिल ऑफ नेशन (अल्जीरियाई संसद के ऊपरी सदन) और नेशनल पीपुल्स असेंबली (निचले सदन) के अध्यक्षों सहित कई अल्जीरियाई गणमान्य व्यक्ति भी इस बैठक में शामिल होंगे. इसके अलावा राष्ट्रपति मुर्मू भारत-अल्जीरिया के बीच आर्थिक मंच और सिदी अब्देल्ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पोल विश्वविद्यालय को संबोधित करेंगी. वह जार्डिन डी''एस्साई के हम्मा गार्डन में इंडिया कॉर्नर का भी उद्घाटन करेंगी. इसके बाद इस उत्तरी अफ्रीकी देश से भारतीय राष्ट्रपति 16 अक्टूबर को पड़ोसी देश मॉरिटानिया जाएंगी. मॉरिटानिया इस समय अफ्रीकी संघ का अध्यक्ष भी है. मॉरिटानिया पहुंच कर राष्ट्रपति मुर्मू अपने समकक्ष मोहम्मद औलद शेख अल गजौनी से बातचीत करेंगी. राष्ट्रपति भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगी. इसके बाद मलावी के राष्ट्रपति डॉ. लाजरस मैकार्थी चकवेरा के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मू 17-19 अक्टूबर तक मॉरिटानिया से पूर्वी अफ्रीकी देश पहुंचेंगी. राष्ट्रपति मुर्मू मलावी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक करेंगी.

तीन साल पूरे पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान'13 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च हुआ था

'पीएम गति शक्ति' से इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिली रफ्तार

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' (पीएमजीएस - एनएमपी) को तीन साल पूरे हो चुके हैं. इसे मोदी सरकार ने 13 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च किया था.

'पीएम गति शक्ति' योजना को केंद्र सरकार ने रेलवे, सड़क, पोर्ट, वाटरवे, एयरपोर्ट्स, परिवहन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास के लिए शुरू किया था. इसका उद्देश्य सरकारी विभागों और मंत्रालयों के बीच समन्वय बनाकर किसी परियोजना की सटीक योजना बनाना और उसे तेज गति से पूरा करना है. मौजूदा समय में 'पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' पोर्टल पर 44 केंद्रीय मंत्रालय और 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार हैं. पीएम गति शक्ति आने से देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की गति को बड़ा बूस्ट मिला है. इस पोर्टल पर 1,600 से अधिक डेटा लेयर हैं, जो कि सरकारी विभागों की इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को किफायती बनाने में मदद करती हैं. मौजूदा समय में इसमें 533 से ज्यादा प्रोजेक्ट मैप हो चुके हैं. पीएम गति शक्ति के तहत होने वाली नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप मीटिंग में अब तक 15.48 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के 213 प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया जा चुका है. पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का उपयोग करके अब तक 8,891 किलोमीटर की सड़कें और 27,000 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बनाने की योजना बनाई जा चुकी है. इसकी मदद से लेह (लद्दाख) से कैथल (हरियाणा) तक 13 गीगावाट के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के मुताबिक संरेखित किया गया है.

यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा : मोदी

पीएम गति शक्ति के तीन साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि गति शक्ति की बदौलत देश विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है. यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा. इसके अलावा, उन्होंने दूसरे पोस्ट में लिखा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है. इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास हुआ है. इसने लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दिया है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं.

मुंबई लोकल ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे, हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया. पश्चिम रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दोपहर 12.10 बजे मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक खाली लोकल ट्रेन (ईएमयू) के दो डिब्बे पटरी से उतर गए.

इस घटना के बाद स्टेशन पर कुछ समय के लिए हलचल मच गई. राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. घटना के बाद, चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच का स्लो ट्रैक तुरंत बंद कर दिया गया. रेलवे अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए फास्ट लाइन पर ट्रेन संचालन जारी रखा. यात्रियों की सुविधा के लिए चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच सभी ट्रेनें फास्ट लाइन पर मोड़ दी गई, जिससे यात्रा में कोई महत्वपूर्ण रुकावट नहीं आई.

धान खरीद में देरी के विरोध में रेल और सड़क यातायात थमे

- पंजाब की आप सरकार के खिलाफ किसानों ने जमकर की नारेबाजी

एजेंसी। चंडीगढ़

धान की धीमी खरीद के विरोध में 'संयुक्त किसान मोर्चा' द्वारा आयोजित विरोध-प्रदर्शन के तहत रविवार को किसान पंजाब में कई स्थानों पर रेलवे पटरियों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैठ गए. मिल मालिकों और आढ़तियों की हड़ताल ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है. वे धान बेचने पड़ोसी राज्य हरियाणा जा रहे हैं, क्योंकि वहां खरीद प्रणाली अच्छी तरह से व्यवस्थित है.

किसानों ने धान खरीद में देरी के लिए आप सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और खरीद में तेजी नहीं आने पर विरोध-प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी. ट्रेन और सड़क नेटवर्क बाधित होने से यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा. दोपहर 12 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक विरोध-प्रदर्शन किया गया. किसानों ने कई जगहों पर तीन घंटे तक जम्मू-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जाम किया. जालंधर में किसानों ने धनोवाली गेट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया, जिससे जालंधर-लुधियाना राजमार्ग अवरुद्ध हो गया. प्रदर्शनकारियों ने लुधियाना, अंबाला और दिल्ली जाने वाले मार्ग पर यातायात को बाधित करते हुए राजमार्ग को दोनों तरफ से अवरुद्ध कर दिया. पठानकोट के रास्ते जम्मू जैसे अन्य राज्यों में जाने वाला यातायात भी बाधित रहा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)